جاء الحق و ذهقل باطل۔انّا باطله كانا زهوكا.

जागो सुन्नियों जागो राफ़ज़ीयत को पहचानो

बिरादराने अहले सुन्नत व अल जमाअत के सच्चे पक्के सुन्नी सही उल अक़ीदह भाइयो को फकीर डॉ तारीक़ हुसैन की जानिब से अस्सलाम ओ अलैकुम व रहमतुल्लाहि तआला व बाराकाताहू। मेरे अज़ीज़ों मेरा कुछ रोज़ से एक ऐसे शख्स से बहस ओ मुबाहिसा हो रहा था। जो खुद को सय्यद कहता है। इंदौर में **ATS** में पदस्थ है। ये शख्स अब तक कई सुन्नियों को राफ़ज़ी बना चुका है इसका एक साथी जिसका नाम **अज़हर** है जो **बम्बई बाज़ार** का रहने वाला है। इसकी हमारे एक भाई **शोएब साबरी** से बहस हुई ये शख़्स (अज़हर) बम्बई बाज़ार, ग्रीनपार्क, चंदन नगर, खजराना में मोला मदद नाम से एक ऐसी orgnization चला रहा है जो मआज़ अल्लाह तमाम सहाबा ख़ुसूसन हज़रत सिद्दीक़ अकबर, उमर फ़ारूक़, उस्मान ग़नी, रदियल्लाहो तआला अनहों अजमाईन को मआज़ अल्लाह सुम्मा मआज़ अल्लाह काफिर कहते हैं। दरगाह नाहर शाह वली पर भी इनकी एक्टिविटी चलती है। इन्होंने बम्बई बाज़ार में, ग्रीन पार्क में कई लोगों को राफ़ज़ीयत के रास्ते पर ला खड़ा कर

दिया है। खुदारा जिनकी गाड़ियों में या दुकानों पर मौला मदद नाम से लिखा मीले हरगिज़ उनसे दूर रहो।

इन तमाम लोगों के ये अकीदे बिगड़े कहाँ से?? क्योंकि जितनी मेने तफ्तीश की अज़हर पहले सुन्नी था। फिर ये बिगड़े कहाँ से तो मुझे दो बातों का पता चला है। एक तो इन्हें अजमेर का एक खादिम जो इनके साथ प्रोग्राम करता है उससे मदद मिल रही है मेरे पास सबूत नही सिर्फ फ़ोटो है जो यहाँ आकर प्रोग्राम करता है। दूसरा दौलताबाद में कोई शख़्स था। जिसे लोग पीर और बाबा मानते थे। और मेरी तहक़ीक़ में ये पता चला कि दौलताबाद में अक्सर लोगों में इसने राफ़ज़ीयत को भर दिया है। और यही काम अजमेर से कुछ चरसी मुजावरों ने भी किया है। इससे बातचीत शुरू होने से क़ब्ल इसने मुझे और शोएब भाई को धमकी भी दी थी। लेकिन हमारी जानों से कही ज़्यादा अफ़ज़ल साहाबा इकराम की नलैन पाक की धूल की अज़मत को समझता हूं। इसलिए इस पूरे मसअले को आप लोगो तक पहुंचा रहा हूँ। अगर कुछ भाईयो की इस्लाह मक़सूद न होती तो में हरगिज़ उस मसअले पर बहस नहीं करता जिस पर बहस हुई है।

इस पूरी बहस को Pdf में कन्वर्ट कर आप तक पहुंचा रहा हूँ। और एक खास इल्तिजा कर रहा हूँ। तारीख की कई किताबें जो शुरू दौर में लिखी गईं उस दौर में जो ताबेईन के दौर के बाद ताँबेताबाईन के भी बाद लगभग 200 से 300 हिजरी में लिखी गईं हैं। उस दौर में हदीसों की जांच परख नहीं होती थी। न रावियों पर जिरह क़ायम की गई थी। न हदीस के मतन पर बहस हुई है। इसी वजह से खरजियों और राफ़ज़ीयों जिनका ज़ोर उस दौर में बहुत था, की बनाई हुई खुद साख्ता बातें भी उन में मिल गयी है। हदीसो की तदवीन में हमारे ओलमा ने बहुत मेहनत की ओर हदीसों की जिरह पर अब भी बहुत काम हो रहा है। उन हदीसों को आज भी जांचा परखा जा रहा है। ये एक बड़ा ज़खीम इल्म है जो बहुत कम मुफ्तियाने इकराम के पास होता है। उन पर बहस में कई किताबें लिखी गईं हैं। जिनका मुताअला हर आम व खास के बस की बात नहीं ना ही उसे समझने की सलाहियत है। लिहाजा खुद से तवारीख या हदीस की कोई किताब न पढ़ें। अगर वाकई आपको इल्म ए दीन हासिल करने का शोक है तो किसी आलिम ए दीन कि सोहबत इख्तियार करें। और उनही किताबो को

पड़े जो मोअतबर है। बिना आलिम ए दीन के उन मोअतबर किताबों को समझना इल्म ह़ासिल करना नहीं बल्कि फितना पैदा करना है।

इस मुबाहिसे में कई जगह टाइपिंग मिसटैक्स है। जो जल्द बाज़ी और तकाज़ा ए बशरीयत हो गई। अल्लाह की बारगाह में दुवा है मुझे मुआफ़ फरमाए। मेरे अज़ीज़ों इसे ज़रूर पड़ना ताकि इन सुन्नियों की खाल में छुपे भेड़ियों की हकीकत सामने आ सके। इनसे अपना और अपने अहलो अयाल के ईमान की हिफाज़त करो। इन बाबाओ, मुजवरो, जाली पीरों, बे अमल जाहिल सज्जादा नशीनों के चक्कर मे अपने ईमान को न गवाओ। खुदारा डरो उस आग से जिसका ईंधन इंसान ओर पत्थर है। अम्बिया अलैहिमुस्सलाम, साहाबा, इकराम, अहले बैत ए अतहार, का मकाम बहुत बलन्द व बाला है इनमें से किसी की शान में कोई बदबख्त गुस्ताखी करे या इश्काल पैदा करे फ़ौरन उससे दूर हो जाओ हर गिज़ इनमे से किसी से बदज़न न हो।

अल्लाह तआला ऐसो से हमारे ईमान की हिफाज़त फरमाए। आमीन।

एक इम्पोर्टेन्ट नोट:- इस मुबाहिसे में इस समीर नाम के शख्स ने क़ुरआन से दलील मिलने के बाद भी नहीं मानी। न ही जो शराइत ते हुवे उस पर क़ायम रहा जवाब मिलने के बाद भी सरकार अबू बकर सिद्दीक़ को मआज़ अल्लाह सुम्मा मआज़ अल्लाह बुरा कहता रहा। इससे इसकी मुनाफिकत मालूम हो जाती है और इसका राफ़ज़ी होना भी ज़ाहिर हो जाता है। इसने बार बार कहा में इस्लाह के लिए आया हूँ लेकिन दलील मिलने के बाद भी इसने हक़ क़ुबूल नहीं किया और मआज़ अल्लाह हज़रत उस्मान ग़नी रदियल्लाहो तआला अनहों को भी मआज़ अल्लाह यहूदी तक कहा। खुदारा इन्हें पहचानो। हर लिखी हुई चीज या बयान की हुई चीज दलील नहीं होती। ऐसे राफ़ज़ीयो से हमारी नस्लो के ईमान की हिफाज़त करो।

ग्रुप इस्लाह

दावा ए मुद्दई
हज़रत अबू बकर सिद्दीक़ रदियल्लाहो तआला अनहों का खात्मा ईमान पर नही

मुद्दई:- सैय्यद समीर साहब

साईल:- डॉ तारीक़ हुसैन

शराइत ए मुबाहिसा:-

1) दोनों फरीक अपना अपना मकतब ए फिक्र वाज़ेह करेंगे।

2) जब दोनो फरीक़ बात कर रहे हों तीसरा शख्स मदाखिलत नहीं करेगा।

3) अदब मलहूज़ दोनों फरीकेन की जानिब से रखा जाएगा। बदज़ाबानी, बदकलामी, करने पर ग्रुप से निकाल दिया जाएगा।

4) चूंकि दावा ईमान ओ कुफ्र का है इसलिए दावा

Islahi groupe

Arshad raza, Lala, Sadiq WARSI, Shoeb, S...

4) चूंकि दावा ईमान ओ कुफ्र का है इसलिए दावा पेश करने पर अगर दलील ए क़तई नहीं दे सके तो दावा जाईल हो जाएगा। और फरीक़ को इसे तसलीम करना लाज़िम होगा।

5) मौज़ू से हट कर कोई बात नही की जाएगी अगर मौज़ू के अलावा कोई बात पेश की जाए वह क़ुबूल न होगी।

6) किसी तरह की जातियात की बात नही की जाएगी। जैसे गाली, अहले खाना की जानिब तान, नस्ली तबर्राई वगेरह।

7) एक दूसरे के अकाबिर, ओलमा, की बात और उसूल दोनों फरीक़ के लिए हुज्जत होगी। खुद की कोई पर्सनल क़यास की कोई अहमियत नहीं होगी।

8) दोनों फरीक़ किसी शख्स को सदर मनसूब करे जो शराइत और दोनों फरीक़ की बे एतदाली को काबू करें।

9) हवाले का स्कैन मांगने पर देना होगा नही दे

Islahi groupe

Arshad raza, Lala, Sadiq WARSI, Shoeb, S...

9) हवाले का स्कैन मांगने पर देना होगा नही देने पर वो हवाला मंसूख हो जाएगा।

10) बात चीत वाइस में की जाए तो ज़्यादा बेहतर होगा।

11) अगर फरीक़ मौज़ू पर नही आए तो इसे उसकी शिकस्त तस्लीम की जाएगी।

12) जवाब ए दावा पेश करने पर अगर मुद्दई को ऐतराज़ हो तो उसका शरई उज़्र पेश करना होगा।

13) चूंकि दोनों ही फरीक़ मसरूफ हैं लिहाज़ा किसी काम मे मुब्तिला होने की बुनियाद पर उन्हें जाने से पहले बताना होगा। और अगर कोई ज़्यादा वक़्त के लिए जाना हो तो किसी को अपनी जगह मुन्तख़ब करना होगा। नही करने की सूरत में इसे राहे फराग तस्लीम किया जाएगा।

14) ये मुबाहिसा हक़ वाज़ेह करने के लिए है, जिसमे दो फरीक़ मुद्दई और साईल हम कलाम है मदाखिलत करने वाले को ग्रुप से खारजा कर दिया जाएगा।

Islahi groupe

Arshad raza, Lala, Sadiq WARSI, Shoeb, S...

15) अगर अपने फरीक़ को कोई मदद करनी हो तो उसे पर्सनल में करे ग्रुप में कोई तीसरा मदद नही करेगा।

16) सदर मोहतरम जो भी मुंखतब हो उन्हें बिना किसी दबाव या बिना किसी की तरफ दारी के एक ईमानदार और ज़िम्मेदार शख्स का किरदार अदा करना लाज़िम होगा। 10:27 AM ✓

शराइत पढ़ लीजिए कुछ ऐड करना हो इसमें तो बता दीजिए 10:28 AM ✓

और अगर इत्तेफ़ाक़ रखते है तो बता दीजिए ताकि बात सही तरीके से शुरु हो सके

10:31 AM ✓

+91 98791 51666 ~Bad Boy💋💋

11:05 AM

Islahi groupe

Arshad raza, Lala, Sadiq WARSI, Shoeb, S...

> +91 98791 51666
>

Yani aap in Sharayit se muttafiq hai

11:36 AM ✓

+91 98791 51666 ~Bad Boy💋💋

Ji janab

11:43 AM

Thik hai fir ham apna koi Sadar mutayyin karle

11:46 AM ✓

Aapki taraf se koi Naam ho to mutayyin farmaye

11:55 AM ✓

+91 98791 51666 ~Bad Boy💋💋

Ji Waqt k Imam ..aap jo thik samje..

11:59 AM

Bus dalaeel ko samj na

11:59 AM

+91 99777 45972 ~محمّد اظہر علی

> +91 98791 51666
> Ji Waqt k Imam ..aap jo thik samje..

11:59 AM

+91 99777 45972 ~محمّد اظہر علی

You
ग्रुप इस्लाह

दावा ए मुद्दई...

Baat voice m.nhi ki jyegi 11:59 AM

+91 99777 45972
Baat voice m.nhi ki jyegi

Aapko baar baar kaha ja Raha he beech me n bole 12:00 PM ✓

+91 98791 51666 ~Bad Boy💋💋

Voice me muje thik padega to voice bhi kar dunga ...waise mai police station ya officer k pass hota hu is liye typ jyada sahi rahega 12:00 PM

+91 99777 45972 ~محمّد اظہر علی

You
Aapko baar baar kaha ja Raha he beech me n bole

Baat hm dono se hogi masla mere se shuru hua h smjhe jnab pp 12:01 PM

Islahi groupe
Arshad raza, Lala, Sadiq WARSI, Shoeb, S...

+91 98791 51666 ~Bad Boy💋💋

Kyu mai apne mazhab ki baate gair k samne nahi karta...aur aap ki voice mesagea koee sune to thik nahi

12:02 PM

+91 99777 45972 ~محمّد اظہر علی

> **You**
> Aapko baar baar kaha ja Raha he beech me n bole

Or jnab baat hm dono se baat krn hogi aap ko 12:02 PM

Or sameer bawa ki gair mojudgi me akber bhai reply krenge 12:04 PM

> **+91 98791 51666**
> Ji Waqt k Imam ..aap jo thik samje..

Y beja baat hai waqt ka imam ka n kisi ne dawa kiya fir ye beja bat karna behtar nahi 12:04 PM ✓

> **+91 99777 45972**
> Or jnab baat hm dono se baat krn hogi aap ko

Islahi groupe

Arshad raza, Lala, Sadiq WARSI, Shoeb, S...

+91 98791 51666

Ji Waqt k Imam ..aap jo thik samje..

Y beja baat hai waqt ka imam ka n kisi ne dawa kiya fir ye beja bat karna behtar nahi

12:04 PM

+91 99777 45972

Or jnab baat hm dono se baat krn hogi aap ko

Beech me bak bak mat karo

12:04 PM

+91 98791 51666

Kyu mai apne mazhab ki baate gair k samne nahi karta...aur aap ki voice mesagea koee sune to thik nahi

Muttafiq

12:04 PM

+91 98791 51666

Kyu mai apne mazhab ki baate gair k samne nahi karta...aur aap ki voice mesagea koee sune to thik nahi

Dono ki gair mojoodgi me teesra koi msg nahi karega agar use muntakha nahi kiya gaya to

12:06 PM

Islahi groupe
Arshad raza, Lala, Sadiq WARSI, Shoeb, S...

Kyuki dono ke beech jo guftagu hai woh dono behtar samajhte hai teesra bolega fir chotha fir panchwa sab bakwas hogi na Mubahisa ka koi Hasil hoga na kuch Wazeh sirf 2 hi log baat karenge 12:07 PM ✓

+91 98791 51666 ~Bad Boy💋💋
  sahi 12:13 PM

Insha allah aap ko pura waqt dunga moula ne chaha to 12:13 PM

> +91 98791 51666
> Insha allah aap ko pura waqt dunga moula ne chaha to

Aapki Janib se koi Nama Sadar ke liye ho to Mutayyin kar de 12:24 PM ✓

+91 98791 51666 ~Bad Boy💋💋
Aap jise behtar samje 12:25 PM

Be fikr 12:25 PM

Islahi groupe

Arshad raza, Lala, Sadiq WARSI, Shoeb, S...

Me yaha zyada ko nahi janta shoeb bhai Hasan noori sahab sadiq warsi shayad sahab aor mere Bhai Lala khan ke alawa 12:26 PM ✓

Personally kisi ko nahi 12:26 PM ✓

To behtar hoga ki aap koi naam tajweez farma de 12:26 PM ✓

Nahi to meri janib se me shoeb bhai par chodta ho jo Shakhsiyat Mukhlis ho unhe woh bana de 12:27 PM ✓

Baki jitne Nam hai sab Mukhlis hai 12:28 PM ✓

+91 98791 51666 ~Bad Boy💋💋

Janab mera bhi yahi hai...mai azhar bhai k alawa kisi ko nahi janta ... 12:28 PM

+91 98791 51666

Janab mera bhi yahi hai...mai azhar bhai k alawa kisi ko nahi janta ...

Hmm fir ye thoda pechida Rahega 12:28 PM ✓

Islahi groupe
Arshad raza, Lala, Sadiq WARSI, Shoeb, S...

+91 98791 51666 ~Bad Boy💋💋

> You
> Nahi to meri janib se me shoeb bhai par chodta ho jo Shakhsiyat Mukhlis ho unhe woh bana de

Behtar hai aap ki pehl kare 12:28 PM

Koi esa ho jo lagatar yaha nazar Rakh sake 12:29 PM ✓

Or mukhlis bhi ho 12:29 PM ✓

+91 98791 51666 ~Bad Boy💋💋

Aap jis ko thik samje ...waise aap aur mai baat karenge hawala denge to exept karna hi hai 12:31 PM

+91 99777 45972 ~محمّد اظہر علی

> +91 98791 51666
> Aap jis ko thik samje ...waise aap aur mai baat karenge hawala denge to exept karna hi hai

Sehmat hu 12:34 PM

Islahi groupe
Arshad raza, Lala, Sadiq WARSI, Shoeb, S...

+91 98980 21785 ~Akbar Chauhan
Net ka hawala vailed nahi hoga
12:35 PM

> +91 99777 45972
> Sehmat hu

Bich me bak bak mat karo 12:39 PM ✓

> +91 98980 21785
> Net ka hawala vailed nahi hoga

Aakhri Warning de raha hu 12:39 PM ✓

> +91 98791 51666
> Aap jis ko thik samje ...waise aap aur mai baat karenge hawala denge to exept karna hi hai

Fill waqt parents meeting me ja Raha hu
12:40 PM ✓

+91 99777 45972 ~محمّد اظہر علی

> +91 98980 21785
> Net ka hawala vailed nahi hoga

Sehmat
12:40 PM

Islahi groupe

Arshad raza, Lala, Sadiq WARSI, Shoeb, S...

> +91 99777 45972
> Sehmat

Samajh me nahi a rahi hai 12:40 PM ✓

+91 99777 45972 ~محمّد اظہر علی

> +91 98791 51666
> Aap jis ko thik samje ...waise aap aur mai baat karenge hawala denge to exept karna hi hai

Bawa left ho jao aap grup 12:40 PM

Se 12:40 PM

Shoeb Bhai Rani Pura

> You
> ग्रुप इस्लाह
>
> दावा ए मुद्दई...

12:40 PM

+91 99777 45972 ~محمّد اظہر علی

Akber bhai left ho jao 12:41 PM

Islahi groupe
Arshad raza, Lala, Sadiq WARSI, Shoeb, S...

Bola ne teesra Koi nahi bolega
12:41 PM ✓

+91 99777 45972 ~محمّد اظہر علی

> You
> Bola ne teesra Koi nahi bolega

Esa nhi hota ham 3 log bus tum bhut ho ham bolnge
12:41 PM

Smjhe janab aap 12:41 PM

Baat krna he to aap kriye 12:41 PM

Koi baat nhi hogi

Mein mere 2 no bhaiyo ko bhar kr rha hu
12:42 PM

Krte rahiye app munazra 12:42 PM

> +91 99777 45972
> Esa nhi hota ham 3 log bus tum bhut ho ham bolnge

Tumhe nikalna hai nikal jao 12:42 PM

Islahi groupe

Arshad raza, Lala, Sadiq WARSI, Shoeb, S...

+91 97135 25666 ~हर कोई चाहता हे 1 मुट्ठी आ...

> +91 99777 45972
> Esa nhi hota ham 3 log bus tum bhut ho ham bolnge

क्या तुम्हे समीर बाबा पर यकीन नहीं 12:54 PM

अज़हर मियां ये नाम आपही ने दिया हे 12:55 PM

अगर आपको उनपर यकीन नहीं हे तो किसी और ओलमा का नाम दे सकते हो 12:55 PM

क्योंकि बात इस्लाह की होगी
बहस की नहीं
और इस्लाह आलिमे दींन के बिच ही होगी 12:56 PM

+91 99777 45972 ~محمّد اظہر علی

> +91 97135 25666
> क्या तुम्हे समीर बाबा पर यकीन नहीं

Aal e mohammad s a w par yakin nhi hoga to chacha kis pe hoga

Or rhi baat chacha ye log jhute h admin nhi banya mujhe ..Jo baat tai ki

Islahi groupe

Arshad raza, Lala, Sadiq WARSI, Shoeb, S...

+91 97135 25666 ~हर कोई चाहता हे 1 मुट्ठी आ...

अज़हर मियां अगर आप आलिमे दीन हैं तो आप ने सय्यद समीर का नाम किसलिए दिया

12:57 PM

+91 99777 45972 ~محمّد اظہر علی

> +91 97135 25666
> अज़हर मियां अगर आप आलिमे दीन हैं तो आप ने सय्यद समीर का नाम किसलिए दिया

Mere bade h sayyad shab

12:57 PM

+91 97135 25666 ~हर कोई चाहता हे 1 मुट्ठी आ...

> +91 99777 45972
> Aal e mohammad s a w par yakin nhi hoga to chacha kis pe hoga
> ...

तो क्या में ये समझू ये बहस आपके लिए सिर्फ एडमिन बन्ने की हे
इस्लाह आपके लिए ज़रूरी नहीं

12:59 PM

+91 97135 25666 ~हर कोई चाहता हे 1 मुट्ठी आ...

> +91 99777 45972
> Mere bade h sayyad shab

तो फिर ये समझो की जब बड़े बात करें तो छोटे

Islahi groupe

Arshad raza, Lala, Sadiq WARSI, Shoeb, S...

+91 97135 25666 ~हर कोई चाहता हे 1 मुट्ठी आ...

> +91 99777 45972
> Mere bade h sayyad shab

तो फिर ये समझो की जब बड़े बात करें तो छोटे अदब का मुकाम रक्खे और चुप रहें
और अगर बोलना हे तो अपने बड़े से प्रिवेट में बात करें 1:00 PM

+91 99777 45972 ~محمّد اظہر علی

kuch sunni bhaiyo ko dikhana baat hote huye 1:00 PM

Thek he bismillah 1:01 PM

Molana shab bismillah kijiye 1:01 PM

+91 97135 25666 ~हर कोई चाहता हे 1 मुट्ठी आ...

> +91 99777 45972
> Molana shab bismillah kijiye

जी बोहोत शुक्रिया 1:02 PM

दोनों आलिमे दीन अपनी बात शुरू कीजिएगा
अब इंशाअल्लाह कोई भी बिच में नहीं बोलेगा 1:03 PM

Islahi groupe

Arshad raza, Lala, Sadiq WARSI, Shoeb, S...

शोएब मियां आपकी तरफ से भी कोई नहीं बोलना चाहिए 1:04 PM

दोनों तरफ के बाकि के मेंबर पर ये लाज़िम हे की वो बिच में नहीं बोले

अगर कोई बात करना हे या अपनी कोई राय रखना हे तो बराए मेहरबानी अपने ओलमा से पर्यवेट मे बात करे 1:06 PM

सब लोगों को इत्तेफ़ाक़ रखना ज़रूरी हे 1:08 PM

+91 98791 51666 ~Bad Boy💋💋

1:10 PM

Sultan Green Park added +91 89626 55410

Shoeb Bhai Munazra

Munazre ke sadar hamari taraf se ayaaz chacha hai ..Or wo hi dono fariq ki bat sunege or dono ko wo hi usul yad dilayenge ...Aap sehmat hai..

1:28 PM

Sultan Green Park removed +91 90390 92892

Islahi groupe

Arshad raza, Lala, Sadiq WARSI, Shoeb, S...

+91 99777 45972 ~محمّد اظہر علی

> **Shoeb Bhai Munazra**
> Munazre ke sadar hamari taraf se ayaaz chacha hai ..Or wo hi dono fariq ki bat sunege or dono ko wo hi usul yad ...

Sehmat

1:30 PM

> **+91 97135 25666**
> जी बोहोत शुक्रिया

Me sehmat hu Aap hi Sadarat kare koi be usooli aor be tartibi hoti hai aap control kare

1:30 PM ✓

+91 98791 51666

> **Shoeb Bhai Munazra**
> Munazre ke sadar hamari taraf se ayaaz chacha hai ..Or wo hi dono fariq ki bat sunege or dono ko wo hi usul yad ...

Ji bhaijan

1:47 PM

Islahi groupe

Arshad raza, Lala, Sadiq WARSI, Shoeb, S...

Shoeb Bhai Munazra

Sadar munazir ayaz mastar chacha aap ko me admin bana raha hu ...Jo bhi bich me bole aap ko haq hai aap bahar kardo chahe me hi hu ..Ya azhar bhai ho ..Ya koi or aap bahar karde bina warning diye ...

Thik hai..

1:55 PM

+91 98791 51666 ~Bad Boy💋💋

2:19 PM

Sultan Green Park added +91 98260 44755

Islahi groupe

Arshad raza, Lala, Sadiq WARSI, Shoeb, S...

+91 97135 25666 ~हर कोई चाहता हे 1 मुट्ठी आ...

सदर मुनाजिर की तरफ से दोनों हज़रात इन बातों का खयाल रखें

अल्लाह तआला ने हमे मुसलमान बनाया हे ये उसका हमपे फ़ज़ल अज़ीम हे। कलमे की दौलत सबसे बड़ी नेमत हे । जिसके पास ये नही चाहे वो कितना ही अमीर हो जाये कामयाब नही होगा।

इसी तरह कलमे के शरीक मुसलमान के पास हुस्ने अख़लाक़ होना ये सबसे अहम हे । जिसके पास अख़लाक़ बेहतर नही वो कितना ही बड़ा नमाज़ी हाजी अलीम तालिबे इल्म हो कामयाब नही होगा

आप दोनों की गुफ़्तुगू में चाहता हु ऐसी हो कि इसको जब बाद में लोग देखें तो ये कहे कि दो मुसलमानो ने बात की । यह नही कहे कि दो ज़िद्दी ओर नफ़्स परस्तो ने बात की ।

आप दोनों ने जिस मोज़ू को तेय किया हे ।

Islahi groupe
Arshad raza, Lala, Sadiq WARSI, Shoeb, S...

वो कोई आम मसला नही हे । हज़रत सिद्दिके अकबर रादिअल्लाहो तआला अन्हो की शान का मुआमला हे ।

समीर बाबा सय्यद साहब ने जो दावा किया हे । वो अपना दावा साबित करे क़ुरआन हादिस से उसके बाद डॉ तारिक़ हूसैन साहब उसपे जवाब में अपना दावा पेश करे ओर उसपे दलील दे ओर इनके दावे को दलील से रदद् करे ।

दोनो फरीक इस गुफ़्तुगू को जाती ना बनाए इसका ख्याल रहे । यहां हक़ वाज़ेह होने पर यह ना सोचे कि उसकी हार होगी तो जलील होगा । बल्कि इससे उप्पर उठके हक़ को तस्लीम करे ।

आखरी बात जो शराइत तेय हुवे हे उसको आप दोनों ने तस्लीम किया हे। इस लिए उसपे दोनो कायम रहे । अब कोई नये शराइत तेय नही होंगे ।

Islahi groupe
Arshad raza, Lala, Sadiq WARSI, Shoeb, S...

हुजूर सल्ललाहु तआला अलेह वासल्लम ने फरमाया हे 4 खसलते ऐसी हे जिसमें वो होगी वो पक्का मुनाफ़िक़ है । या इनमे से अगर एक खसलत भी इसमे हे तो इसमें निफ़ाक़ की एक खसलत हे।यहां तक के वो इसे छोड़ ना दे

(1)अमानत में खयानत करने वाला
(२)बात बात पे झूठ बोलने वाला
(3) अहद तोड़ने वाला। यानी वादा कर के मुकर ने वाला।
(4) ओर झगड़े के वक़्त गालिया देने वाला

📚**सही बुखारी किताबुल ईमान हदीस नम्बर 34**

मुझे आप दोनों की मर्ज़ी से सदर बनाया हे आप दोनों पे ये लाज़िम हे कि मेरी बात को माने । ये जरूरी हे कि में आपसे इल्म में कम हु लेकिन ओहदे में अपने मुझे अपने ऊपर रखा हे । आप दोनों में से कोई भी शराइत के खिलाफ गया तो में उसको वादा याद दिलाऊंगा । ओर आप दोनों को मेरी बात मानना होगी ।

Islahi groupe

Arshad raza, Lala, Sadiq WARSI, Shoeb, S...

में इन शा अल्लाह पूरी ईमानदारी से अपनी जिम्मेदारी को निभाऊंगा ।

आप दोनों से भी उम्मीद यही रखता हूं कि आप दोनों भी ईमानदारी से उसूल से बात करेंगे

हवाला जो आप देंगे तो में भी तहक़ीक़ करूँगा ओर हवाला कही से भी दो सिर्फ वो झूठा नही होना चाहिए । अगर दोनों में से किसी ने कोई दलील दी और एक ने नही मानी तो उसको ना मानने की वजह बतानी होगी । हवाला गलत कहने से काम नही चलेगा उसको साबित करना पड़ेगा ।

ये मेंने अपनी तरफ से कुछ बाते अर्ज़ की हे उम्मीद करता हु आप दोनों इससे सहमत होंगे।

और उम्मीद करता हूँ की इस पोस्ट को पढ़ कर किसी को भी कोई एतराज़ न होगा

आपकी

दुवाओं का तलबगार

अयाज़ मास्टर

7:49 PM

Islahi groupe

Arshad raza, Lala, Sadiq WARSI, Shoeb, S...

+91 99777 45972 ~محمّد اظہر علی

> +91 97135 25666
> सदर मुनाजिर की तरफ से दोनों हज़रात इन बातों का खयाल रखें
> ...

Sehmat h chacha ham 7:51 PM

> +91 97135 25666
> सदर मुनाजिर की तरफ से दोनों हज़रात इन बातों का खयाल रखें
> ...

Me isme itna zaroor kahna chahunga ki ek Baar dono fareeq apna Maktab e Fikar bata de Taki Hawale dene me Asaani ho 7:53 PM ✓

> +91 97135 25666
> सदर मुनाजिर की तरफ से दोनों हज़रात इन बातों का खयाल रखें
> ...

Baki Har Baat se Muttafiq hu Haq isi me hai Ki Ana Parasti na ki jaye 7:53 PM

Islahi groupe

Arshad raza, Lala, Sadiq WARSI, Shoeb, S...

+91 97135 25666 ~हर कोई चाहता हे 1 मुट्ठी आ...

You

Baki Har Baat se Muttafiq hu Haq isi me hai Ki Ana Parasti na ki jaye

वो पहले बता दिया हे शायद
आप ऊपर देखलें

7:57 PM

Janab mai ..sunny nahi ...na mai siya hu...haq talash kar raha hu...aur sirf sunny maktab se hi baat karta hu ...to aap bhi de hawale sunny kutub se koee diqt nahi

इसमें वज़ाहत नही थोड़ा कंफ्यूज़न है।
ये कह रहे है में सुन्नी कुतुब से बात करता हु क्या इनके नज़दीक़ वो किताबे और उसूल ए हदीस हुज्जत है अगर है तो मुझे बस कोई दिक्कत नही में यही समझ लूंगा।

8:01 PM ✓

Islahi groupe

Arshad raza, Lala, Sadiq WARSI, Shoeb, S...

+91 97135 25666 ~हर कोई चाहता हे 1 मुट्ठी आ...

> **You**
> Janab mai ..sunny nahi ...na mai siya hu...haq talash kar raha hu...aur sirf sunny maktab se hi baat karta hu ...to aap bhi ...

इसकी तस्लीम पहले होचुकी
उनका कहना हे सुन्नी क़ुतुब का फैसला उनका ही हे
अब अगर वो अपनी बात से पलटते हे
और नहीं मानते तो उनकी हार मानी जाएगी

8:05 PM

> +91 97135 25666
> इसकी तस्लीम पहले होचुकी
> उनका कहना हे सुन्नी क़ुतुब का फैसला उनका ही हे
> अब अगर वो अपनी बात से पलटते हे ...

जज़ाक़ अल्लाह

8:06 PM ✓

Islahi groupe
Arshad raza, Lala, Sadiq WARSI, Shoeb, S...

+91 98791 51666 ~Bad Boy💋💋

> +91 97135 25666
> सदर मुनाजिर की तरफ से दोनों हज़रात इन बातों का खयाल रखें
> ...

Jijanab bilkul sahi 8:24 PM

Yaha kisi ko nicha nahi dikhana ...meri tehqeq aur dr. Sahab ki tehqeq se kuch acha hi natiza nikalega insha allah 8:25 PM

Chaliye aap Apna Dawa Maye Daleel pesh kar dijiye 8:27 PM ✓

+91 98791 51666 ~Bad Boy💋💋

Ji bhai jan 8:28 PM

Mera sawal suru se hota hai ...jyada tar log aur olma likhte hai ki...bacho me Ali aur bado me Abu bakr islam laye.. 8:30 PM

Thik hai na ye baat meri 8:30 PM

Islahi groupe
Arshad raza, Lala, Sadiq WARSI, Shoeb, S...

> You
> ग्रुप इस्लाह
>
> दावा ए मुद्दई...

इससे आप मुत्ताफ़िक़ है ना??? 8:31 PM ✓

+91 98791 51666 ~Bad Boy💋💋

> You
> इससे आप मुत्ताफ़िक़ है ना???

Mai ne jawab diya ...sahi hai 8:31 PM

> +91 98791 51666
> Mai ne jawab diya ...sahi hai

तो आप दावा पेश करे और उस पर दलील क़ायम करे हमारे नज़दीक़ बहस हज़रत अबु बकर सिद्दीक़ रादियालहो तआला अनहों का ईमान पर खत्म हुआ है या नही इस ये मुद्दा है अव्वलियत का नही 8:33 PM ✓

+91 98791 51666 ~Bad Boy💋💋

Ji bhai yahi topic rahega bus .. 8:33 PM

Islahi groupe
Arshad raza, Lala, Sadiq WARSI, Shoeb, S...

+91 98791 51666 ~Bad Boy💋💋

> +91 98791 51666
> Mera sawal suru se hota hai ...jyada tar log aur olma likhte hai ki...bacho me Ali aur bado me Abu bakr islam laye..

Ye sahi hai na 8:34 PM

Jab mai ne tehqeq ki to muje laga ki ye galat hai 8:35 PM

Kyu ki Aap S.A.W ne 40 saal ki umr mubark me Naboowat diclair ki..
8:36 PM

> +91 98791 51666
> Mera sawal suru se hota hai ...jyada tar log aur olma likhte hai ki...bacho me Ali aur bado me Abu bakr islam laye..

ये पूरा एक अलग टॉपिक है अभी हमारे मायाबेन जो तय हुआ वो खात्मे इमानि है 8:36 PM ✓

Islahi groupe
Arshad raza, Lala, Sadiq WARSI, Shoeb, S...

+91 98791 51666 ~Bad Boy💋💋

> You
> ये पूरा एक अलग टॉपिक है अभी हमारे मायाबेन जो तय हुआ वो खात्मे इमानि है

Ap samje ge to na janab 8:36 PM

Abu bakr ne puri jindagi kya kiya us se to aap ko aur sab ko pata chalega ki kufr hai ya imaan 8:37 PM

जनाब वाला सबसे पहले दावा पेश किया जाता है मै दलील आप पहली बार किसी से उसूलन बात कर रहे है 8:37 PM ✓

दावा पेश करिए दलील के साथ 8:38 PM ✓

+91 98791 51666 ~Bad Boy💋💋

Sabse pehle islam abu bakr nahi laye hai ... 8:38 PM

> +91 98791 51666
> Sabse pehle islam abu bakr nahi laye hai ...

ये आपका दूसरा दावा हुवा 8:38 PM

Islahi groupe

Arshad raza, Lala, Sadiq WARSI, Shoeb, S...

अभी जिस दावे पर हम मुत्ताफ़िक़ हुवे पहले उस पर बात करे
8:39 PM

+91 98791 51666 ~Bad Boy💋💋
Khatma ...bhai jan aap se detail me baat karunga tabhi samjenge
8:39 PM

Direct me kisi par bolunga to samj aana nahi kisi ko
8:39 PM

अलहम्द लिल्लाह यहाँ सब समझ दार है आप अपने दावे जिस पर हैम मुत्ताफ़िक़ हुवे उसे दलील के साथ पेश करे
8:40 PM

+91 98791 51666 ~Bad Boy💋💋
Bhai me yahi to kaha...wo islam laye iman nahi
8:41 PM

Suru se hi
8:41 PM

> +91 98791 51666
> Bhai me yahi to kaha...wo islam laye iman nahi

जनाब के वाला खात्मा ईमान पर हुवा की नहीं
8:41 PM

Islahi groupe
Arshad raza, Lala, Sadiq WARSI, Shoeb, S...

+91 98791 51666 ~Bad Boy💋💋
Nahi ... 8:41 PM

दलील दीजिये 8:42 PM ✓

+91 98791 51666 ~Bad Boy💋💋
Jab iman hi nahi laye to khatma.kaise hoga bhai 8:42 PM

दलील दीजिये उनका खात्मा ईमान पर नही हुवा मआज़ अल्लाह 8:42 PM ✓

+91 98791 51666 ~Bad Boy💋💋
Ji thik chalo direct inteqal pe 8:42 PM

Usnho ne khud ekrar kiya ki ....teen kaam aise the jo muje nahi karne the...jis me se aik ....KASH MAI NE BIBI S.A (FATEMA ZEHARA S.A) K GHAR KA DARWAJA NAHI TODA HOTA 8:44 PM

Islahi groupe

Arshad raza, Lala, Sadiq WARSI, Shoeb, S...

> **+91 98791 51666**
> Usnho ne khud ekrar kiya ki ....teen kaam aise the jo muje nahi karne the...jis me se aik ....KASH MAI NE BIBI S.A (FATEMA ...

हवाला दे

8:44 PM ✓

+91 98791 51666
~Bad Boy

Hawala aap ko send kar deta hu just min

8:44 PM

Thodii der wait bus bhaijan

8:44 PM

+91 98791 51666
~Bad Boy

کنزالعمال... حصہ پنجم ۳۱۳

تو مجھے اسی وقت اس کی گردن اڑا دینا چاہیے تھی، کیونکہ مجھے خیال گذرا تھا کہ یہ شخص کسی بھی شر کو دیکھے گا تو اس کی مدد کرے گا۔ جب میرے پاس فجاءۃ کو لایا گیا تو کاش میں نے اس کو جلایا نہ ہوتا بلکہ یا تو عمدہ طریقے سے قتل کر دیا ہوتا یا پھر اس کو آزاد کر دیتا۔ اور کاش کہ جب میں نے ملک شام کی فتوحات کے لیے خالد کو بھیجا تھا اسی وقت عمر کو عراق کی طرف فتوحات کے لیے روانہ کر دیا ہوتا تو میرے دونوں ہاتھ دائیں اور بائیں اللہ کی راہ میں برسرپیکار ہو جاتے۔ اور وہ تین باتیں جن کا مجھے رسول اللہ ﷺ سے سوال کر لینا تھا ایک تو مجھے یہ سوال کرنا تھا کہ یہ حکومت کی باگ ڈور کن لوگوں کے ہاتھ میں دینی چاہیے تاکہ پھر ان سے کوئی اس کے بارے میں نزاع نہ کرے، نیز میری خواہش تھی کہ میں یہ سوال بھی آپ سے پوچھ لیتا کہ کیا انصار کو بھی اس حکومت میں لیا جائے؟ اور یہ سوال بھی ضروری تھا کہ پھوپھی اور بھانجی کی میراث کے متعلق کیا حکم ہے۔ میرے دل میں میراث کے متعلق ان دونوں کا خیال رہتا ہے۔ ابوعبیدہ فی کتاب الاموال، العقیلی فی الضعفاء، فضائل الصحابة [illegible] الکبیر للطبرانی، ابن عساکر، السنن لسعید بن منصور

8:49 PM

+91 98791 51666
~Bad Boy

۱۴۱۱۳... عبدالرحمن بن عوف رضی اللہ عنہ سے مروی ہے کہ حضرت ابوبکر رضی اللہ عنہ نے اپنے مرض الوفات میں ان کو فرمایا: مجھے تین چیزوں کے کرنے کا افسوس ہے، کاش میں ان کو نہ کرتا۔ تین چیزوں کے نہ کرنے کا افسوس ہے۔ کاش میں ان کو انجام دیدیتا اور تین چیزوں کے متعلق میری خواہش تھی کہ کاش میں نبی اکرم ﷺ سے ان کے متعلق سوال کر لیتا۔

بہرحال وہ تین چیزیں جو میں نے انجام دیں کاش کہ میں ان کو نہ کرتا، کاش میں فاطمہ کا دروازہ نہ کھولتا اور اس کو چھوڑ دیتا اگرچہ لوگوں نے اس کو جنگ پر بند کر دیا تھا (یعنی فاطمہ کی مخالفت نہ کرتا) کاش سقیفہ کے روز حکومت کی باگ ڈور دو آدمیوں میں سے کسی ایک کی گردن میں ڈال دیتا ابوعبیدۃ رضی اللہ عنہ بن الجراح یا عمر رضی اللہ عنہ۔ پس ان میں سے کوئی بھی امیر بن جاتا اور میں اس کے لیے محض وزیر (مددگار) ہوتا۔ اور کاش کہ جب میں نے خالد کو مرتدین کے خلاف لشکر کشی کے لیے بھیجا تو میں وہ قصہ تمام کر دیتا اگر مسلمان غالب آجاتے تو ٹھیک ورنہ میں ذی القصہ میں اور لشکروں کو مدد بہم پہنچانے میں مصروف رہتا۔

اور وہ تین چیزیں مجھ سے چھوٹ گئیں، کاش کہ میں ان کو انجام دے لیتا جب اشعث بن قیس کو میرے پاس قیدی حالت میں پیش کیا گیا

8:49 PM

تو مجھے اسی وقت اس کی گردن اڑا دینا چاہیے تھی، کیونکہ مجھے خیال گذرا تھا کہ یہ شخص کسی بھی شر کو دیکھے گا تو اس کی مدد کرے گا۔ جب میرے پاس فجاءۃ کو لایا گیا تو کاش میں نے اس کو جلایا نہ ہوتا بلکہ یا تو عمدہ طریقے سے قتل کردیا ہوتا یا پھر اس کو آزاد کردیتا۔ اور کاش کہ جب میں نے ملک شام کی فتوحات کے لیے خالد کو بھیجا تھا اسی وقت عمر کو عراق کی طرف فتوحات کے لیے روانہ کردیا ہوتا تو میرے دونوں ہاتھ دائیں اور بائیں اللہ کی راہ میں برسرپیکار ہوجاتے۔ اور وہ تین باتیں جن کا مجھے رسول اللہ ﷺ سے سوال کرلینا تھا ایک تو مجھے یہ سوال کرنا تھا کہ یہ حکومت کی باگ ڈور کن لوگوں کے ہاتھ میں رہنی چاہیے تاکہ پھر ان سے کوئی اس کے بارے میں نزاع نہ کرے، نیز میری خواہش تھی کہ میں یہ سوال بھی آپ سے پوچھ لیتا کہ کیا انصار کو بھی اس حکومت میں لیا جائے؟ اور یہ سوال بھی ضروری تھا کہ پھوپھی اور بھانجی کی میراث کے متعلق کیا حکم ہے۔ میرے دل میں میراث کے متعلق ان دونوں کا خیال رہتا ہے۔ ابو عبیدہ فی کتاب الاموال، العقیلی فی الضعفاء، فضائل الصحابة لخیثمة بن سلیمان الطرابلسی. الکبیر للطبرانی، ابن عساکر، السنن لسعید بن منصور

۱۴۱۱۳... عبدالرحمن بن عوف رضی اللہ عنہ سے مروی ہے کہ حضرت ابوبکر رضی اللہ عنہ نے اپنے مرض الوفات میں ان کو فرمایا: مجھے تین چیزوں کے کرنے کا افسوس ہے، کاش میں ان کو نہ کرتا۔ تین چیزوں کے نہ کرنے کا افسوس ہے۔ کاش میں ان کو انجام دیدیتا اور تین چیزوں کے متعلق میری خواہش تھی کہ کاش میں نبی اکرم ﷺ سے ان کے متعلق سوال کرلیتا۔

بہرحال وہ تین چیزیں جو میں نے انجام دیں کاش کہ میں ان کو نہ کرتا، کاش میں فاطمہ کا دروازہ نہ کھولتا اور اس کو چھوڑ دیتا اگرچہ لوگوں نے اس کو جنگ پر بند کردیا تھا (یعنی فاطمہ کی مخالفت نہ کرتا) کاش سقیفہ کے روز حکومت کی باگ ڈور دو آدمیوں میں سے کسی ایک کی گردن میں ڈال دیتا ابوعبیدہ رضی اللہ عنہ بن الجراح یا عمر رضی اللہ عنہ۔ پس ان میں سے کوئی بھی امیر بن جاتا اور میں اس کے لیے محض وزیر (مددگار) ہوتا۔ اور کاش کہ جب میں نے خالد کو مرتدین کے خلاف لشکر کشی کے لیے بھیجا تو میں وہ قصہ تمام کردیتا اگر مسلمان غالب آجاتے تو ٹھیک ورنہ میں لڑائی میں اور لشکروں کو مدد بہم پہنچانے میں مصروف رہتا۔

اور وہ تین چیزیں مجھ سے چھوٹ گئیں کاش کہ میں ان کو انجام دے لیتا جب اشعث بن قیس کو میرے پاس قیدی حالت میں پیش کیا گیا

इसने सबसे पहले कंजूल ईमान किताब का ये हवाला दिया जिसकी न सनद मौजूद है ना ही ये हदीस ए मुतावातीरा है। कंज़ुल ईमान एक गैर मोअतबर किताब है जिसकी के वजूहात है। जिनमे से एक वजह ये है के, इसमें ज़ईफ़ व मौज़ू रेवायातो की तादाद काफी ज्यादा है। ईमान और कुफ्र के मसअले में नस ए क़तई की हाजत होती है ज़ईफ़ और मौज़ू रिवायतों का ऐतबार नहीं होता।
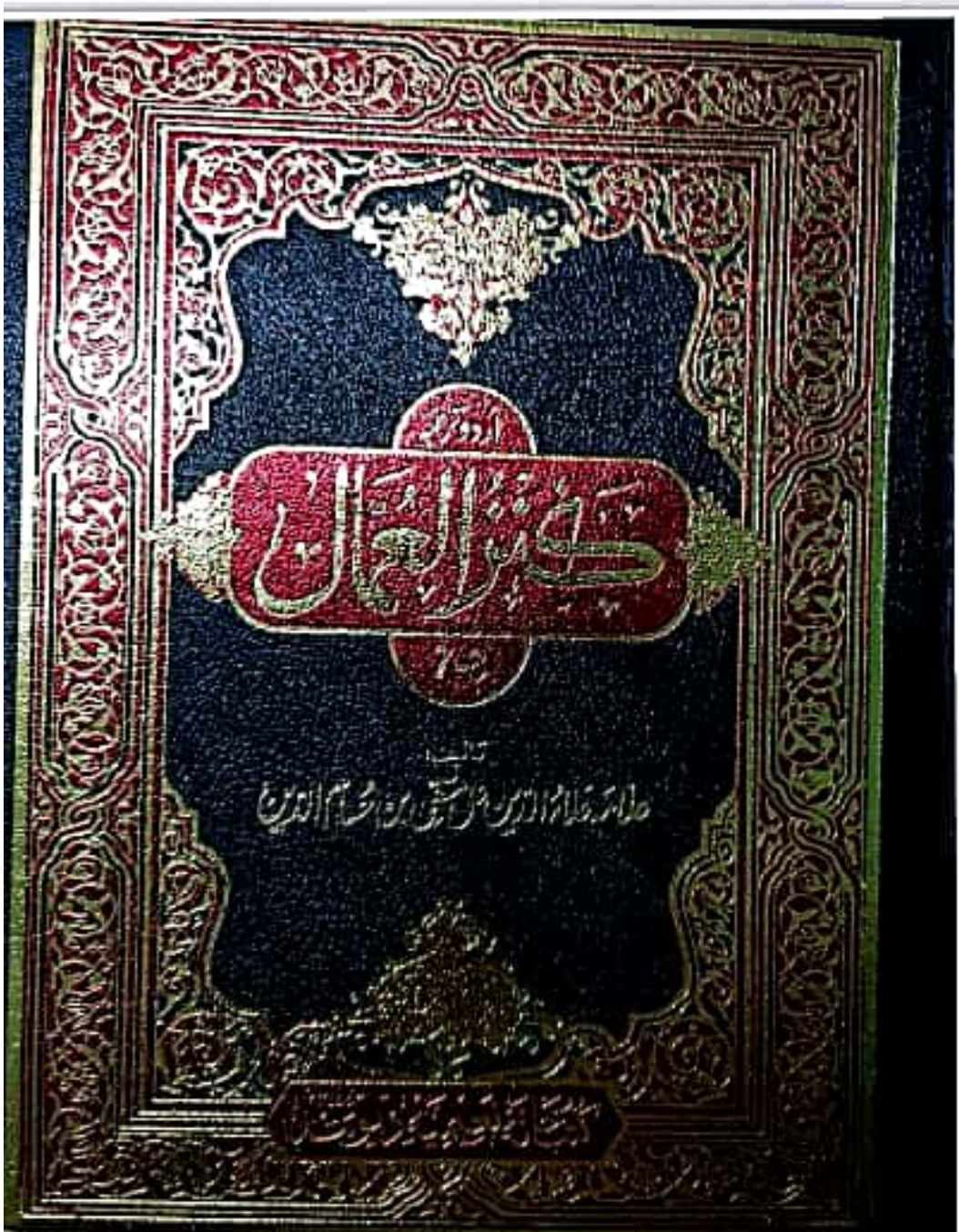
Islahi groupe

Arshad raza, Lala, Sadiq WARSI, Shoeb, S...

+91 98791 51666
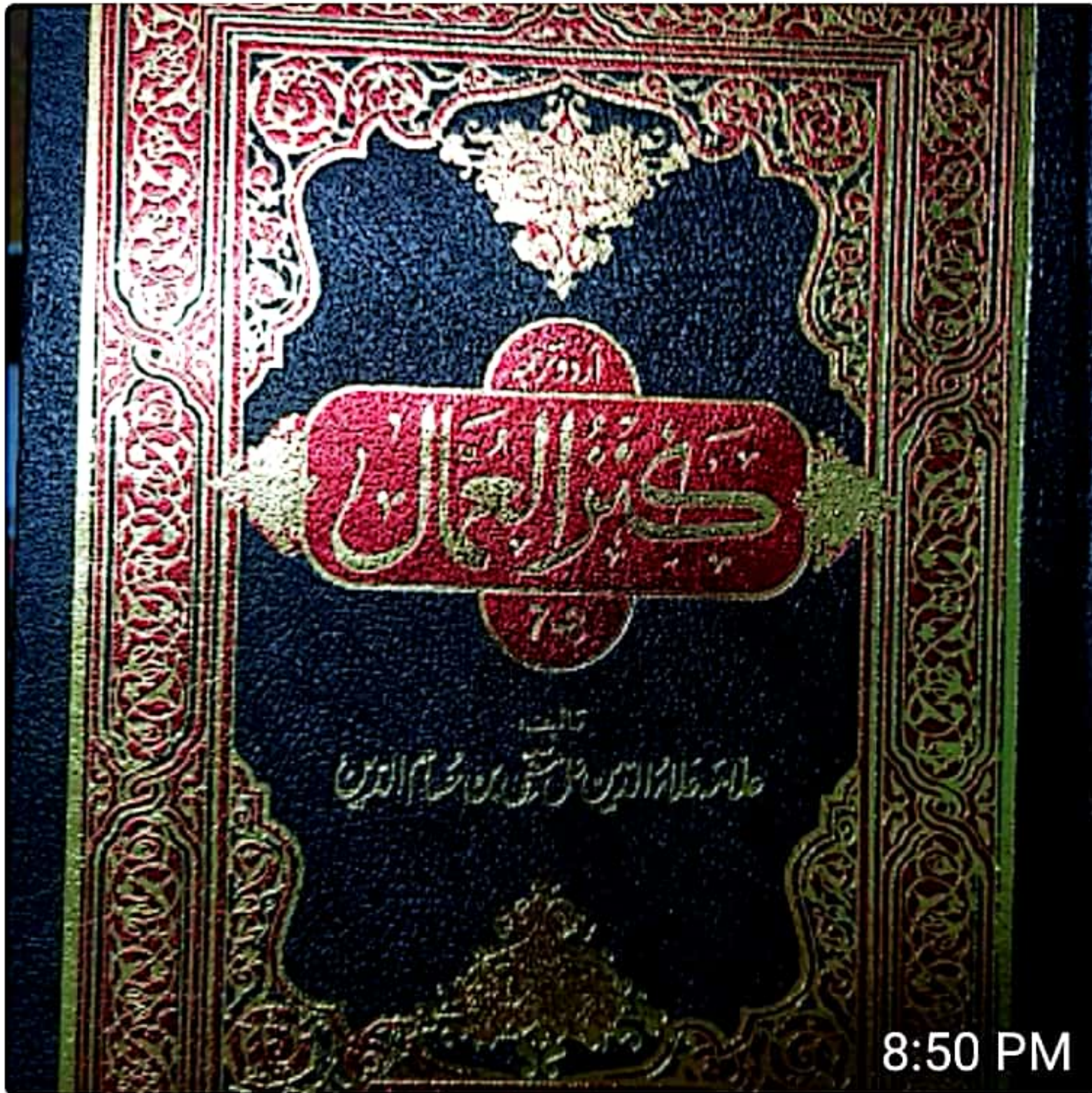
8:50 PM

Ye aik ...wait ..dusre send karta hu...aur janab ye kitab mere pass mouzud hai 8:50 PM

Aur jo dusre hawale hai wo bhi kitab mere pass hai hi to fir aap ko jaisa aage thik lage waise bolna 8:51 PM

Wait..... 8:52 PM

Islahi groupe

Arshad raza, Lala, Sadiq WARSI, Shoeb, S...

+91 98791 51666 ~Bad Boy

صدیق اکبر کا نو چیزوں کے بارے میں حسرت کا اظہار

ابوبکرؓ نے کہا کہ میرے دل میں دنیا کی کوئی حسرت نہیں ہے، مگر تین چیزیں ایسی ہیں جو میں نے کی ہیں لیکن
اے کاش نہ کرتا اور تین چیزیں ایسی ہیں جو میں نے چھوڑ دی ہیں مگر کاش ان کو کرتا اور تین چیزیں ایسی ہیں کہ کاش میں
رسول اللہ ﷺ سے ان کے متعلق دریافت کر لیتا۔ وہ تین چیزیں جن کو میں چھوڑ دیتا تو اچھا ہوتا یہ ہیں کہ کاش میں
فاطمہ کا گھر نہ کھولتا اگر چہ وہ لوگ جنگ کے لیے اس کا دروازہ بند کرتے۔ اور کاش میں الفجاءہ سلمی کو نہ جلاتا بلکہ یا تو اس
باندھ کر قتل کر دیتا یا آزادا چھوڑ دیتا۔ اور کاش بنی سقیفہ کے روز میں اس امارت کو دو میں سے کسی ایک شخص کے گلے میں
ڈال دیتا۔ ابوبکرؓ کا اشارہ عمرؓ اور ابوعبیدہ کی طرف تھا۔ دونوں میں سے کوئی ایک امیر ہوتا اور میں وزیر ہوتا۔

8:56 PM

+91 98791 51666 ~Bad Boy

تاریخ طبری

تاریخ الامم والملوک

مصنف

علامہ ابی جعفر محمد بن جریر الطبری

حافظی بکڈپو

دیوبند یوپی

ناشر
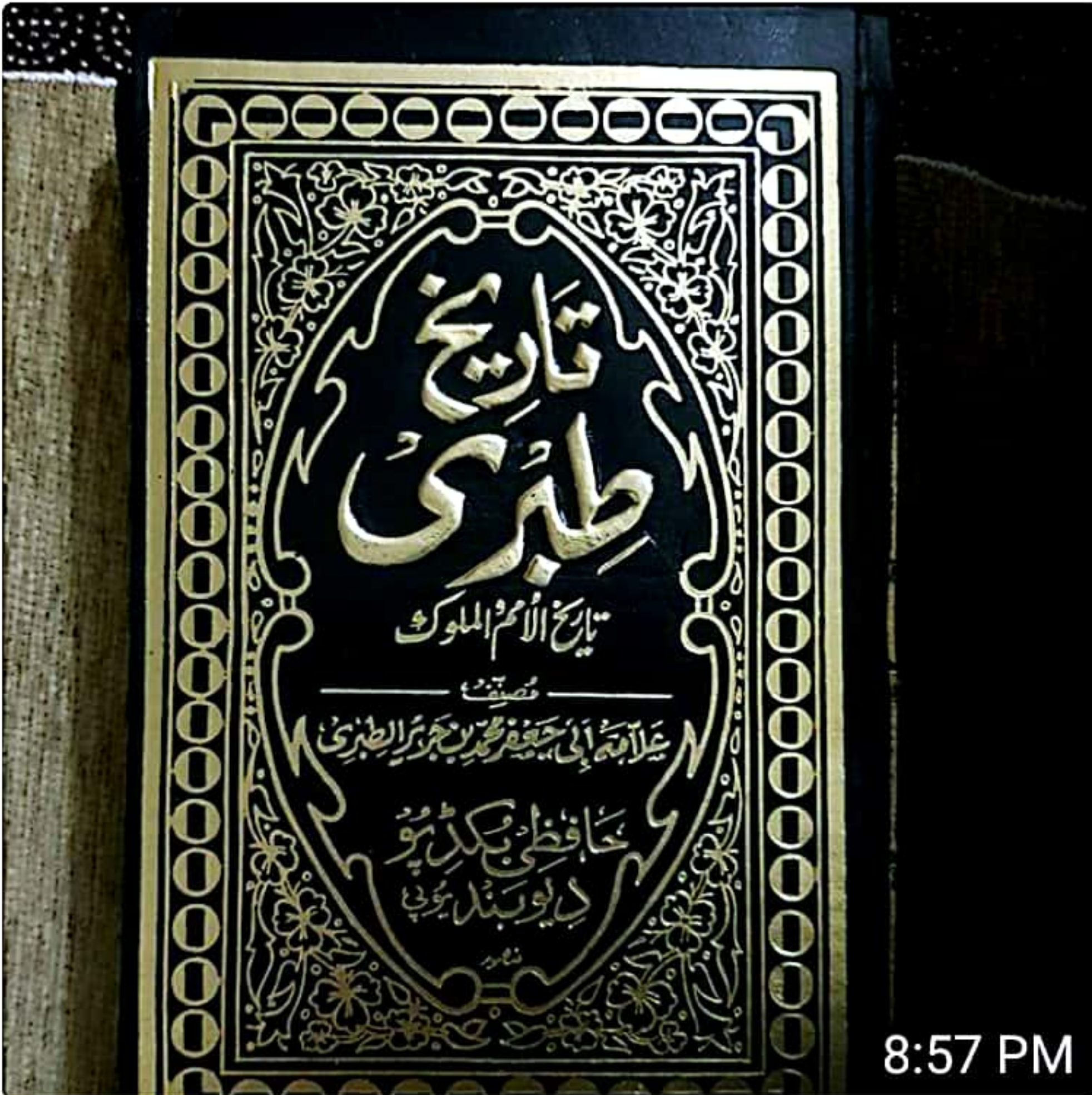
8:57 PM

Tarikh e tabri zild 2 page 187 8:57 PM

صدیق اکبر کا نو چیزوں کے بارے میں حسرت کا اظہار

ابوبکرؓ نے کہا کہ میرے دل میں دنیا کی کوئی حسرت نہیں ہے، مگر تین چیزیں ایسی ہیں جو میں نے کی ہیں لیکن اے کاش نہ کرتا اور تین چیزیں ایسی ہیں جو میں نے چھوڑ دی ہیں مگر کاش ان کو کرتا اور تین چیزیں ایسی ہیں کہ کاش میں رسول اللہ ﷺ سے ان کے متعلق دریافت کر لیتا۔ وہ تین چیزیں جن کو میں چھوڑ دیتا تو اچھا ہوتا یہ ہیں کہ کاش میں فاطمہؓ کا گھر نہ کھولتا اگر چہ وہ لوگ جنگ کے لیے اس کا دروازہ بند کرتے۔ اور کاش میں الفجاء سلمی کو نہ جلاتا بلکہ یا تو اس کو باندھ کر قتل کر دیتا یا آزادا چھوڑ دیتا۔ اور کاش بنی سقیفہ کے روز میں اس امارت کو دو میں سے کسی ایک شخص کے گلے میں ڈال دیتا، ابوبکرؓ کا اشارہ عمرؓ اور ابوعبیدہ کی طرف تھا۔ دونوں میں سے کوئی ایک امیر ہوتا اور میں وزیر ہوتا۔

ये इनका दूसरा हवाला था तारीख ए तिबरी से जबकि ये किताब भी मोअतबर नही उसका जवाब मेने आगे दिया है लेकिन यहां बताने के लिए इतना काफी है की इसके मुकदमे में खुद अल्लामा तिबरी फरमा रहे है

तारीख के वो रिवायात दर्ज है जिनका न सही होना मालूम हुआ और हक़ीक़ी तौर पर भी वो कोई माने नही रखती।

इसके सही होने का इनकार तो खुद हज़रत तिबरानी ने कर दिया

Islahi groupe

Arshad raza, Lala, Sadiq WARSI, Shoeb, S...

तारीख ए तिबरी और कंजूल आमाल की ये दोनों हदीसो की सनद ही नही है

8:58 PM ✓

+91 98791 51666 ~Bad Boy💋💋

أحدكم على حسك السعدان، ووالله لأن يقدم
أحدكم فيضرب عنقه، في غير حد خير له من أن
يبيح في غمرة الدنيا ثم قال: أما إني لا آسى
على شيء، إلا على ثلاث فعلتهن، وددت أني لم
أفعلهن، وثلاث لم أفعلهن وددت أني فعلتهن،
وثلاث وددت أني سألت رسول الله صلى الله
عليه وسلم عنهن، فأما الثلاث اللاتي وددت أني
لم أفعلهن: فوددت أني لم أكن كشفت بيت
فاطمة وتركته، وأن أغلق على الحرب، ووددت
أني يوم سقيفة بني ساعدة كنت قذفت الأمر في
عنق أحد الرجلين: أبي عبيدة أو عمر، فكان أمير
المؤمنين، وكنت وزيرا، ووددت أني حيث كنت
وجهت خالد بن الوليد إلى أهل الردة، أقمت بذي
القصة فإن ظفر المسلمون ظفروا، وإلا كنت ردء
أو مددا، وأما اللاتي وددت أني فعلتها: فوددت
أني يوم أتيت بالأشعث أسيرا ضربت عنقه، فإنه
يخيل إلي أنه يكون شر الإطار إليه، ووددت أني
يوم أتيت بالفجاءة السلمي لم أكن أحرقه، وقتلته
سريحا، أو أطلقته نجيحا، ووددت أني حيث
وجهت خالد بن الوليد إلى الشام وجهت عمر إلى

ومما أسند أبو بكر الصديق عن رسول الله صلى الله عليه وسلم

تکیوں کے ساتھ سجاؤ گے' نرم بستر رکھو گے' گویا کہ تم
میں سے کوئی ایک بہت بے چین ہے' قسم بخدا! یہ کہ تم
سے کوئی ایک آگے بڑھے اور بغیر حد کے اس کی گردن
اتار دی جائے' اس کے لیے یہ بہتر ہوگا اس سے کہ وہ
دنیا کی ریل پیل میں قدم دھرے' مجھے کسی چیز پر افسوس
نہیں ہے مگر تین کام جو میں نے کیے' مجھے پسند یہ تھا کہ
وہ کام نہ کروں اور تین کام جو میں نہ کر سکا' میری خواہش
تھی کہ میں انہیں ضرور کر گزروں اور تین وہ کام جن کے
بارے میں رسول کریم ﷺ سے پوچھنا چاہتا تھا۔ پس
وہ تین کام جو ذاتی طور پر نہیں کرنا چاہتا تھا' میری شدید
خواہش تھی کہ حضرت فاطمہ رضی اللہ عنہا کا گھر نہ کھلے'
میں اسے چھوڑ دوں اور میں اپنے اوپر جنگ کا دروازہ
بند کر دوں' میری خواہش تھی کہ ثقیفہ بنوساعدہ کے
دن' ابوعبیدہ یا عمر بن خطاب میں سے کسی ایک کی گردن
میں مسلمانوں کا معاملہ ڈال دوں اور وہ ان کا امیر ہو اور
میری حیثیت ایک وزیر کی ہو اور میری خواہش تھی کہ
حضرت خالد بن ولید کو جہاں میں مرتدوں کے خلاف
لگایا' میں ذوقصہ کے ساتھ کھڑا کروں۔ پس اگر مسلمان
کامیاب ہو جائیں تو کامیاب ہو جائیں' ورنہ میں

8:58 PM

इसकी सनद आपको मोजमातुल कबीर में मिलेगी

8:58 PM ✓

Islahi groupe

Arshad raza, Lala, Sadiq WARSI, Shoeb, S...

+91 98791 51666

اَهْلُهُ، وَوَدِدْتُ اَنِّی کُنْتُ سَاَلْتُهُ هَلْ لِلْاَنْصَارِ فِی هٰذَا الْاَمْرِ سَبَبٌ، وَوَدِدْتُ اَنِّی سَاَلْتُهُ عَنِ الْعَمَّةِ وَبِنْتِ الْاَخِ، فَاِنَّ لِی نَفْسِی مِنْهُمَا حَاجَةٌ

سلمی میرے پاس لایا گیا' میں اسے جلانے کی بجائے اسے کھلے بندوں قتل کر دوں یا آزاد کر دوں۔ میں چاہتا تھا کہ جہاں میں نے خالد بن ولید کو شام کی طرف بھیجا تھا' حضرت عمر کو عراق کی طرف بھیجوں' پس میرا حال یہ ہو کہ میرا دایاں اور بایاں دونوں ہاتھ اللہ کی راہ میں پھیلے ہوئے ہوں اور وہ تین کام جو میں رسول کریم ﷺ سے پوچھنا ناپسند کرتا تھا' مجھے پسند تھا کہ میں آپ ﷺ سے پوچھوں' اس معاملے میں کون ہوتا کہ اس کی اہلیت رکھنے والے جھگڑا نہ کریں' مجھے پسند تھا کہ میں آپ ﷺ سے سوال کروں کہ اس امر میں انصار کے لیے کیا سبب ہے' مجھے پسند تھا کہ میں چچی اور بھائی کی بہن کے بارے میں آپ ﷺ سے پوچھوں (کہ ان سے نکاح کا کیا حکم ہے) کیونکہ دونوں سے مجھے ذاتی ضرورت تھی۔

8:59 PM

+91 98791 51666

ये इनका तीसरा हवाला अल मोजमातुल कबीर इसमें भी वही हदीस है जो तारीख ए तिबरी, तिबरानी साहब से नक़्ल की है। जिसे में पहले ही बता चुका ये मोअतबर नही।

أَحَدُكُمْ عَلَى حَسَكِ السَّعْدَانِ، وَوَاللهِ لَأَنْ يُقَدَّمَ أَحَدُكُمْ فَيُضْرَبَ عُنُقُهُ، فِي غَيْرِ حَدٍّ خَيْرٌ لَهُ مِنْ أَنْ يَسِيحَ فِي غَمْرَةِ الدُّنْيَا ثُمَّ قَالَ: أَمَا إِنِّي لَا آسَى عَلَى شَيْءٍ، إِلَّا عَلَى ثَلَاثٍ فَعَلْتُهُنَّ، وَدِدْتُ أَنِّي لَمْ أَفْعَلْهُنَّ، وَثَلَاثٍ لَمْ أَفْعَلْهُنَّ وَدِدْتُ أَنِّي فَعَلْتُهُنَّ، وَثَلَاثٍ وَدِدْتُ أَنِّي سَأَلْتُ رَسُولَ اللهِ صَلَّى اللهُ عَلَيْهِ وَسَلَّمَ عَنْهُنَّ، فَأَمَّا الثَّلَاثُ اللَّاتِي وَدِدْتُ أَنِّي لَمْ أَفْعَلْهُنَّ: فَوَدِدْتُ أَنِّي لَمْ أَكُنْ كَشَفْتُ بَيْتَ فَاطِمَةَ وَتَرَكْتُهُ، وَأَنْ أُغْلِقَ عَلَيَّ الْحَرْبَ، وَوَدِدْتُ أَنِّي يَوْمَ سَقِيفَةِ بَنِي سَاعِدَةَ كُنْتُ قَذَفْتُ الْأَمْرَ فِي عُنُقِ أَحَدِ الرَّجُلَيْنِ: أَبِي عُبَيْدَةَ أَوْ عُمَرَ، فَكَانَ أَمِيرَ الْمُؤْمِنِينَ، وَكُنْتُ وَزِيرًا، وَوَدِدْتُ أَنِّي حَيْثُ كُنْتُ وَجَّهْتُ خَالِدَ بْنَ الْوَلِيدِ إِلَى أَهْلِ الرِّدَّةِ، أَقَمْتُ بِذِي الْقَصَّةِ فَإِنْ ظَفِرَ الْمُسْلِمُونَ ظَفِرُوا، وَإِلَّا كُنْتُ رِدْءًا أَوْ مَدَدًا، وَأَمَّا اللَّاتِي وَدِدْتُ أَنِّي فَعَلْتُهَا: فَوَدِدْتُ أَنِّي يَوْمَ أُتِيتُ بِالْأَشْعَثِ أَسِيرًا ضَرَبْتُ عُنُقَهُ، فَإِنَّهُ يُخَيَّلُ إِلَيَّ أَنَّهُ يَكُونُ شَرٌّ إِلَّا طَارَ إِلَيْهِ، وَوَدِدْتُ أَنِّي يَوْمَ أُتِيتُ بِالْفُجَاءَةِ السُّلَمِيِّ لَمْ أَكُنْ أَحْرَقْتُهُ، وَقَتَلْتُهُ سَرِيحًا، أَوْ أَطْلَقْتُهُ نَجِيحًا، وَوَدِدْتُ أَنِّي حَيْثُ وَجَّهْتُ خَالِدَ بْنَ الْوَلِيدِ إِلَى الشَّامِ وَجَّهْتُ عُمَرَ إِلَى الْعِرَاقِ فَأَكُونُ قَدْ بَسَطْتُ يَدَيَّ يَمِينِي وَشِمَالِي فِي سَبِيلِ اللهِ عَزَّ وَجَلَّ، وَأَمَّا الثَّلَاثُ اللَّاتِي وَدِدْتُ أَنِّي سَأَلْتُ رَسُولَ اللهِ صَلَّى اللهُ عَلَيْهِ وَسَلَّمَ: عَنْهُنَّ، فَوَدِدْتُ أَنِّي كُنْتُ سَأَلْتُهُ فِيمَنْ هَذَا الْأَمْرُ فَلَا يُنَازِعُهُ

اپنے گھروں کو ریشم کے پردوں کے ساتھ اور دیبا
تکیوں کے ساتھ سجاؤ گے' نرم بستر رکھو گے' گویا
میں سے کوئی ایک بہت بے چین ہے' قسم بخدا!
سے کوئی ایک آگے بڑھے اور بغیر حد کے اس کی گ
اُتار دی جائے' اس کے لیے یہ بہتر ہوگا اس سے
دنیا کی ریل پیل میں قدم دھرے' مجھے کسی چیز پر ا
نہیں ہے مگر تین کام جو میں نے کیے' مجھے پسند یہ
وہ کام نہ کروں اور تین کام جو میں نہ کر سکا' میری خو
تھی کہ میں انہیں ضرور کر گزروں اور تین وہ کام جن
بارے میں رسول کریم ﷺ سے پوچھنا چاہتا تھا
وہ تین کام جو ذاتی طور پر نہیں کرنا چاہتا تھا' میری
خواہش تھی کہ حضرت فاطمہ رضی اللہ عنہا کا گھر
میں اسے چھوڑ دوں اور میں اپنے اوپر جنگ کا
بند کر دوں' میری خواہش تھی کہ ثقیفہ بنو ساعد
دن' ابوعبیدہ یا عمر بن خطاب میں سے کسی ایک کی
میں مسلمانوں کا معاملہ ڈال دوں اور وہ ان کا امیر
میری حیثیت ایک وزیر کی ہو اور میری خواہش
حضرت خالد بن ولید کو جہاں میں مرتدوں کے
لگایا' میں ذوقصہ کے ساتھ کھڑا کروں۔ پس اگر
کامیاب ہو جائیں تو کامیاب ہو جائیں' ور
معاون و مددگار بنوں۔ وہ چیزیں جو میں کرنا چ
میں چاہتا تھا کہ جس دن اشعث کو قید کر کے میر
لایا گیا' اس دن گردن اُڑا دوں کیونکہ میرا خیال
وہ بُرے لوگوں سے ہے۔ میں چاہتا تھا کہ جس

أَهْلُهُ، وَوَدِدْتُ أَنِّي كُنْتُ سَأَلْتُهُ هَلْ لِلْأَنْصَارِ فِي هَذَا الْأَمْرِ سَبَبٌ، وَوَدِدْتُ أَنِّي سَأَلْتُهُ عَنِ الْعَمَّةِ وَبِنْتِ الْأَخِ، فَإِنَّ فِي نَفْسِي مِنْهُمَا حَاجَةً

سلمی میرے پاس لایا گیا' میں اسے جلانے کی بجائے اسے کھلے بندوں قتل کر دوں یا آزاد کر دوں۔ میں چاہتا تھا کہ جہاں میں نے خالد بن ولید کو شام کی طرف بھیجا تھا' حضرت عمر کو عراق کی طرف بھیجوں' پس میرا حال یہ ہو کہ میرا دایاں اور بایاں دونوں ہاتھ اللہ کی راہ میں پھیلے ہوئے ہوں اور وہ تین کام جو میں رسول کریم ﷺ سے پوچھنا ناپسند کرتا تھا' مجھے پسند تھا کہ میں آپ ﷺ سے پوچھوں' اس معاملے میں کون ہوتا کہ اس کی اہلیت رکھنے والے جھگڑا نہ کریں' مجھے پسند تھا کہ میں آپ ﷺ سے سوال کروں کہ اس امر میں انصار کے لیے کیا سبب ہے' مجھے پسند تھا کہ میں چچی اور بھائی کی بہن کے بارے میں آپ ﷺ سے پوچھوں (کہ ان سے نکاح کا کیا حکم ہے) کیونکہ دونوں سے مجھے ذاتی ضرورت تھی۔

Islahi groupe

Arshad raza, Lala, Sadiq WARSI, Shoeb, S...

Wait aik aur de raha hu fir baat

8:59 PM

+91 98791 51666 ~Bad Boy💋💋

آپ کا کلام

آپ نے لوگوں سے خطاب کرتے ہوئے فرمایا: میں نے تین خطاؤں کے سوا کسی امر میں خطا نہیں کی ، وہ تین باتیں بھی ایسی تھیں جن کے سرزد ہونے کے بعد میں نے انہیں فوراً ترک کر کے توبہ کر لی تاہم مجھے افسوس رہا کہ ایسی تین خطائیں بھی سرزد کیوں ہوئیں اور یہ بھی افسوس رہا کہ ایسے معاملات میں رسول اللہ صلی اللہ علیہ وسلم کی رائے مبارک معلوم نہ کر سکا تھا۔ ان تین خطاؤں میں سے ایک خطا تو یہ ہے کہ میری زندگی میں فاطمہ

9:03 PM

+91 98791 51666

زہراؓ بنت رسول اللہ صلی اللہ علیہ وسلم کا دروازہ توڑا گیا (اس کے متعلق بہت سی مختلف روایات ہیں) دوسری خطا میری یہ ہے کہ میں نے فجاءہ کو یا تو قتل کر دیا یا قطعاً معاف کر دیا ، تیسری بات یہ ہے کہ میں نے یوم سقیفہ کی ذمہ داری ایک ایسے شخص پر چھوڑ دی جو خود امیر اور میں اس کا نائب تھا۔ ان پہلی تین فروگزاشتوں کے علاوہ تین اور باتیں یہ ہیں جن پر مجھے ہمیشہ افسوس رہے گا ایک بات تو یہ ہے کہ جب اشعث بن قیس کو قید کر کے میرے سامنے لایا گیا تو میں نے فوراً بغاوت کے الزام میں اس کی گردن مروا دی حالانکہ وہ بانی شر نہیں تھا بلکہ اس نے اہل شر کی اعانت کی تھی۔ ایک بات یہ ہے کہ میں عمر بن خطاب کے ساتھ مشرق کی طرف گیا اگرچہ مشرق و مغرب یا شمال و جنوب میں میرا کہیں آنا جانا صرف فی سبیل اللہ ہی ہونا چاہیے تھا۔ ان دو باتوں کے علاوہ تیسری بات یہ ہے کہ جب میں نے جیش ردہ کے لیے سامان فراہم کر کے اسے روانہ کر دیا تو خود اپنے مکان پر واپس آ کر صرف مسلمانوں کے سلام لیتا رہا ، حالانکہ مجھے اس لشکر میں نہ صرف [illegible] اس کے آگے آگے ہونا چاہیے تھا۔

9:04 PM

Islahi groupe

Arshad raza, Lala, Sadiq WARSI, Shoeb, S...

+91 98791 51666 ~Bad Boy💋💋

تاریخ المسعودی

شہرۂ آفاق عربی کتاب

مروج الذہب و معادن الجواہر

کا اردو ترجمہ

امام المورخین ابوالحسن بن حسین بن علی المسعودی

9:04 PM

और कुछ भेज रहे है 9:05 PM ✓

+91 98791 51666 ~Bad Boy
وَرَسُولِ اللّٰهِ صَلَّى اللّٰهُ عَلَيْهِ وَسَلَّمَ وَهُوَ ابْنُ ثَلَاثٍ وَسِتِّينَ

اتنی عمر حضرت ابوبکر صدیق رضی اللہ عنہ کی تھی۔

وَمِمَّا اَسْنَدَ اَبُو بَكْرٍ الصِّدِّيقُ رَضِيَ اللّٰهُ عَنْهُ، عَنْ رَسُولِ اللّٰهِ صَلَّى اللّٰهُ عَلَيْهِ وَسَلَّمَ

وہ حدیثیں جو حضرت ابوبکر صدیق رضی اللہ عنہ حضور صلی اللہ علیہ وآلہ وسلم سے روایت کرتے ہیں

41- حَدَّثَنَا اَبُو الزِّنْبَاعِ رَوْحُ بْنُ الْفَرَجِ الْمِصْرِيُّ، ثنا سَعِيدُ بْنُ عُفَيْرٍ، حَدَّثَنِي عُلْوَانُ بْنُ دَاوُدَ الْبَجَلِيُّ، عَنْ حُمَيْدِ بْنِ عَبْدِ الرَّحْمَنِ بْنِ حُمَيْدِ بْنِ عَبْدِ الرَّحْمَنِ بْنِ عَوْفٍ، عَنْ صَالِحِ بْنِ كَيْسَانَ، عَنْ حُمَيْدِ بْنِ عَبْدِ الرَّحْمَنِ بْنِ عَوْفٍ، عَنْ اَبِيهِ، قَالَ: دَخَلْتُ عَلَى اَبِي بَكْرٍ رَضِيَ اللّٰهُ عَنْهُ، اَعُودُهُ فِي مَرَضِهِ الَّذِي تُوُفِّيَ فِيهِ، فَسَلَّمْتُ عَلَيْهِ وَسَاَلْتُهُ كَيْفَ اَصْبَحْتَ، فَاسْتَوَى جَالِسًا، فَقُلْتُ: اَصْبَحْتَ بِحَمْدِ اللّٰهِ بَارِئًا، فَقَالَ: اَمَا اِنِّي عَلَى مَا تَرَى وَجِعٌ، وَجَعَلْتُمْ لِي شُغْلًا مَعَ وَجَعِي، جَعَلْتُ لَكُمْ عَهْدًا مِنْ بَعْدِي، وَاخْتَرْتُ لَكُمْ خَيْرَكُمْ فِي نَفْسِي فَكُلُّكُمْ وَرِمَ لِذَلِكَ اَنْفُهُ رَجَاءَ اَنْ يَكُونَ الْاَمْرُ لَهُ، وَرَاَيْتُ الدُّنْيَا قَدْ اَقْبَلَتْ وَلَمَّا تُقْبِلْ وَهِيَ جَائِيَةٌ،

حضرت حمید بن عبدالرحمٰن بن حمید بن عبدالرحمٰن بن عوف اپنے والد سے روایت کرتے ہیں' وہ فرماتے ہیں کہ میں حضرت ابوبکر رضی اللہ عنہ کے پاس آیا ان کی عیادت کرنے کے لیے' جس مرض میں آپ نے وصال پایا۔ میں نے آپ کو سلام کیا' میں نے پوچھا: آپ نے صبح کیسے کی ہے؟ آپ سیدھے ہو کر بیٹھ گئے' میں نے عرض کی: آپ نے اللہ کے فضل سے اچھی صبح کی ہے۔ آپ نے فرمایا: آپ میری بیماری دیکھ رہے ہیں! جبکہ تم نے میری بیماری کے باوجود مجھے کام دے دیا ہے' میں نے اپنے بعد تمہارے لیے ایک عہد بنایا ہے اور میں نے اپنے خیال کے مطابق تم میں سے بہتر کو تمہارے لیے چنا ہے' اس وجہ سے کہ تم میں سے ہر کوئی اس کے لیے غصہ کرتا ہے' تم میں سے ہر کوئی اُمید رکھے

ومما اسند ابو بکر الصدیق عن رسول اللہ صلی اللہ علیہ وسلم

Ye Al MUAZAM AL KABEER ka aage wala page jo is me nahi hai

9:08 PM

Ji aap is ko dekh lo bhaijan 9:08 PM

Is par to aik hi hawala waise kafi hai ...insha allah bahar hu laga to Musnnaf ibne Abi saiba ka hawala mila to send kar deta hu aap ko

9:10 PM

Islahi groupe

Arshad raza, Lala, Sadiq WARSI, Shoeb, S...

> **+91 98791 51666**
> Is par to aik hi hawala waise kafi hai ...insha allah bahar hu laga to Musnnaf ibne Abi saiba ka hawala mila ...

Chaliye woh bhi send karde insha Allah fir me jawab deta hu

9:11 PM ✓

+91 98791 51666 ~Bad Boy

(٣٨٢٠٠) حَدَّثَنَا مُحَمَّدُ بْنُ بِشْرٍ ، حَدَّثَنَا عُبَيْدُ اللهِ بْنُ عُمَرَ ، حَدَّثَنَا زَيْدُ بْنُ أَسْلَمَ ، عَنْ أَبِيهِ أَسْلَمَ ؛ أَنَّهُ حِينَ بُويِعَ لأَبِي بَكْرٍ بَعْدَ رَسُولِ اللهِ صَلَّى اللَّهُ عَلَيْهِ وَسَلَّمَ ، كَانَ عَلِيٌّ وَالزُّبَيْرُ يَدْخُلاَنِ عَلَى فَاطِمَةَ بِنْتِ رَسُولِ اللهِ صَلَّى اللَّهُ عَلَيْهِ وَسَلَّمَ ، فَيُشَاوِرُونَهَا وَيَرْتَجِعُونَ فِي أَمْرِهِمْ ، فَلَمَّا بَلَغَ ذَلِكَ عُمَرَ بْنَ الْخَطَّابِ خَرَجَ حَتَّى دَخَلَ عَلَى فَاطِمَةَ ، فَقَالَ : يَا بِنْتَ رَسُولِ اللهِ صَلَّى اللَّهُ عَلَيْهِ وَسَلَّمَ ، وَاللهِ مَا مِنَ الْخَلْقِ أَحَدٌ أَحَبَّ إِلَيْنَا مِنْ أَبِيك ، وَمَا مِنْ أَحَدٍ أَحَبَّ إِلَيْنَا بَعْدَ أَبِيك مِنْك ، وَأَيْمُ اللهِ ، مَا ذَاكَ بِمَانِعِيَّ إِنِ اجْتَمَعَ هَؤُلاَءِ النَّفَرُ عِنْدَكِ ، أَنْ آمُرَ بِهِمْ أَنْ يُحَرَّقَ عَلَيْهِمُ الْبَيْتُ.

قَالَ : فَلَمَّا خَرَجَ عُمَرُ جَاؤُوهَا ، فَقَالَتْ : تَعْلَمُونَ أَنَّ عُمَرَ قَدْ جَائَنِي ، وَقَدْ حَلَفَ بِاللهِ لَئِنْ عُدْتُمْ لَيُحَرِّقَنَّ

9:21 PM

+91 98791 51666 ~Bad Boy

عَلَيْكُمُ الْبَيْتَ ، وَأَيْمُ اللهِ ، لَيَمْضِيَنَّ لِمَا حَلَفَ عَلَيْهِ ، فَانْصَرِفُوا رَاشِدِينَ ، فَرُوْا رَأْيَكُمْ ، وَلاَ تَرْجِعُوا إِلَيَّ ، فَانْصَرَفُوا عَنْهَا ، فَلَمْ يَرْجِعُوا إِلَيْهَا ، حَتَّى بَايَعُوا لأَبِي بَكْرٍ.

(۳۸۲۰۰) حضرت زید بن اسلم اپنے والد سے روایت کرتے ہیں کہ نبی کریم ﷺ (کی وفات) کے بعد جب حضرت ابوبکر رضی اللہ عنہ کی بیعت کی گئی تو حضرت علی رضی اللہ عنہ اور حضرت زبیر رضی اللہ عنہ، رسول اللہ ﷺ کی بیٹی حضرت فاطمہ رضی اللہ عنہا کے ہاں آنے جانے لگے اور ان سے مشاورت کرنے لگے اور اپنے معاملہ (خلافت) میں ان سے تقاضا کرنے لگے۔ پس جب یہ بات حضرت عمر بن خطاب رضی اللہ عنہ کو پہنچی تو آپ نکل کھڑے ہوئے یہاں تک کہ آپ رضی اللہ عنہ حضرت فاطمہ رضی اللہ عنہا کے ہاں داخل ہوئے اور فرمایا: اے رسول اللہ ﷺ کی بیٹی! خدا کی قسم! تمام مخلوق میں ہمیں تمہارے والد سے زیادہ کوئی محبوب نہیں۔ اور آپ کے بعد والد کے بعد ہمیں آپ سے زیادہ کوئی محبوب نہیں۔ خدا کی قسم! (لیکن) اگر یہ آپ کے پاس (دوبارہ) جمع ہوئے تو مجھے یہ (محبت والی) بات اس سے مانع نہیں ہوگی کہ میں لوگوں کو حکم دوں اور ان تمام (گھر میں موجود) افراد پر گھر کو جلا دیا جائے۔ راوی کہتے ہیں: پس جب حضرت عمر رضی اللہ عنہ باہر چلے گئے تو یہ حضرات بی بی فاطمہ رضی اللہ عنہا کے پاس آئے۔ حضرت فاطمہ رضی اللہ عنہا نے فرمایا: تمہیں معلوم ہے کہ حضرت عمر رضی اللہ عنہ میرے پاس آئے تھے۔ اور انہوں نے خدا کی قسم کھا کر کہا ہے کہ اگر تم لوگ دوبارہ جمع ہوئے تو وہ ضرور بالضرور تمہیں گھر میں جلا دیں گے۔ اور خدا کی قسم! حضرت عمر رضی اللہ عنہ نے جو کہا ہے وہ اس کو ضرور پورا کریں گے۔ پس تم لوگ اچھی حالت میں ہی واپس چلے جاؤ۔ اور اپنی رائے کو دیکھ لو۔ میری طرف واپس نہ آنا چنانچہ لوگ وہاں سے واپس ہو گئے اور جب تک ان لوگوں نے حضرت ابوبکر رضی اللہ عنہ کی بیعت نہیں کی یہ (فاطمہ رضی اللہ عنہا کے پاس) واپس نہیں آئے۔

9:21 PM

Islahi groupe

Arshad raza, Lala, Sadiq WARSI, Shoeb, S...

+91 98791 51666 ~Bad Boy💋💋

مصنف ابن ابی شیبہ مترجم

مؤلف

مترجم

مولانا محمد اویس سرور

مکتبہ رحمانیہ

اردو بازار لاہور
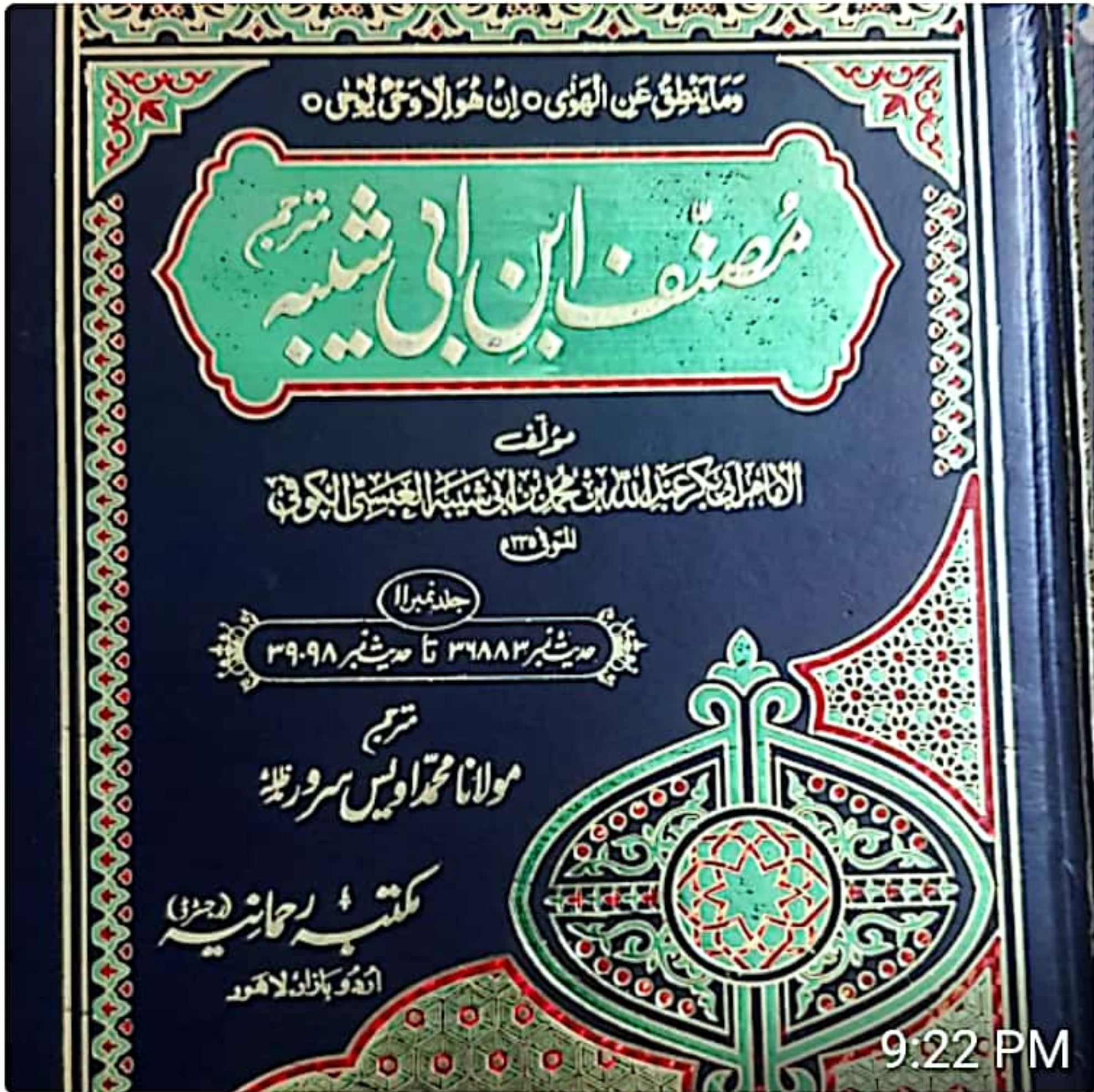
9:22 PM

Ji bhai koe jaldi nahi apne insha allah baate karte rahenge..moula ne jindagii dii to..... 9:29 PM

Aur moula ne ye bahane naye dost de diye ilmi bande to maja hi hai aur kuch jaan ne ko milega 9:29 PM

(٣٨٢٠٠) حَدَّثَنَا مُحَمَّدُ بْنُ بِشْرٍ ، حَدَّثَنَا عُبَيْدُ اللهِ بْنُ عُمَرَ ، حَدَّثَنَا زَيْدُ بْنُ أَسْلَمَ ، عَنْ أَبِيهِ أَسْلَمَ ؛ أَنَّهُ حِينَ بُويِعَ لأَبِي بَكْرٍ بَعْدَ رَسُولِ اللهِ صَلَّى اللَّهُ عَلَيْهِ وَسَلَّمَ ، كَانَ عَلِيٌّ وَالزُّبَيْرُ يَدْخُلاَنِ عَلَى فَاطِمَةَ بِنْتِ رَسُولِ اللهِ صَلَّى اللَّهُ عَلَيْهِ وَسَلَّمَ ، فَيُشَاوِرُونَهَا وَيَرْتَجِعُونَ فِي أَمْرِهِمْ ، فَلَمَّا بَلَغَ ذَلِكَ عُمَرَ بْنَ الْخَطَّابِ خَرَجَ حَتَّى دَخَلَ عَلَى فَاطِمَةَ ، فَقَالَ : يَا بِنْتَ رَسُولِ اللهِ صَلَّى اللَّهُ عَلَيْهِ وَسَلَّمَ ، وَاللهِ مَا مِنَ الْخَلْقِ أَحَدٌ أَحَبَّ إِلَيْنَا مِنْ أَبِيك ، وَمَا مِنْ أَحَدٍ أَحَبَّ إِلَيْنَا بَعْدَ أَبِيك مِنْك ، وَأَيْمُ اللهِ ، مَا ذَاكَ بِمَانِعِيَّ إِنِ اجْتَمَعَ هَؤُلاَءِ النَّفَرُ عِنْدَكِ ، أَنْ آمُرَ بِهِمْ أَنْ يُحَرَّقَ عَلَيْهِمُ الْبَيْتُ.

قَالَ : فَلَمَّا خَرَجَ عُمَرُ جَاؤُوهَا ، فَقَالَتْ : تَعْلَمُونَ أَنَّ عُمَرَ قَدْ جَائَنِي ، وَقَدْ حَلَفَ بِاللهِ لَئِنْ عُدْتُمْ لَيُحَرِّقَنَّ

عَلَيْكُمُ الْبَيْتَ ، وَأَيْمُ اللهِ ، لَيَمْضِيَنَّ لِمَا حَلَفَ عَلَيْهِ ، فَانْصَرِفُوا رَاشِدِينَ ، فَرُوْا رَأْيَكُمْ ، وَلاَ تَرْجِعُوا إِلَيَّ ، فَانْصَرَفُوا عنها ، فَلَمْ يَرْجِعُوا إِلَيْهَا ، حَتَّى بَايَعُوا لأَبِي بَكْرٍ.

(۳۸۲۰۰) حضرت زید بن اسلم اپنے والد سے روایت کرتے ہیں کہ نبی کریم ﷺ (کی وفات) کے بعد جب حضرت ابوبکر رضی اللہ عنہ کی بیعت کی گئی تو حضرت علی رضی اللہ عنہ اور حضرت زبیر رضی اللہ عنہ، رسول اللہ ﷺ کی بیٹی حضرت فاطمہ رضی اللہ عنہا کے ہاں آنے جانے لگے اور ان سے مشاورت کرنے لگے اور اپنے معاملہ (خلافت) میں ان سے تقاضا کرنے لگے۔ پس جب یہ بات حضرت عمر بن خطاب رضی اللہ عنہ کو پہنچی تو آپ نکل کھڑے ہوئے یہاں تک کہ آپ رضی اللہ عنہ حضرت فاطمہ رضی اللہ عنہا کے ہاں داخل ہوئے اور فرمایا: اے رسول اللہ ﷺ کی بیٹی! خدا کی قسم! تمام مخلوق میں ہمیں تمہارے والد سے زیادہ کوئی محبوب نہیں۔ اور آپ کے بعد والد کے بعد ہمیں آپ سے زیادہ کوئی محبوب نہیں۔ خدا کی قسم! (لیکن) اگر یہ آپ کے پاس (دوبارہ) جمع ہوئے تو مجھے یہ (محبت والی) بات اس سے مانع نہیں ہوگی کہ میں لوگوں کو حکم دوں اور ان تمام (گھر میں موجود) افراد پر گھر کو جلا دیا جائے۔ راوی کہتے ہیں: پس جب حضرت عمر رضی اللہ عنہ باہر چلے گئے تو یہ حضرات بی بی فاطمہ رضی اللہ عنہا کے پاس آئے۔ حضرت فاطمہ رضی اللہ عنہا نے فرمایا: تمہیں معلوم ہے کہ حضرت عمر رضی اللہ عنہ میرے پاس آئے تھے۔ اور انہوں نے خدا کی قسم کھا کر کہا ہے کہ اگر تم لوگ دوبارہ جمع ہوئے تو وہ ضرور بالضرور تمہیں گھر میں جلا دیں گے۔ اور خدا کی قسم! حضرت عمر رضی اللہ عنہ نے جو کہا ہے وہ اس کو ضرور پورا کریں گے۔ پس تم لوگ اچھی حالت میں ہی واپس چلے جاؤ۔ اور اپنی رائے کو دیکھ لو۔ میری طرف واپس نہ آنا چنانچہ لوگ وہاں سے واپس ہو گئے اور جب تک ان لوگوں نے حضرت ابوبکر رضی اللہ عنہ کی بیعت نہیں کی یہ (فاطمہ رضی اللہ عنہا کے پاس) واپس نہیں آئے۔

(٣٨٢٠١) حَدَّثَنَا ابْنُ نُمَيْرٍ ، عَنْ هِشَامِ بْنِ عُرْوَةَ ، عَنْ أَبِيهِ ؛ أَنَّ أَبَا بَكْرٍ وَعُمَرَ لَمْ يَشْهَدَا دَفْنَ النَّبِيِّ صَلَّى اللَّهُ

ये इनका 4था और 5वां हवाला बज़ाहिर लगता है इन्होंने बहुत हवाले दके दिए लेकिन हकीकत ये है कि इन्होंने सिर्फ 2 हवाले दिए है एक तारीख ए तिबरी और दूसरा मुसन्नफ इब्न ए अबी शेबा का बाकी किताबो ने तारीख ए तिबरी ही से नकल किया और मुतरजिम ने उसमे अपने हिसाब से तर्जुमा किया।
बाहर हाल में इब्न ए अबी शेबा पर बहस नही कर पाया क्योंकि बहस का रुख कहीं और चला गया था। वेसे इसका एक जामे जवाब मेने दिया था कि तारीखी हवाले फ़ज़ाईल में मोअतबर हो सकते है लेकिन इससे फ़ज़ीलत साबित नहीं होती और जब फ़ज़ीलत साबित नही होती तो ईमान और कुफ्र का तो मसला ही अलग होता है।

Islahi groupe

Arshad raza, Lala, Sadiq WARSI, Shoeb, S...

+91 98791 51666 ~Bad Boy💋💋

1070 - قَرَأْتُ عَلَى الْحُسَيْنِ بْنِ يَزِيدَ ...حَانِ هَذَا الْحَدِيثِ فَقَالَ: هُوَ مَا قَرَأْتُ عَلَى ...دِ بْنِ خُثَيْمٍ، عَنْ فُضَيْلٍ، عَنْ عَطِيَّةَ، عَنْ أَبِي ...دٍ قَالَ: " لَمَّا نَزَلَتْ هَذِهِ الْآيَةُ (وَآتِ ذَا ...بَى حَقَّهُ) (الاسراء : 26) دَعَا النَّبِيُّ صَلَّى ...عَلَيْهِ وَسَلَّمَ فَاطِمَةَ وَأَعْطَاهَا فَدَكَ "
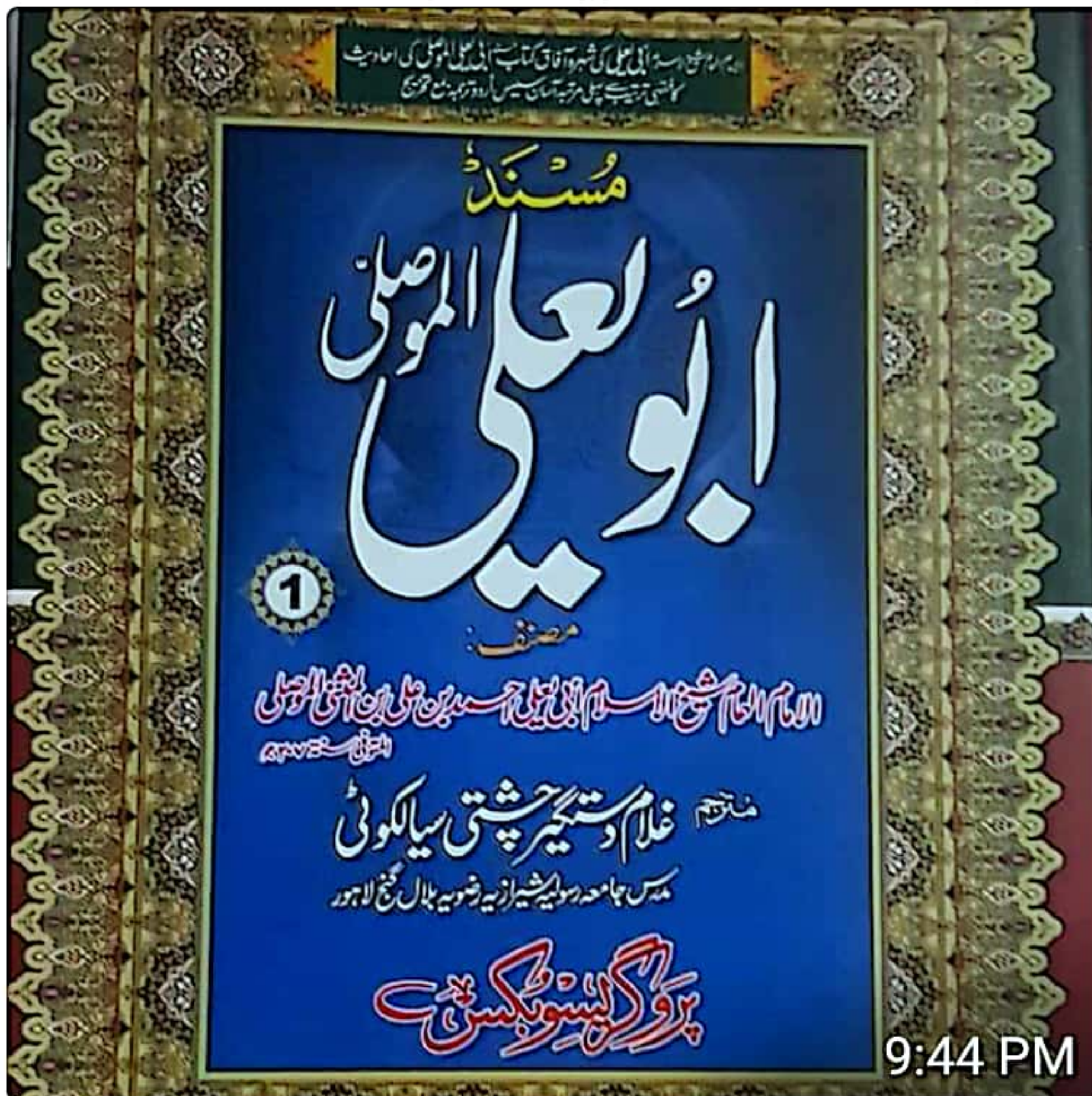
حضرت ابوسعید خدری رضی اللہ عنہ فرماتے ہیں کہ جب یہ آیت نازل ہوئی کہ قریبی رشتہ دار کو اس کا حق دو۔ حضور صلی اللہ علیہ وسلم نے حضرت فاطمہ رضی اللہ عنہا کو بلوایا اور ان کو باغ فدک دیا۔

9:43 PM

+91 98791 51666 ~Bad Boy💋💋

مُسْنَدُ

ابو یعلی الموصلی

1

مصنف:

الامام الہمام شیخ الاسلام ابی یعلی احمد بن علی بن المثنی الموصلی

مترجم

غلام دستگیر چشتی سیالکوٹی

مدرس جامعہ رسولیہ شیرازیہ رضویہ بلال گنج لاہور

پروگریسو بکس

9:44 PM

यहाँ इन्होंने खल्त ए मबहस की जिस पर आगे मेने टोका भी था। लेकिन जब इनकी सारी दलीले फ़ाश हो गयी तो ये इसे ही बेस बना कर बहस करने लगे। इंशा अल्लाह आगे वो भी आप देखेंगे।
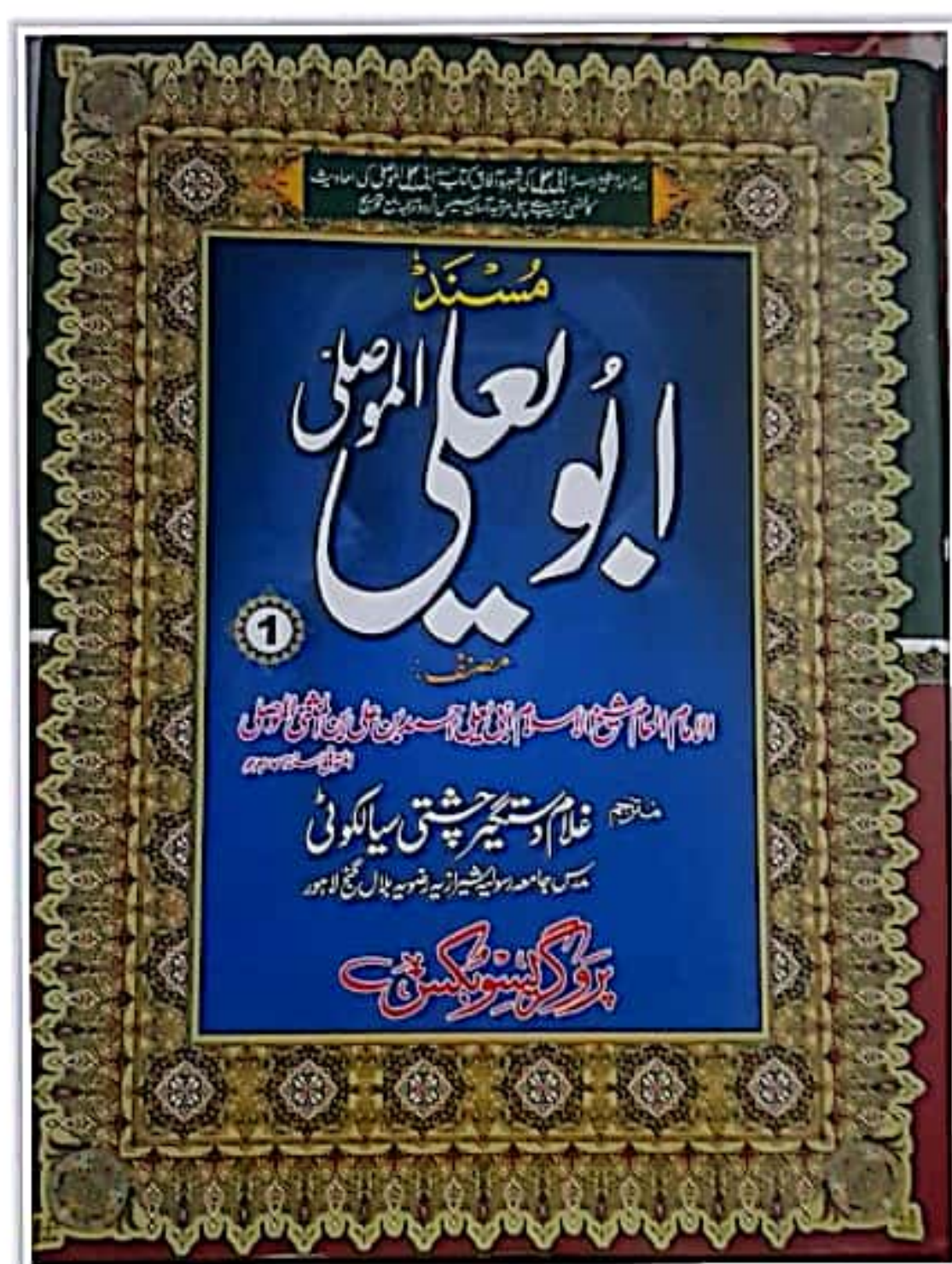
جاتے ہیں۔

1070 - قَرَأْتُ عَلَى الْحُسَيْنِ بْنِ يَزِيدَ الطَّحَّانِ هَذَا الْحَدِيثِ فَقَالَ: هُوَ مَا قَرَأْتُ عَلَى سَعِيدِ بْنِ خُثَيْمٍ، عَنْ فُضَيْلٍ، عَنْ عَطِيَّةَ، عَنْ أَبِي سَعِيدٍ قَالَ: " لَمَّا نَزَلَتْ هَذِهِ الْآيَةُ (وَآتِ ذَا الْقُرْبَى حَقَّهُ) (الاسراء: 26) دَعَا النَّبِيُّ صَلَّى اللَّهُ عَلَيْهِ وَسَلَّمَ فَاطِمَةَ وَأَعْطَاهَا فَدَكَ"

حضرت ابوسعید خدری رضی اللہ عنہ فرماتے ہیں کہ جب یہ آیت نازل ہوئی کہ قریبی رشتہ دار کو اس کا حق دو۔ حضور صلی اللہ علیہ وسلم نے حضرت فاطمہ رضی اللہ عنہا کو بلوایا اور ان کو باغ فدک دیا۔

Islahi groupe

Arshad raza, Lala, Sadiq WARSI, Shoeb, S...

> +91 98791 51666
> Photo
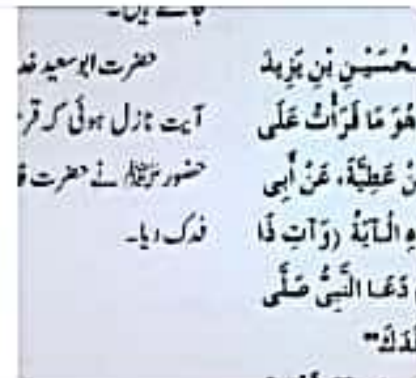
Zild 1

9:45 PM

> +91 98791 51666
> Photo
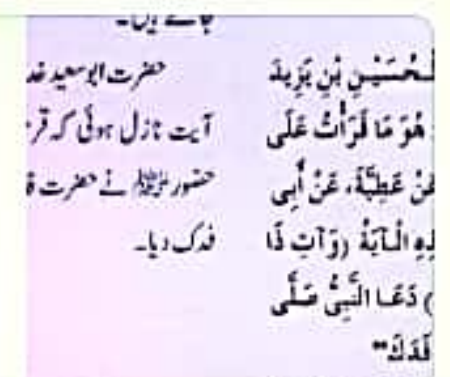
Janab abhi ek topic par Rahiye aapki rewayat jo aapne pesh ki uski poori history batane wala hu zara Sabar kare

9:45 PM ✓

Aor Khalt e Mabhas se kaam na le

9:45 PM ✓

+91 98791 51666 ~Bad Boy

9:47 PM

Islahi groupe

Arshad raza, Lala, Sadiq WARSI, Shoeb, S...

+91 97135 25666 ~हर कोई चाहता हे 1 मुट्ठी आ...

आप दोनों हज़रात से यही उम्मीद करता हूँ की दोनों आलिम इसी तरह मोहब्बत से पेश आएंगे

और ग्रुप मेम्बरान का शुक्रिया अदा करता हूँ और उम्मीद करता हूँ की जेसे अभी तक कोई बिच में नहीं बोला ऐसे ही आगे भी नहीं बोलेंगे

10:04 PM

+91 98791 51666 ~Bad Boy💋💋

10:04 PM

Be fikr koe gustakhi nahi ...haq jan na hai to gustakhi nahi

10:05 PM

+91 97135 25666 ~हर कोई चाहता हे 1 मुट्ठी आ...

> +91 98791 51666
> Be fikr koe gustakhi nahi ...haq jan na hai to gustakhi nahi

10:07 PM

इनकी खल्त मबहस पर इन्हें टोकने के बाद मेरे जवाब शुरू हुवे। यहाँ से। मैने पहले इनके दावे की कमज़ोरी बताते हुवे क़ुरआन से हज़रत सिद्दीक़ अकबर रदियल्लाहो तआला अनहों को साहबी साबित किया लेकिन मुनकिर ए क़ुरआन ओर अजहल इंसान को क़ुरआन से क्या लेना। जब क़ुरआन में अल्लाह रब्बुल इज़्ज़त किसी शख्सियत को सहाबी फरमा दे उसके बाद कोई दलील ए मुनक़ता, ज़ईफ़,बल्कि सही हदीस भी उसे नहीं क़ाट सकती। लेकिन अफसोस जिनकी आंखों में बुग्ज़ भरा हो उसे कुछ सूझता ही नहीं। गौर से पढ़िए मेरी दलीलों को मेरी पहली ही दलील क़ुरआन और हदीस से थी। फिर भी इन्होंने इसे क़ुबूल नहीं किया साबित हुआ ये क़ुरआन को भी अपनी अना के आगे कुछ नही समझते। और हक़ समझने का दावा करना इनका धोका देने से ज़्यादा कुछ नहीँ।

Islahi groupe

Arshad raza, Lala, Sadiq WARSI, Shoeb, S...

आपकी भेजी हुई तमाम रिवायतों को देखा जिसमें तारीख ए तिबरी मोअजमातुल कबीर इब्न के अबी शेबा इनकी रिवायात शुरू होती है हमीद बिन अब्दुल रहमान से जिनका सन ए विसाल 89-90 रहा है बाकी ने भी इन्हीं से रिवायत नकल की।

अब जरा गौर करें।

अल्लामा तिबरानी फौत हुवे 260 हिजरी

इब्न ए अबी शेबा 235 हिजरी में

यानी इन्होंने कभी हामिद बिन अब्दुल रहमान से मुलाकात नही की 180 साल से ज़ाएद के रावी गायब पता चला आपका हवाले रद्द है यानी आपका दावा ही साबित नही हुवा। जबकि किसी के कुफ्र को साबित करने के लिए नस ए क़तई लाज़िम है।

Islahi groupe

Arshad raza, Lala, Sadiq WARSI, Shoeb, S...

अब में देता हूं आपको जवाब ए दावा वो भी दलील ए क़तई क़ुरआन व सही हदीस से

देखो क़ुरआन मजीद में हज़रत सिद्दिके अकबर की शान अल्लाह तआला सहाबी कह कर यूँ बयान फरमा रहा है

اِلَّا تَنْصُرُوْهُ فَقَدْ نَصَرَهُ اللّٰهُ اِذْ اَخْرَجَهُ الَّذِيْنَ كَفَرُوْا ثَانِىَ اثْنَيْنِ اِذْ هُمَا فِى الْغَارِ اِذْ يَقُوْلُ لِصَاحِبِهٖ لَا تَحْزَنْ اِنَّ اللّٰهَ مَعَنَاۚ-فَاَنْزَلَ اللّٰهُ سَكِيْنَتَهٗ عَلَيْهِ وَ اَيَّدَهٗ بِجُنُوْدٍ لَّمْ تَرَوْهَا وَ جَعَلَ كَلِمَةَ الَّذِيْنَ كَفَرُوا السُّفْلٰىؕ-وَ كَلِمَةُ اللّٰهِ هِىَ الْعُلْيَاؕ-وَ اللّٰهُ عَزِيْزٌ حَكِيْمٌ(۴۰)

अगर तुम इस (नबी) की मदद नहीं करोगे तो अल्लाह इन की मदद फरमा चुका है। जब काफिरों ने इन्हें (इनके वतन से) निकाल दिया था जबकि ये दो में से दूसरे थे। जब दोनों ग़ार में थे, जब ये अपने साहिबेहि (साथी) से फरमा रहे थे गम न करो बे शक अल्लाह हमारे साथ है तो अल्लाह ने उस पर अपनी तस्कीन नाज़िल फरमाई और उन लश्करों के साथ उस की मदद फरमाई जो तुमने न देखे, और

Islahi groupe

Arshad raza, Lala, Sadiq WARSI, Shoeb, S...

उस ने काफिरों की बात को नीचे कर दिया अल्लाह की बात ही बुलंद ओ बाला है और अल्लाह गालिब हिकमत वाला है।
(सूरः तोबा आयत 40)

देखो अल्लाह रब्बुल इज़्ज़त जिसे साहिब ए रसूल फरमा रहा है। क्या मआज़ अल्लाह वो काफिर हो सकता है???
अरे जिसे मेरे रब ने साहिब ए रसूल बता दिया उसके ईमान पर न सिर्फ शक करना बल्कि उनका खात्मा ईमान पर न होना कहना क़ुरआन का इनकार है।

3:09 AM
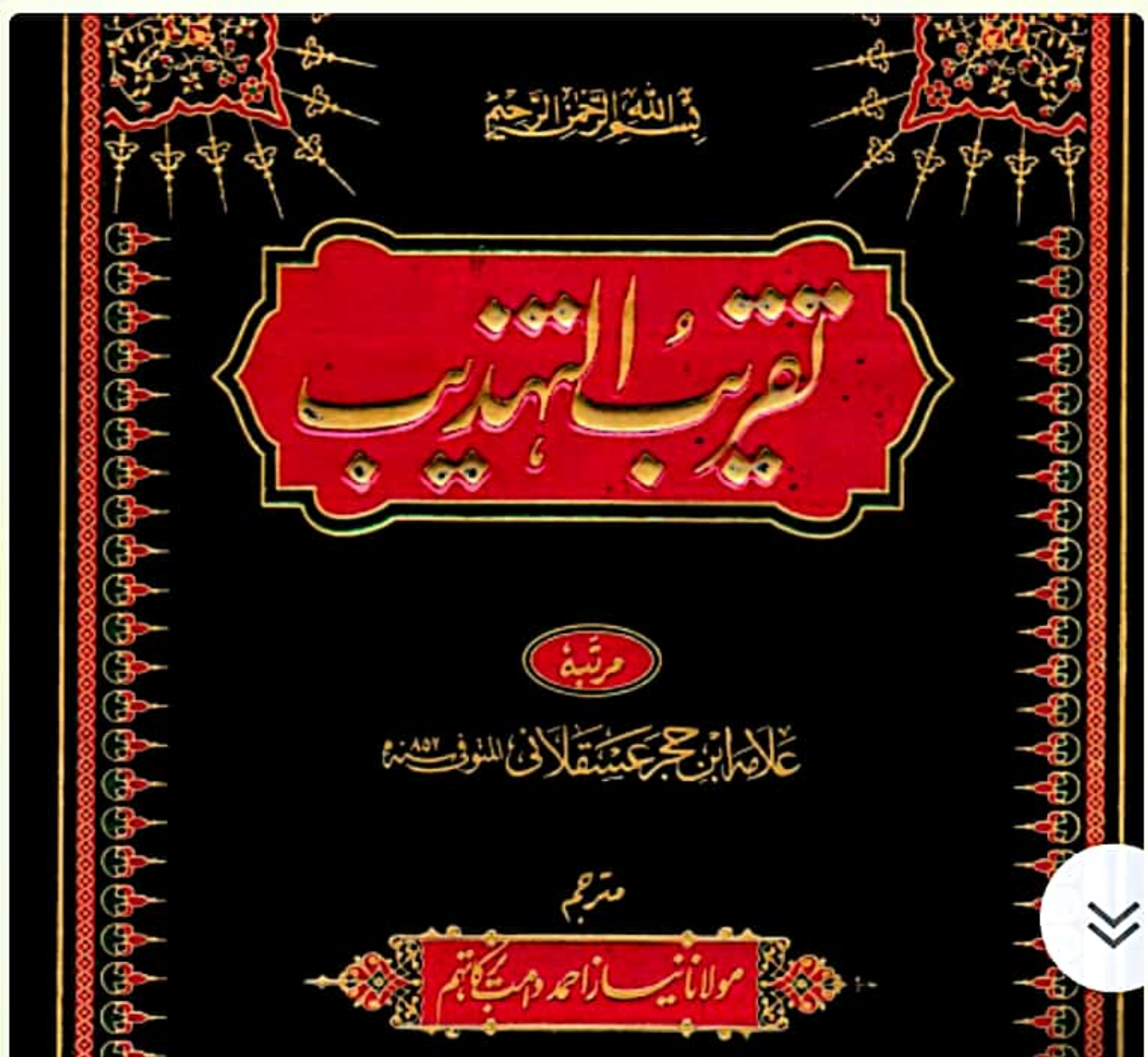
Islahi groupe

Arshad raza, Lala, Sadiq WARSI, Shoeb, S...

۱۵۴۸۔تمیز۔حمید بن زیاد" کہا گیا ہے کہ یہ ایک دوسرا راوی ہے" دمشقی:

چھٹے طبقہ کا "مجہول" راوی ہے۔

۱۵۴۹۔تمیز۔حمید بن زیاد یمامی:

ساتویں طبقہ کا "مقبول" راوی ہے۔

۱۵۵۰۔ق۔حمید بن ابوسوید مکی:

ساتویں طبقہ کا "مجہول" راوی ہے۔

☆حمید بن صخر:

حمید بن زیاد کے ترجمہ میں اس کا ذکر گزر چکا۔(=۱۵۴۶)

☆س۔حمید بن طرخان:

اصل (یعنی تہذیب التہذیب) میں بیان کر چکا ہوں کہ یہ طویل ہے، اور ابن احمر کی روایت میں موصوفاً آیا ہے۔

۱۵۵۱۔ع۔حمید بن عبدالرحمٰن بن حمید بن عبدالرحمٰن رُؤاسی، ابوعوف کوفی:

آٹھویں طبقہ کا "ثقہ" راوی ہے ۸۹ھ میں فوت ہوا یہ بھی کہا گیا ہے ۹۰ھ میں ہوا اور یہ بھی کہا گیا ہے کہ اس کے بعد ہوا۔

۱۵۵۲۔ع۔حمید بن عبدالرحمٰن بن عوف زہری مدنی:

دوسرے طبقہ کا "ثقہ" راوی ہے صحیح قول کے مطابق ۱۰۵ھ میں فوت ہوا، کہا گیا ہے کہ اس کی (سیدنا) عمر (رضی اللہ عنہ) سے روایت مرسل ہوتی ہے۔

۱۵۵۳۔تمیز۔حمید بن عبدالرحمٰن بن عوف رؤاسی:

3:09 AM ✓

ن بن حمید بن عبدالرحمٰن رُؤاسی، ابوعوف کوفی:

راوی ہے ۸۹ھ میں فوت ہوا یہ بھی کہا گیا ہے ۹۰ھ میں ہوا او

3:09 AM ✓

Islahi groupe

Arshad raza, Lala, Sadiq WARSI, Shoeb, S...

देखो सही हदीस

हम से मुहम्मद बिन सनान ने बयान किया कहा हम से हमाम ने बयान किया उनसे साबित ने उनसे हज़रत अनस रदियल्लाहो तआला उन्होंने ने और उनसे हज़रत अबु बकर रदियल्लाहो तआला अनहों ने बयान किया के जब हम ग़ार ए सौर में छुपे थे, तो मैने रसूलुल्लह सलल्लाहु तआला अलैहि व सल्लम से अर्ज़ किया के अगर मुशरेकीन के किसी आदमी ने अपने क़दमों पर नज़र डाली तो वो ज़रूर हम को देख लेगा। इस पर आप हज़रत सलल्लाहु तआला अलैहि व सल्लम ने फरमाया ए अबू बकर उन दो का कोई क्या बिगाड़ सकता है जिनके साथ तीसरा अल्लाह है।

(सही बुखारी हदीस नंबर 3653 जिल्द 5)

जिसकी जमानत रसूलुल्लह दे दे कि अल्लाह उसके साथ ही उस के ईमान के खात्मे का इनकार करने अल्लाह और उसके रसूल पर बोहतान बंधना है।

3:09 AM ✓

Islahi groupe

Arshad raza, Lala, Sadiq WARSI, Shoeb, S...

صحیح بخاری

3:09 AM

ﷺ فَوَافَقْتُهُ قَدِ اسْتَيْقَظَ، فَقُلْتُ: اشْرَبْ يَا رَسُولَ اللهِ، فَشَرِبَ حَتَّى رَضِيتُ. ثُمَّ قُلْتُ: قَدْ آنَ الرَّحِيلُ يَا رَسُولَ اللهِ، قَالَ: ((بَلَى)). فَارْتَحَلْنَا وَالْقَوْمُ يَطْلُبُونَنَا، فَلَمْ يُدْرِكْنَا أَحَدٌ مِنْهُمْ غَيْرُ سُرَاقَةَ بْنِ مَالِكِ بْنِ جُعْشُمٍ عَلَى فَرَسٍ لَهُ، فَقُلْتُ: هَذَا الطَّلَبُ قَدْ لَحِقَنَا يَا رَسُولَ اللهِ، فَقَالَ: ((لاَ تَحْزَنْ، إِنَّ اللهَ مَعَنَا)) ﴿توبہ: ٤٠﴾

[راجع: ٢٤٣٩]
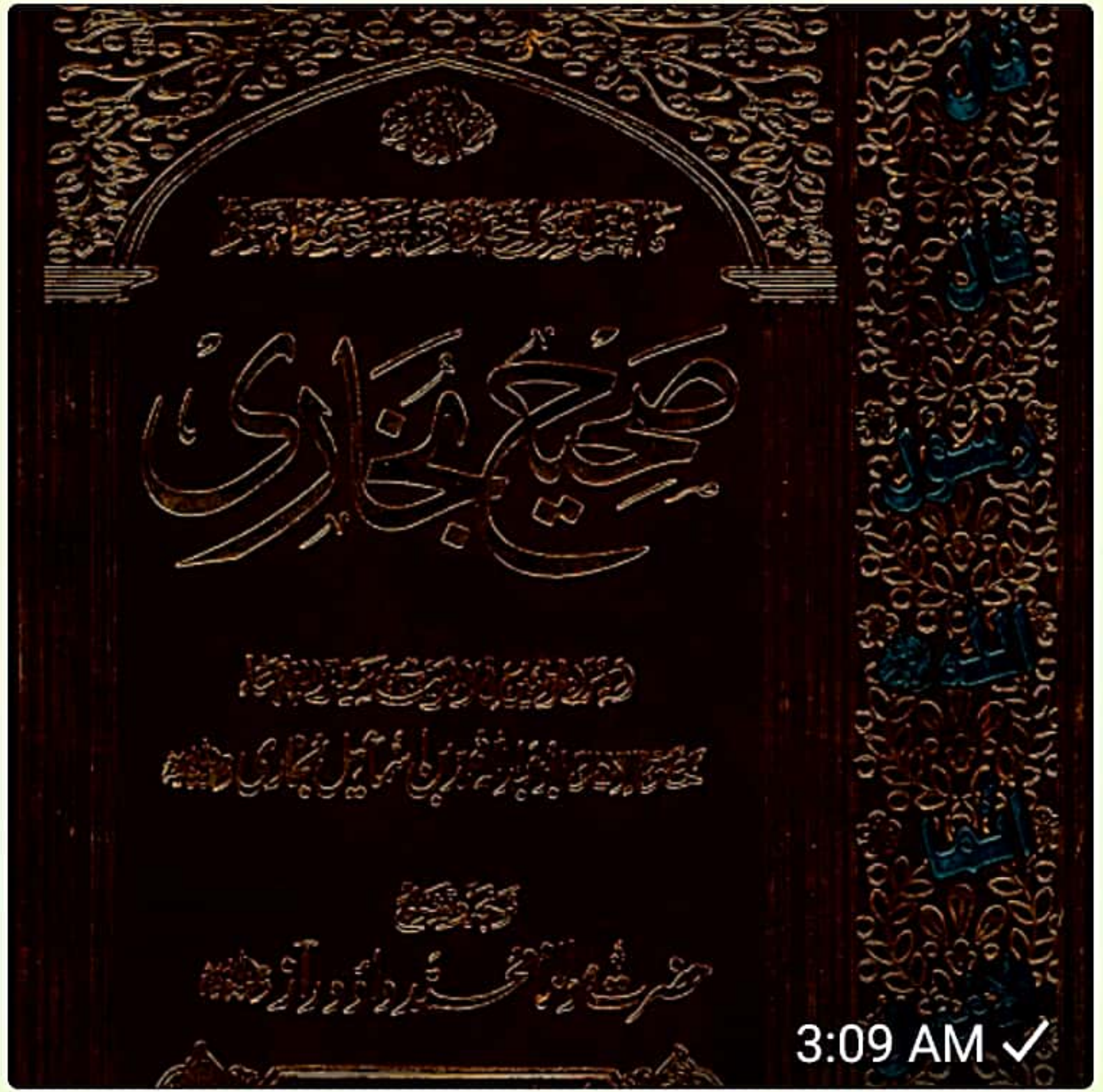
کی خدمت میں لے کر حاضر ہوا۔ آپ بھی بیدار ہو چکے تھے۔ میں نے عرض کیا' دودھ پی لیجئے۔ آپ نے اتنا پیا کہ مجھے خوشی حاصل ہو گئی۔ پھر میں نے عرض کیا کہ اب کوچ کا وقت ہو گیا ہے یا رسول اللہ! آپ نے فرمایا ہاں ٹھیک ہے' چلو۔ چنانچہ ہم آگے بڑھے اور مکہ والے ہماری تلاش میں تھے لیکن سراقہ بن مالک بن جعشم کے سوا ہم کو کسی نے نہیں پایا۔ وہ اپنے گھوڑے پر سوار تھا۔ میں نے اسے دیکھتے ہی کہا کہ یا رسول اللہ! ہمارا پیچھا کرنے والا دشمن ہمارے قریب آ پہنچا ہے۔ آنحضرت ﷺ نے فرمایا' فکر نہ کرو۔ اللہ تعالیٰ ہمارے ساتھ ہے۔

واقعہ ہجرت حیات نبوی کا ایک اہم واقعہ ہے جس میں آپ کے بہت سے معجزات کا ظہور ہوا یہاں بھی چند معجزات کا بیان ہوا ہے چنانچہ باب مہاجرین کے فضائل سے متعلق ہے' اس لئے اس میں ہجرت کے ابتدائی واقعات کو بیان کیا گیا ہے۔ یہی باب اور حدیث کا تعلق ہے۔

٣٦٥٣- حَدَّثَنَا مُحَمَّدُ بْنُ سِنَانٍ حَدَّثَنَا هَمَّامٌ عَنْ ثَابِتٍ الْبُنَانِيِّ عَنْ أَنَسٍ عَنْ أَبِي بَكْرٍ رَضِيَ اللهُ عَنْهُ قَالَ: قُلْتُ لِلنَّبِيِّ ﷺ وَأَنَا فِي الْغَارِ: لَوْ أَنَّ أَحَدَهُمْ نَظَرَ تَحْتَ قَدَمَيْهِ لأَبْصَرَنَا. فَقَالَ: ((مَا ظَنُّكَ يَا أَبَا بَكْرٍ بِاثْنَيْنِ اللهُ ثَالِثُهُمَا)).

[طرفاه في: ٣٩٢٢، ٤٦٦٣].

(٣٦٥٣) ہم سے محمد بن سنان نے بیان کیا' کہا ہم سے ہمام نے بیان کیا' ان سے ثابت نے' ان سے حضرت انس رضی اللہ عنہ نے اور ان سے حضرت ابوبکر رضی اللہ عنہ نے بیان کیا کہ جب ہم غار ثور میں چھپے تھے تو میں نے رسول اللہ ﷺ سے عرض کیا کہ اگر مشرکین کے کسی آدمی نے اپنے قدموں پر نظر ڈالی تو وہ ضرور ہم کو دیکھ لے گا۔ اس پر آنحضرت ﷺ نے فرمایا اے ابوبکر! ان دو کا کوئی کیا بگاڑ سکتا ہے جن کے ساتھ تیسرا اللہ تعالیٰ ہے۔

٣- بَابُ قَوْلِ النَّبِيِّ ﷺ: ((سُدُّوا

باب نبی کریم ﷺ کا حکم فرمانا کہ حضرت ابوبکر رضی اللہ عنہ کے

Islahi groupe

Arshad raza, Lala, Sadiq WARSI, Shoeb, S...

باب نبی کریم ﷺ کا حکم فرمانا کہ حضرت ابوبکر رضی اللہ عنہ کے

دروازے کو چھوڑ کر (مسجد نبوی کی طرف کے) تمام

۳- بَابُ قَوْلِ النَّبِيِّ ﷺ: ((سُدُّوا

3:09 AM ✓

आपका दावा साबित ही नही हुवा जवाब के दावा मौजूद है

3:10 AM ✓

+91 99777 45972 ~محمّد اظہر علی

> **You**
> आपकी भेजी हुई तमाम रिवायतों को देखा जिसमें तारीख ए तिबरी मोअजमातुल कबीर इब्न के अबी शेबा इनकी रिवायात शुरू होती है हमीद बिन अब्दुल...

हजरत माफी चाहता हु

मुझे कुछ पेश करने की इजाजत मिल सकती है क्या।।

3:17 AM

اس کے علاوہ کچھ اضافی معاملات مثلاً احادیث کے قبول و رد کا بیان اور ان لوگوں کا تذکرہ جن کی روایت حدیث میں تعریف کی گئی ہے اور ان کی روایت کو شرف قبول حاصل ہوا ہے۔

اسی طرح ان لوگوں کا تذکرہ بھی جن کی روایت حدیث میں مذمت کی گئی ہے اور ان کی روایات کو ترک کیا گیا ہے ان کی نقول کو کمزور اور ان کی حدیث کو کمزور قرار دیا گیا ہے اس کے ساتھ ساتھ وہ اسباب و علل جن کی وجہ سے روایت کو متروک اور ضعیف کہا گیا ہے۔

میں اپنے اس کام میں اللہ تعالیٰ ہی سے امداد کا طلبگار ہوں اور اسی کی توفیق کا متلاشی ہوں بے شک گناہ سے بچنے اور نیکی پر قدرت دینے میں وہی حامی و ناصر ہے۔

و صلی اللہ علی محمد نبیہ و آلہ و سلّم تسلیمًا.

نوٹ!

اس کتاب کو پڑھنے والے کو یہ بات ذہن نشین رکھنی چاہیے کہ جو کچھ اس کتاب میں سابقہ تفصیل کے متعلق بیان کیا جائے گا اس کا اصل مواد وہ احادیث و آثار ہیں جو اس مقام پر بیان ہوں گی۔ عقلی دلائل اور فکری استنباط کے نتائج بہت کم اور ضرورت کے مطابق لکھے جائیں گے۔

کیونکہ اخبار گذشتہ اور ماضی کے حوادث کا علم اس قوم کو جس نے ان کو اپنی آنکھوں سے نہیں دیکھا صرف خبروں اور بیان دینے والوں کے بیان سے ہی مل سکتا ہے جبکہ ہم استخراج عقلیہ اور استنباط فکریہ کے ساتھ ان حالات کا علم نہیں لگا سکتے۔

لہٰذا ہماری اس کتاب میں کسی خبر و روایت کو پڑھنے والا اجنبی سمجھے یا سننے والا قبیح قرار دے صرف اس بناء پر کہ وہ اس روایت کو درست نہیں سمجھتا تو اسے جان لینا چاہیے کہ ہم نے اپنی طرف سے کوئی ملمع سازی یا رنگ آمیزی نہیں کی بلکہ بعض ناقلین سے وہ

Islahi groupe

Arshad raza, Lala, Sadiq WARSI, Shoeb, S...

اس کے علاوہ کچھ اضافی معاملات مثلاً احادیث کے قبول و رد کا بیان اور ان لوگوں کا تذکرہ جن کی روایت حدیث میں تعریف کی گئی ہے اور ان کی روایت کو شرف قبول حاصل ہوا ہے۔

اسی طرح ان لوگوں کا تذکرہ بھی جن کی روایت حدیث میں مذمت کی گئی ہے اور ان کی روایات کو ترک کیا گیا ہے ان کی نقول کو کمزور اور ان کی حدیث کو کمزور قرار دیا گیا ہے اس کے ساتھ ساتھ وہ اسباب وعلل جن کی وجہ سے روایت کو متروک اور ضعیف کہا گیا ہے۔

میں اپنے اس کام میں اللہ تعالیٰ ہی سے امداد کا طلبگار رہوں اور اسی کی توفیق کا متلاشی ہوں بے شک گناہ سے بچنے اور نیکی پر قدرت دینے میں وہی حامی و ناصر ہے۔

و صلی اللّٰہ علی محمد نبیہ و آلہ و سلّم تسلیمًا.

نوٹ!

اس کتاب کو پڑھنے والے کو یہ بات ذہن نشین رکھنی چاہیے کہ جو کچھ اس کتاب میں سابقہ تفصیل کے متعلق بیان کیا جائے گا اس کا اصل مواد وہ احادیث و آثار ہیں جو اس مقام پر بیان ہوں گی۔ عقلی دلائل اور فکری استنباط کے نتائج بہت کم اور ضرورت کے مطابق لکھے جائیں گے۔

کیونکہ اخبار گذشتہ اور ماضی کے حوادث کا علم اس قوم کو جس نے ان کو اپنی آنکھوں سے نہیں دیکھا صرف خبروں اور بیان دینے والوں کے بیان سے ہی مل سکتا ہے جبکہ ہم استخراج عقلیہ اور استنباط فکریہ کے ساتھ ان حالات کا علم نہیں لگا سکتے۔

لہٰذا ہماری اس کتاب میں کسی خبر در روایت کو پڑھنے والا اجنبی سمجھے یا سننے والا قبیح قرار دے صرف اس بناء پر کہ وہ اس روایت کو درست نہیں سمجھتا تو اسے جان لینا چاہیے کہ ہم نے اپنی طرف سے کوئی ملمع سازی یا رنگ آمیزی نہیں کی بلکہ بعض ناقلین سے وہ ہمیں اسی طرح آ پہنچی ہیں پس ہم نے ان کو اسی طرح آگے لکھ دیا جس طرح وہ ہم تک پہنچی تھیں۔

وَمَا عَلَيْنَا إِلَّا الْبَلَاغ

ابوجعفر محمد بن جریر الطبری ؒ

3:17 AM ✓

तारीख ए तिबरी के हवाले वेसे भी जाईल हैं।
देखो खुद अल्लामा तिबरी फरमा रहे है
 तारीख के वो रिवायात दर्ज है जिनका न सही होना मालूम हुआ और हक़ीक़ी तौर पर भी वो कोई माने नही रखती।
इसके सही होने का इनकार तो खुद हज़रत तिबरानी ने कर दिया

3:17 AM ✓

Islahi groupe

Arshad raza, Lala, Sadiq WARSI, Shoeb, S...

और एक उसूल आपको बता देता हूं तारीख के हवाले फ़ज़ाईल में बयान किये जा सकते है अफ़ज़लियत में नही और जब अफ़ज़लियत में बयान नही किये जा सकते तो ईमान ओ कुफ्र में उसका क़ुबूल करना मुहाल ए कतई होंगे

3:21 AM ✓

+91 98791 51666

~Bad Boy💋💋

You

आपकी भेजी हुई तमाम रिवायतों को देखा जिसमें तारीख ए तिबरी मोअजमातुल कबीर इब्न के अबी शेबा इनकी रिवायात शुरू होती है हमीद बिन अब्दुल...

Waise mai abhi jyada baat nahi kar saqta ...par aap jara bataye ki ibne saiba ...ya tabrani...ye dono k name hai sanad me...ye muje lagta hai ...inhone hadees jama ki hai ...par insha allah kal baat karta hu ...aur aap ki quraan ki aayt kareema par bhi 🙏

3:37 AM

Islahi groupe
Arshad raza, Lala, Sadiq WARSI, Shoeb, S...

+91 98791 51666 ~Bad Boy

+91 98791 51666
Ye Al MUAZAM AL KABEER ka aage wala page jo is me nahi hai

Is me aage se dekh le aap ...aur aap samje agar meri baat to sahi warna insha allah kal baat karte hai bhaijan

3:40 AM

+91 98791 51666 ~Bad Boy

You
और एक उसूल आपको बता देता हूं तारीख के हवाले फ़ज़ाईल में बयान किये जा सकते है अफ़ज़लियत में नही और जब अफ़ज़लियत में बयान नही किये जा स...

Yaha par bhi aap galat hai bhaijan..khair kal hi baat hogi insha allah

3:41 AM

3:41 AM

मेरे जवाब ए दावा के बाद इनके हाश उड़ गए और इन्होंने कहा ये गलत है यहां भी आप गलत है। और कहा इस पर कल बात होगी जो कल 4 दिन में कभी नही आया।

Islahi groupe

Arshad raza, Lala, Sadiq WARSI, Shoeb, S...

+91 98791 51666 ~Bad Boy💋💋

> You
> देखो सही हदीस
>
> **हम से मुहम्मद बिन सनान ने बयान किया कहा ह...**

Ji bhai jaan is par bhi baat kal hi insha allah

3:44 AM

> +91 98791 51666
> Waise mai abhi jyada baat nahi kar saqta ...par aap jara bataye ki ibne saiba ...ya tabrani...ye dono k name hai ...

मेरा जवाब ए दावा पर बात तो तब होगी जब आपका दावा साबित होगा

3:51 AM ✓

> +91 98791 51666
> Waise mai abhi jyada baat nahi kar saqta ...par aap jara bataye ki ibne saiba ...ya tabrani...ye dono k name hai ...

जब आपका दावा ही साबित नही हुवा तो आप जवाब ए दावा पर बात कैसे करेंगे

3:52 AM ✓

Islahi groupe

Arshad raza, Lala, Sadiq WARSI, Shoeb, S...

> **+91 98791 51666**
> Waise mai abhi jyada baat nahi kar saqta ...par aap jara bataye ki ibne saiba ...ya tabrani...ye dono k name hai ...

सनद में नाम का मेरा दावा ही नही है शायद मेरी बात ही आप नही समझे आपकी भेजी हुई तमाम रिवायतों की असनाद मुनक़ता है जिन रावियों से शुरू हो रही है इनमे और मुसन्निफ़ में 180 कामो बेष का फर्क है पता चला इन किताबो में रिवायत ही मुनक़ता है। और तिबरानी साहाब ने तो खुद ही फरमा दिया कि

तारीख की वो रिवायतें दर्ज है जो हक़ीक़ी तौर पर कुछ माना नही रखती

तो ऐसी रिवायतें क़ुबूल ही नहीं कि जाति जिनका सही होना मुसन्निफ़ ही को नही मालूम हो जब मुसन्निफ़ ही को उसके सही पर ऐतबार नही तो उसे दलील कैसे बनाई जाएगी

3:57 AM ✓

Islahi groupe

Arshad raza, Lala, Sadiq WARSI, Shoeb, S...

+91 98791 51666

Is me aage se dekh le aap ...aur aap samje agar meri baat to sahi warna insha allah kal baat karte hai bhaijan

उसपर नज़र तो तब की जाए जब उसकी सनद मुकम्मल हो अल्लामा तिबरी खुद मान चुके कहे सुने पर नकल करली इनका सही होना मालूम नहीं।

3:58 AM ✓

अभी तो आप पर दावा ही क़र्ज़ है पहले दावा पेश करिए फिर दलाइल पर बात कीजियेगा।

4:00 AM ✓

Islahi groupe

Arshad raza, Lala, Sadiq WARSI, Shoeb, S...

+91 98791 51666 ~Bad Boy💋💋

> **You**
> 📷 Photo

اللہ تعالیٰ نے اپنی ازلی حکمت کے تحت اس کائنات
میں ایک حضرت انسان ہے جس کے اندر اچھائی اور برائی دونوں کا مادہ رکھنے کے بعد اسے یہ شعور عطا کیا کہ وہ ان میں تمیز کر کے
اچھائی کے راستے پر گامزن ہو کر دائمی فوز و فلاح کو حاصل کر سکے۔

پھر اللہ تعالیٰ نے اپنی خاص حکمت کے تحت بنی نوع انسان کی ہدایت و رہنمائی کیلئے انبیاء کرام کی بعثت کے سلسلے کا آغاز کیا جو
تمام انبیاء و مرسلین کے پیشوا حضرت محمد ﷺ کی اس دنیا میں تشریف آوری کے ساتھ ختم ہو گیا۔

نبی اکرم ﷺ کے بعد بنی نوع انسان کی ہدایت و رہنمائی کا کام آپ کی امت کے "اہل علم" کے حصے میں آیا۔ اگرچہ عام
مسلمانوں نے بھی دعوت و تبلیغ کے باب میں نمایاں خدمات سرانجام دی ہیں لیکن قرآن و سنت کی تعلیمات کی منتقلی اور قرآن و سنت
کی روشنی میں نئے پیش آمدہ مسائل کا حل پیش کرنا "اہل علم" ہی کا کام ہے۔

خود قرآن یہ کہتا ہے:
"اگر تمہیں علم نہ ہو تو اہل علم سے دریافت کرو"۔

امت کے ان جلیل القدر اہل علم میں سے ایک "امام بخاری" ہیں جن کے مختصر حالات ہم آئندہ سطور میں بیان کریں گے۔

امام بخاری کی سوانح کا جائزہ لینے سے پہلے ہمیں ایک نظر اس زمانے پر ڈالنا ہوگی جس میں بخاری پیدا ہوئے انہوں نے تعلیم
حاصل کی اور پھر درس و تدریس اور تصنیف و تالیف کی طرف متوجہ ہوئے۔ امام بخاری کی پیدائش 194 ہجری میں ہوئی تھی۔

یہ وہ وقت ہے جب نبی اکرم ﷺ کو اس دنیا سے رخصت ہوئے 184 برس گزر چکے تھے۔
حضرت علی کی شہادت کو 154 برس گزر چکے تھے۔
کسی بھی آخری صحابی کے انتقال کو کم و بیش 90 برس گزر چکے تھے۔
امام ابوحنیفہ کے انتقال کو 54 برس گزر چکے تھے۔
امام مالک کے انتقال کو 15 برس گزر چکے تھے۔
امام شافعی اس وقت 44 برس کے تھے اور امام بخاری کی پیدائش کے 10 برس بعد یعنی 204 ہجری میں "مصر" میں ان کا
انتقال ہوا۔

4:30 AM

Agar aap samjdaar hai bhaijan to samj le ki bukhari sarif puri bateel huee aap k kehne aur man ne k mutabik
4:31 AM

Aik hi kafi hai ki Musleem sarif aur duare dave du
4:31 AM

Islahi groupe
Arshad raza, Lala, Sadiq WARSI, Shoeb, S...

Aap direct dawa rad nahi kar saqte ...aap sanad se ravi kazzab nikale
4:31 AM

> +91 98791 51666
> Agar aap samjdaar hai bhaijan to samj le ki bukhari sarif puri bateel huee aap k kehne aur man ne k mutabik

Jnaab e Wala samjhe Aap nahi hai imaam bukuari ki rewayato me koi rawi munqata nahi hai
4:32 AM ✓

> +91 98791 51666
> Aap direct dawa rad nahi kar saqte ...aap sanad se ravi kazzab nikale

Sanad Hogi to nikalunga
4:32 AM ✓

+91 98791 51666 ~Bad Boy💋💋
Are janab aap ne sand dekhi hai
4:32 AM

> +91 98791 51666
> Are janab aap ne sand dekhi hai

Achhe se dekhi hai
4:32 AM

Islahi groupe

Arshad raza, Lala, Sadiq WARSI, Shoeb, S...

Aapko asnad ka hi ilm nahi hai

4:33 AM

+91 98791 51666 ~Bad Boy

Imam tabrani ki sand dekhiee...aur ibne saiba me to sand hi alag hai..khair aaram se dekhe bhaijan aap

4:33 AM

Imam bukhari jisse sanad le rahe haiunse Hadees Huzoor Ke zamane Tak pahuncht rahi hai koi zanana beech me Khali nahi hai

4:33 AM

+91 98791 51666 ~Bad Boy

Aap ne likha in ka ravi k kaee salo bad inteqal hua ...aap yahi bole na...ye hadeeso ko jama kari huee book hai

4:33 AM

Islahi groupe

Arshad raza, Lala, Sadiq WARSI, Shoeb, S...

+91 98791 51666

Aap ne likha in ka ravi k kaee salo bad inteqal hua ...aap yahi bole na...ye hadeeso ko jama kari huee book hai

सनद में नाम का मेरा दावा ही नही है शायद मेरी बात ही आप नही समझे आपकी भेजी हुई तमाम रिवायतों की असनाद मुनक़ता है जिन रावियों से शुरू हो रही है इनमे और मुसन्निफ़ में 180 कामो बेष का फर्क है पता चला इन किताबो में रिवायत ही मुनक़ता है। और तिबरानी साहाब ने तो खुद ही फरमा दिया कि

तारीख की वो रिवायतें दर्ज है जो हक़ीक़ी तौर पर कुछ माना नही रखती

तो ऐसी रिवायतें क़ुबूल ही नहीं कि जाति जिनका सही होना मुसन्निफ़ ही को नही मालूम हो जब मुसन्निफ़ ही को उसके सही पर ऐतबार नही तो उसे दलील कैसे बनाई जाएगी

4:34 AM

Islahi groupe
Arshad raza, Lala, Sadiq WARSI, Shoeb, S...

+91 98791 51666 ~Bad Boy💋💋
Ji aap ko jo di riwayt ...wo hadees nahi hai ...abu bakr k jamane k aqwal hai ..
4:34 AM

+91 98791 51666 ~Bad Boy💋💋
> You
> आपकी भेजी हुई तमाम रिवायतों को देखा जिसमें तारीख ए तिबरी मोअजमातुल कबीर इब्न के अबी शेबा इनकी रिवायात शुरू होती है हमीद बिन अब्दुल...

Aap dekh le aap ka sms janab 4:35 AM

Aap ne muje kya likha hai 4:35 AM

Janaab e Wala rawi hi Nahi hai Aapki pesh karda dawe me
4:35 AM ✓

> You
> सनद में नाम का मेरा दावा ही नही है शायद मेरी बात ही आप नही समझे आपकी भेजी हुई तमाम रिवायतों की असनाद मुनक़ता है जिन रावियों से शुरू हो रही ...

Iska khulasa me Yaha Kar chuka
4:35 AM ✓

Islahi groupe
Arshad raza, Lala, Sadiq WARSI, Shoeb, S...

+91 98791 51666 ~Bad Boy💋💋

Alma tibrani fout hue ..260 me ...ibne saiba ...235..inhone hamid bin abdul rehman se mulakat nahi ki...

Ye hamid bin abdul rehman ravi hai.....thik ...tibrani ne mulakat nahi ki...to wahi kaha bukhari shareef me kis kis ravi se imam bukhari mile jara aap batayega 4:38 AM

In kipaidaees 194 me hai 4:39 AM

> +91 98791 51666
> Alma tibrani fout hue ..260 me ...ibne saiba ...235..inhone hamid bin abdul rehman se mulakat nahi ki......

Janab e Wala mere Jabae Dawa par Baad me ayiyega apoa Dawa Sabit hi Nahi ho raha 4:39 AM ✓

Islahi groupe
Arshad raza, Lala, Sadiq WARSI, Shoeb, S...

+91 98791 51666
Alma tibrani fout hue ..260 me ...ibne saiba ...235..inhone hamid bin abdul rehman se mulakat nahi ki......

Khud dekhe jab inki sanad mukammal nahi to RIWAYAT kaha se QUBOOL hogi 4:40 AM ✓

+91 98791 51666 ~Bad Boy
Aee bhaijan aap ne riwayt hi aap k dawe par raad k hai 4:40 AM

+91 98791 51666
Aee bhaijan aap ne riwayt hi aap k dawe par raad k hai

Rewayat Aapki radd Hui hai sanad bataye kaha hai uski 4:40 AM ✓

Jab Dawa Sabit hoga tab m bataunga Meri pesh karda rewayat ke Kis rawi se Mulakat imam bukhari ne ki

4:41 AM ✓

Islahi groupe

Arshad raza, Lala, Sadiq WARSI, Shoeb, S...

+91 98791 51666 ~Bad Boy💋💋

Ji kal aaram se baat karte hai janab

4:43 AM

Thik hai aap muqammal rewayat laaye fir Baat hogi

4:43 AM ✓

+91 99777 45972 ~محمّد اظہر علی

> **You**
> Rewayat Aapki radd Hui hai sanad bataye kaha hai uski

Ayaz chacha mafi chahata hu plz bolna pd rha h bawa gye sone isliye

Aap ko kaisi sand chahiee
Sand me sirf kazzab ravi ya matruk dekha jata hai

4:53 AM

सदर साहब से गुज़ारिश है इन्हें या तो शराइत का पाबन्द किया जाए या बाहर किया जाए

4:56 AM ✓

Islahi groupe

Arshad raza, Lala, Sadiq WARSI, Shoeb, S...

+91 97135 25666 ~हर कोई चाहता हे 1 मुट्ठी आ...

> +91 99777 45972
> हजरत माफी चाहता हु
>
> मुझे कुछ पेश करने की इजाजत मिल सकती है क्या।।

आप वादे पर कायम रहें

आपको जो भी पेश करना हे वो आप ओलमा को सेपरेट पेश करें

अज़हर मिया रूल के मुताबिक ये ते हुवा हे की कोई बिच में नाही बोलेगा सिर्फ 2 ओलमा बात करेंगे

कोई तीसरा बोलेगा तो उसे रिमूव करदिया जाएगा

आपको ग्रुप से इसलिए रिमूव नहीं किया की बेहेस को शुरू ही आपकी वजह से किया हे

अगर अब आप आइन्दा बोले तो इस्लाह तो जारी रहेगी

लेकिन रूल के मुताबिक मुझे आपको रिमूव करना पड़ेगा

इसलिए अगर आपको कोई भी हदीस पेश करना हे तो

Islahi groupe

Arshad raza, Lala, Sadiq WARSI, Shoeb, S...

करना हे तो
जो नाम आपने दिया हे समीर भाई का
उनसे सेपरेट में बात करो

12:26 PM

शरायत याद रहे सिर्फ 2 लोग ही बात करेंगे
अगर किसी 3सरे को कोई दलील देना हे या ऐतराज़ करना हे तो बराए मेहरबानी ग्रुप में नहीं सेपरेट ओलमा ए दीन से करे वरना अब कोई भी हो
भले ही वो आग़ाज़े मुनाज़रा ही क्यों न हो उसे रिमूव करदिया जएगा
आपकी दुवाओं का तालिब अयाज़ मास्टर

12:39 PM

+91 97135 25666 removed +91 95189 36759

+91 98791 51666

+91 98791 51666
Ye Al MUAZAM AL KABEER ka aage wala page jo is me nahi hai

Salam ...gour kiya aap ne is ki sanad me ..?

7:22 PM

Abu zimba se suru hai ... 7:23 PM

Hameed bin Abdul rehman auf ..yn k waleed pe khatam hai 7:23 PM

Ibne saiba ki sand dekh le aap 7:24 PM

Tarikh e tabri ka page padhe bhaijan aap k kya likha hai aap ne ...is me sab riwayt li hai ...agar sab juthi hai to tibri sab n majak k liye nahi likha hai

7:25 PM

Janab jab 3 sadi se chalu huee hai jo kitab to lokhne wale k pas kon laya wo sanad lilhega to imam tabrani r.a ki kitab kabeer 14 zildo me hai ...to muje lagta hai 100 taq chali jaegii

7:27 PM

Hameed bin rehman auf sikkah hai..un se riwayt li gaee hai 7:28 PM

Islahi groupe

Arshad raza, Lala, Sadiq WARSI, Shoeb, S...

+91 98791 51666 ~Bad Boy💋💋

> +91 98791 51666
> 📷 Photo

Yaha ravi dekh le aap mohammad bin basar..ubaidulla ib omar ..zaid bi aslam ... 7:30 PM

+91 98791 51666

> +91 98791 51666
> 📷 Photo

Aur ue riwayt mouzu se hat ne ko nahi dii aap ko bhaijan ...is se abu bakr ne quraan ko juthlaya hai 7:31 PM

Thoda gour karo aap 7:31 PM

Aap ne tarikh e masoodi ko bhi juthla diya...aap dekhe to sahi in k bare me olma ka kya cal hai .. 7:32 PM

Aap se reqwest ...hai ...bhaijan aap ko nicha dikhana mera maqsad hai hi nahi...to aap ego ka chasma utar kar rakhe..aur gour kare 7:33 PM

Islahi groupe

Arshad raza, Lala, Sadiq WARSI, Shoeb, S...

+91 98791 51666 ~Bad Boy

مصنف ابن ابی شیبہ مترجم (جلد ۹) ۳۶۵ کتاب الفضائل

دوسرا سونے کا ہوگا۔

(٣٢٣٣١) حَدَّثَنَا عَفَّانُ ، حَدَّثَنَا حَمَّادُ بْنُ سَلَمَةَ ، عَنْ عَلِيِّ بْنِ زَيْدٍ ، عَنِ الْحَسَنِ ، عَنْ أَبِي بَكْرَةَ : أَنَّ رَسُولَ اللهِ صَلَّى اللَّهُ عَلَيْهِ وَسَلَّمَ قَالَ : لَيَرِدَنَّ عَلَيَّ الْحَوْضَ رِجَالٌ مِمَّنْ صَحِبَنِي وَرَآنِي حَتَّى إِذَا رُفِعُوا إِلَيَّ اخْتُلِجُوا دُونِي فَلَأَقُولَنَّ : رَبِّ أَصْحَابِي ، فَلَيُقَالَنَّ : إِنَّكَ لَا تَدْرِي مَا أَحْدَثُوا بَعْدَكَ. (احمد ۴۸)

(٣٢٣٣١) حضرت ابو بکرہ فرماتے ہیں کہ رسول اللہ ﷺ نے فرمایا کہ میرے حوض پر بہت سے لوگ آئیں گے جو میرے ساتھ رہے ہوں گے اور انہوں نے مجھے دیکھا ہوگا، یہاں تک کہ جب وہ میری طرف اٹھائے جائیں گے تو ان کو مجھ سے روک دیا جائے گا، میں کہوں گا کہ اے میرے رب! یہ میرے ساتھی ہیں، اللہ فرمائیں گے کہ آپ نہیں جانتے کہ انہوں نے آپ کے بعد کیا بدعات

9:07 PM

Sath rehne se fark nahi ....baad aj RASOOL S.A.W kya kiya wo dekha jaata hai

9:07 PM

+91 98791 51666 ~Bad Boy

...، عَنْ هِشَامِ بْنِ عُرْوَةَ ، عَنْ أَبِيهِ ؛ أَنَّ أَبَا بَكْرٍ وَعُمَرَ لَمْ يَشْهَدَا ...

...ی الْأَنْصَارِ ، فَبُويِعَا قَبْلَ أَنْ يَرْجِعَا.

...عروہ اپنے والد سے روایت کرتے ہیں کہ حضرت ابو بکر رضی اللہ عنہ اور حضرت عمر رضی اللہ عنہ

...انصار میں موجود تھے۔ پس ان کے واپس آنے سے پہلے ان کی بیعت ہوگئی۔

Ibne abi saiba zild 11 page 484...raqm 38201

10:06 PM

HUZOOR S.A.W k janaje ko chor kar bhage hai ..samj aaye to samj lo

10:06 PM

Islahi groupe

Arshad raza, Lala, Sadiq WARSI, Shoeb, S...

+91 97135 25666 ~हर कोई चाहता हे 1 मुट्ठी आ...

You

Me sehmat hu Aap hi Sadarat kare koi be usooli aor be tartibi hoti hai aap control kare

izzat afzai ka shikria

1:30 AM

Islahi groupe
Arshad raza, Lala, Sadiq WARSI, Shoeb, S...

+91 98791 51666
Photo

तारीख ए तिबरी जो आपने पेश की ज़रा उसके मुसन्निफ़ के मुताल्लिक़ आपको आगाह कर दु।

अबु जाफर मुहम्मद बिन जरीर बिन यज़ीद बिन कसीर बिन गालिब 224 सन हिजरी में तिबरिस्तान के शहर आमल में पैदा हुवे अमल शहर की निस्बत से अमली भी कहलाए, और तिब्रिस्तान कि तरफ निस्बत से तिबरी भी कहलाए। दोनों में से मशहूर तिबरी है। इल्म व फन में अपने वक़्त के बे मिस्ल शख़्स थे। और मुसलमान ओलमा में उनका बहुत ऊंचा मकाम था अहले सुन्नत और अहले तशई की किताबो में इन्हें अहले सुन्नत का इमाम लिखा गया है। लेकिन इनके बारे में बाज़ हज़रात इस बात के क़ाइल हैं। के इन मे तशई पाया जाता था।
(मीज़ान कुतुब सफा 304)

2:32 AM ✓

"تاریخ طبری"، کے مصنف محمد بن جریر طبری کا مختصر سوانحی خاکہ پہلے پیشِ خدمت ہے۔

ابو جعفر محمد بن جریر بن یزید بن کثیر بن غالب ۲۲۴ھ میں طبرستان کے شہر آمل میں پیدا ہوئے۔ آمل شہر کی نسبت سے آملی بھی کہلائے۔ اور طبرستان کی طرف نسبت سے طبری بھی کہلائے۔ دونوں میں سے مشہور "طبری"، ہے۔ علم و فضل میں اپنے وقت کے بے مثل شخص تھے۔ اور مسلمان علماء میں ان کا بہت اونچا مقام تھا۔ اہل سنت اور اہل تشیع کی کتابوں میں انہیں "اہل سنت کا امام"، لکھا گیا ہے لیکن ان کے بارے میں بعض حضرات اس بات کے قائل ہیں۔ کہ ان میں تشیع پایا ... قائلین کے چند دلائل ملاحظہ ہوں۔

2:33 AM

میزان الکتب

تحقیق علامہ حضرت مولانا محمد علی صاحب

مکتبہ نوریہ حسینیہ بلال گنج

لاہور
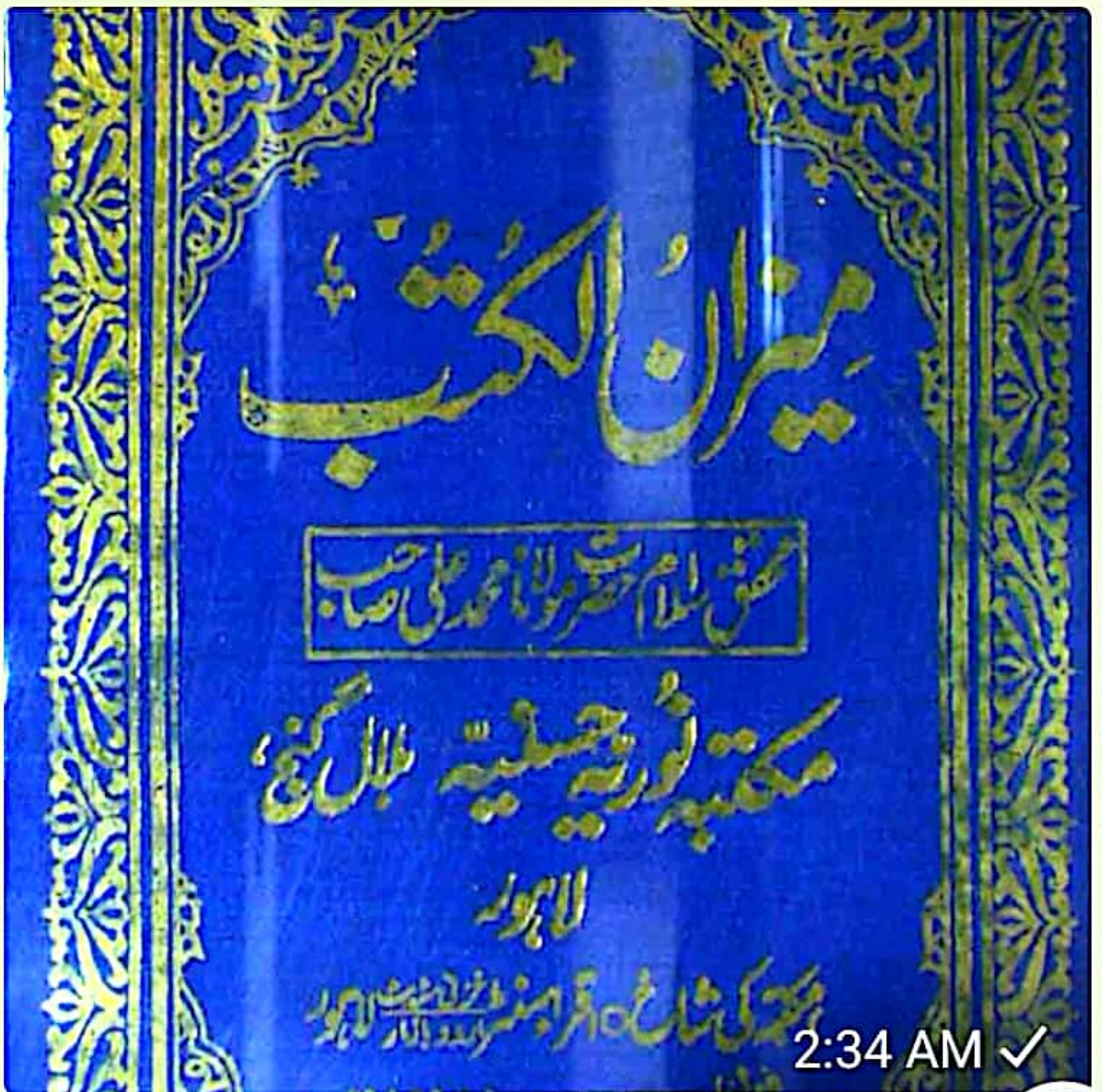
2:34 AM

Islahi groupe

Arshad raza, Lala, Sadiq WARSI, Shoeb, S...

+91 98791 51666

इब्न ए जरीर तिबरी में शिई था। इनका ताल्लुक़ एक ऐसे खानदान से था, जो शिय्यत में गुलू करता था। इनका हकीकी भांजा अबू बकर मुहम्मद बिन अब्बास खुवारज़मी जो एक बुलंद पाया मेहजुगो शायर था। राफ़ज़ी था।

(इब्न ए खलकान सफा400, ब हवाला मिज़ानुल कुतुब सफा 305)

इब्न ए जरीर तिबरी के भांजे ने अपने मामू के राफ़ज़ी होने का ऐलान दर्ज ज़ैल शेर में किया है। इस शेर को शिई आलिम अल्क़मी ने अपनी किताब अल किना में भी दर्ज किया है।

मकाम ए आमिल मेरी जाए पैदाइश है। और जरीर के बेटे मेरे मामू हैं। और आदमी अपने ममुओ के मुशबे होता है। हाँ हाँ में जड़ी पशती शिया हूँ।और मेरे सिवा शिया कहलाने वाला जद्दी पशती शिया नही बल्कि दूर का शिया है

Islahi groupe

Arshad raza, Lala, Sadiq WARSI, Shoeb, S...

(अल कनी वल अलक़ाब जिल्द अव्वल सफा 22 ब हवाला मीज़ान कुतुब सफा 305)

2:35 AM ✓

رافضی تھا۔ اس کا باپ علاقہ خیرا کے مقام خوارزم کا رہنے والا تھا۔ اور ماں مؤرخ طبری کی بہن جریر کے گھرانے کی تھی۔

وَهُوَ ابْنُ اُخْتِ اَبِیْ جَعْفَرِ مُحَمَّد بن جریر الطبری صاحب تاریخ (ابن خلکان ص ۴۰۰) اس نے اپنے ننہیال میں پرورش پائی۔ اور آخر میں بویہ ایسے نامی غالی شیعہ امراء کی سرپرستی میں رہا۔ وہ اپنے ماموں (ابن جریر طبری) کے رافضی مسلک ہونے کا اظہار درج ذیل اشعار میں فخریہ بیان کرتا ہے
یہی اشعار شیخ عباس قمی نے اپنی کتاب الکنیٰ والالقاب میں بھی درج کیے ہیں۔

الکنی والالقاب:

بِآمل مَوْلَدِیْ وَبَنُوْ جَرِیْرٍ
فَاَخْوَالِیْ وَیَحْکِیْ الْمَرْءُ خَالَہ
فَهَا اَنَا رَافِضِیٌّ عَنْ تُرَاثٍ
وَغَیْرِیْ رَافِضِیٌّ عَنْ کَلَالِہ

الکنی والالقاب جلد اول ص ۲۲ مطبوعہ تہران طبع

2:36 AM ✓

तारीख ए तिबरी हमारे यहाँ मोअतबर किताब नही है क्योंकि इसकी रिवायतें अहले तशई कुतुब से ली है।

2:36 AM ✓

Islahi groupe

Arshad raza, Lala, Sadiq WARSI, Shoeb, S...

+91 98791 51666

Photo

मरुज़ुल ज़हब की हक़ीक़त

शिया ओलमा की जिन्होंने इल्म ए नहु में शोहरत पाई, उस इल्म के ओलमा में से अफ़ज़ल अला बिन हुसैन बिन मसऊदी है। जो किताब मरुजूल ज़हब का मुसन्निफ़ है। ये शख्स अपने दौर का फ़ाज़िल और शेख था। और मसलक के ऐतबार से शिया था। (ऐयानुशिय जिल्द अव्वल सफा 160 ब हवाला मीज़ान उल कुतुब सफा 100)

2:37 AM ✓

شافعیہ میں اس کا ذکر کیا۔ لیکن یہ محض وہم ہے۔ یہ اسی طرح درست نہیں جس طرح ابو جعفر محمد بن حسن الطوسی کو علامہ سبکی نے طبقات شیعہ میں شمار کیا ہے۔ حالانکہ طوسی مذکور شیعوں کے نزدیک "شیخ الطائفہ" کے لقب سے معروف و مشہور ہے۔

مسعودی کے شیعہ ہونے پر مزید شیعہ علماء کے فیصلے

اعیان الشیعہ:

عُلَمَاءُ النُّجُوْمِ مِنَ الشِّيْعَةِ ..... وَمِنْ اَفْضَلِ الْمَوْصُوْفِيْنَ بِعِلْمِ النُّجُوْمِ

Islahi groupe

Arshad raza, Lala, Sadiq WARSI, Shoeb, S...

اعیان الشیعہ:

عُلَمَاءُ النُّجُوْمِ مِنَ الشِّيْعَةِ ..... وَمِنْ أَفْضَلِ الْمَوْصُوْفِيْنَ بِعِلْمِ النُّجُوْمِ الشَّيْخُ الْفَاضِلُ الشِّيْعِيُّ عَلِيُّ بْنُ الْحُسَيْنِ بْنِ عَلِيِّ الْمَسْعُوْدِيُّ مُصَنِّفُ كِتَابِ مُرُوْجِ الذَّهَبِ

2:37 AM ✓

+91 98791 51666

Photo

وَ اٰتِ ذَا الْقُرْبٰى حَقَّهٗ وَ الْمِسْكِيْنَ وَ ابْنَ السَّبِيْلِ وَ لَا تُبَذِّرْ تَبْذِيْرًا(٢٦)

सूर: बानी इशराईल आयत 26

*जिस सूरत का ज़िक्र इस मोसिली की मुसनद में ज़िक्र किया है वो भी शिया तफ़ासीर की बनाई हुई मैन घड़ंत तफसीर है और इसके झूठे होने के लिए इतना काफी है कि ये सूरत मक्की है जो मक्का में नाज़िल हुई। और बाग ए फ़िदक मदीना मुनव्वरा में फ़ै'ए के तौर पर हासिल हुआ।

2:38 AM ✓

Islahi groupe

Arshad raza, Lala, Sadiq WARSI, Shoeb, S...

+91 98791 51666

Photo

और हुज़ूर अलैहिस्सलातो व अस्सलाम ने कभी शरीयत की मुखालिफत नहीं कि फिर वो क़ुरआन की मुखालिफत कैसे करेंगे देखो क़ुरआन मजीद ने क्या इर्शाद फरमाया है:-

وَ مَآ اَفَآءَ اللّٰهُ عَلٰى رَسُوْلِهٖ مِنْهُمْ فَمَآ اَوْجَفْتُمْ عَلَيْهِ مِنْ خَيْلٍ وَّ لَا رِكَابٍ وَّ لٰكِنَّ اللّٰهَ يُسَلِّطُ رُسُلَهٗ عَلٰى مَنْ يَّشَآءُ-وَ اللّٰهُ عَلٰى كُلِّ شَيْءٍ قَدِيْرٌيه(٦)

और अल्लाह ने अपने रसूल को उनसे जो افا **(माल ए फ़ै जो बिना लड़े हाथ आये ये माल के गनीमत ही कि एक किसम है) तो तुमने उस पर न अपने घोड़े दौड़ाए थे और न ऊंट हाँ अल्लाह अपने रसूलो को जिस पर चाहता है ग़लबा देता है। अल्लाह हर शै पर खूब क़ादीर है।**

(सूर: हश्र आयत 6)

अल्लाह तआला ने खुद फरमा दिया कि माल ए फ़ै'ए क्या है अब आगे इसका तसर्रुफ़ कैसे करना है ये भी बता दिया।

Islahi groupe

Arshad raza, Lala, Sadiq WARSI, Shoeb, S...

अल्लाह तआला ने अपने रसूल को शहर वालो से जो गनीमत दिलाई। तो वो अल्लाह और उसके रसूल के लिए है, और रिश्तेदारों के लिए और यतीमों के लिए और मिस्कीनों के लिए ओर मुसाफिरों के लिए है। ताकि वो दौलत तुम्हारे माल दारों के दरमियान ही गर्दिश करने वाली न हो जाए। और रसूल जो कुछ तुम्हे दे ले लो। और जिससे तुम्हे मना फरमाए, तो तुम बाज़ रहो। और अल्लाह से डरो। बेशक अल्लाह साख्त अज़ाब देने वाला है।
(सूरः ए हश्र आयात 7)

इसके बाद वाली आयत में

उन फकीर मुहाजिरों के लिए जो अपने घरों और अपने मालो से निकाले गए , इस हाल में की अल्लाह की तरफ से फ़ज़्ल और रज़ा चाहते हैं और वो अल्लाह और उसके रसूल की मदद करते हैं वही सच्चे लोग हैं।
(सूरः हश्र आयात 8)

इसके बाद वाली सूरत में

Islahi groupe
Arshad raza, Lala, Sadiq WARSI, Shoeb, S...

और वो जिन्होंने उन (मुहाजिरों) से पहले इस शहर को और ईमान को ठिकाना बना लिया, वो अपनी तरफ हिजरत करने वालो से मुहब्बत करते हैं। और वो इसके मुताल्लिक़ अपने दिलो में कोई हसद नहीं पालते जो उनको दिया गया और वो अपनी जानो पर तरजीह देते हैं अगरचे उन्हे खुद हाजत हो। और जो अपने नफ़्स के लालच से बचा लिया गया। तो वही लोग कामियाब हैं।
(सूरः हश्र आयत 9)

माल ए फ़ै'ए में अल्लाह तआला ने आल्लाह और उसके रसूल और रिश्ते दारों के लिए, यतीमो के लिए मिस्कीनों के लिए मुसाफिरों के लिए, फकीर व मुहजीरीन के लिए, अंसारो के लिए तक़सीम के लिए इन आयात में हुक़्म फरमा दिया।

जब रब्बे क़दीर का हुक़्म मौजूद है तो क्या मआज़ अल्लाह मेरा नबी सलल्लाहु तआला अलैहि वसल्लम मआज़ अल्लाह सुम्मा मआज़ अलाल अल्लाह के हुक़्म की न फर्मानी करते हुवे उस माल का मालिक हज़रत फातिमा को बना दिये??? ये नस्से क़तई के साख्त खिलाफ

Islahi groupe
Arshad raza, Lala, Sadiq WARSI, Shoeb, S...

रिवायत जो अहले तशई की जानिब से गाढी हुई है। क्योंकि रसूलुल्लह सलल्लाहु तआला अलैहि व सल्लम कभी क़ुरआन के फर्मान कि मुखालिफत नही कर सकते 2:39 AM ✓

Aapka Daawa Ab bhi Sabit nahi ho raha hai 3:01 AM ✓

> +91 98791 51666
> HUZOOR S.A.W k janaje ko chor kar bhage hai ..samj aaye to samj lo

Maaz Allah jab ye Alfaaz Hadees me nahi to badhaye kyu 3:08 AM ✓

hadees par jirah baad me apni Taraf se Tabarra baazi Bardasht nahi ki jayegi ye Sharayit ke khilaf arzi hai.

Sharayit me saaf likha hai Sharayit nam 6 - 7 ki 3:11 AM ✓

Islahi groupe

Arshad raza, Lala, Sadiq WARSI, Shoeb, S...

वेसे आपको याद दिला दु जब हमारे बीच ये बात तय हो चुकी जिस पर आप भी राज़ी है कि दलील ए क़तई देना होगी।
आपका दावा ही अब तक पेश नही हो पा रहा है। जबकि दावा क़तई से देना था जो अब तक न दे सके। उम्मीद है अगली बार दलील ए क़तई मिलेगी और शराइत की पाबंदी भीहोग

3:15 AM ✓

> **+91 98791 51666**
> Ibne abi saiba zild 11 page 484...raqm 38201

इसका जवाब भी दे रहा हु

3:16 AM ✓

जब मैने इनके हवालों तारीख ए तिबरी की हकीकत बताई जिससे बाकी हवालों की हवा निकल गयी। और मरुज़ूल ज़हब की हकीकत दिखाई। तो इन्होंने तारीख ए तिबरी को बचाने की आखरी कोशिश की वो भी उन्ही के दिए हवाले से ज़ाईल हो गई। आगे देखिए।

Islahi groupe

Arshad raza, Lala, Sadiq WARSI, Shoeb, S...

+91 98791 51666 ~Bad Boy

علم تفسیر حاصل کر کے دور دراز علاقوں تک پہنچایا، ہر دور میں آپ کے تفسیری اقوال کی اہمیت مسلم رہی ہے، مشکل آیات کی تفسیر کے لئے آپ کی طرف رجوع کیا جاتا تھا۔ سعید بن جبیر اور حضرت مجاہد جیسی شخصیات آپ کے شاگرد ہیں۔ حضرت عبداللہ بن عباس رضی اللہ عنہما سے بکثرت تفسیری طرق مروی ہیں۔

تفسیر ابن جریر کا تعارف

اس تفسیر کا اصل نام جامع البیان ہے، اور یہ علامہ ابوجعفر محمد بن جریر طبری رحمۃ اللہ علیہ (متوفی ۳۱۰ھ) کی تالیف ہے، علامہ طبری رحمۃ اللہ علیہ اونچے درجے کے مفسر، محدث اور مؤرخ ہیں، منقول ہے کہ وہ چالیس (۴۰) سال تک مسلسل لکھنے میں مشغول رہے، اور ہر روز چالیس (۴۰) ورق لکھنے کا معمول تھا (البدایہ والنہایہ ص ۱۴۵ ج ۱۱)

بعض حضرات نے ان پر شیعہ ہونے کا الزام عائد کیا ہے، لیکن محققین نے اس الزام کی تردید کی ہے اور حقیقت بھی یہی ہے کہ وہ اہل سنت کے جلیل القدر عالم ہیں، بلکہ ان کا شمار ائمہ مجتہدین میں ہوتا ہے۔

ان کی تفسیر تیس (۳۰) جلدوں میں ہے، اور بعد کی تفاسیر کے لیے بنیادی ماخذ کی حیثیت رکھتی ہے، وہ آیات کی تفسیر میں علماء کے مختلف اقوال نقل کرتے ہیں، اور پھر جو قول اُن کے نزدیک راجح ہوتا ہے اسے دلائل کے ذریعہ ثابت کرتے ہیں، البتہ ان کی تفسیر میں صحیح وسقیم ہر طرح کی روایات جمع ہوگئی ہیں، اس لیے اُن کی بیان کی ہوئی ہر روایت پر اعتماد نہیں کیا جاسکتا، دراصل اس تفسیر سے ان کا مقصد یہ تھا کہ تفسیر قرآن کے بارے میں جس قدر روایات انہیں دستیاب ہوسکیں اُن سب کو جمع کر دیا جائے، تاکہ اس جمع شدہ مواد سے کام لیا جاسکے، البتہ انہوں نے ہر روایت کے ساتھ اس کی سند بھی ذکر کی ہے، تاکہ جو شخص چاہے راویوں کی تحقیق کر کے روایت کے صحیح یا غلط ہونے کا فیصلہ کرسکے۔

تفسیر ابن کثیر کا مختصر تعارف

یہ حافظ عماد الدین ابوالفداء اسماعیل بن کثیر دمشقی شافعی (متوفی ۷۷۴ھ) کی تصنیف ہے، جو آٹھویں صدی کے ممتاز اور محقق علماء میں سے ہیں، اُن کی تفسیر چار جلدوں میں شائع ہو چکی ہے، اس میں زیادہ زور تفسیری روایات پر دیا گیا ہے، اور خاص بات یہ ہے کہ مصنف روایتوں پر محدثانہ تنقید بھی کرتے ہیں، اور اس لحاظ سے یہ کتاب تمام کتب تفسیر میں ایک ممتاز مقام رکھتی ہے

... مختصر تعارف

3:09 AM

+91 98791 51666 ~Bad Boy

Islahi groupe

Arshad raza, Lala, Sadiq WARSI, Shoeb, S...

Baki insha allah kal de dunga bhaijan

3:11 AM

+91 98791 51666

Photo

ये चीज़ पहले ही लिख चुका हूं हमारे यहां तारीख के तिबरी मोअतबर नही क्योंकि इन पर ओलमा का इज्मा नही है दूसरी बात इन्होने कई रिवायतें शियों से ली जो इन्हें मुतनाज़े शख्सियत बनाता है जबकि इनके भांजे का दावा भी ।के पेश कर चुका।

इनकी दलील दलील ए क़तई नही है तो ये यूँ भी मोअतबर नही है

3:20 AM ✓

तारीख ए तिबरी में बाज़ ऐसे रावी है जिनसे 1999 हदीस नकल की और ये तमाम रावी कज़्ज़ाब है।

3:21 AM ✓

Islahi groupe

Arshad raza, Lala, Sadiq WARSI, Shoeb, S...

ऐसी किताब किसी के नज़दीक़ मोअतबर नही होती जिनमे इतनी ज्यादा तादाद में कज़्ज़ाब रिवायतें मौजूद हों। और इसी लिए तारीख की किताबो को फ़ज़ीलत में तो बयान किया जाता है लेकिन अफ़ज़लियत में क़ुबूल नही किया जाता देखिये ये उसूल अल्लामा अब्दुल अजीज मुहद्दिस देहलवी ने अपनी किताब तोहफा ए इस्ना ए अशरिया में लिखा है।

3:23 AM ✓

इंशा अल्लाह मिल गया तो स्क्रीन शार्ट भी भेज दूंगा

3:24 AM ✓

Forwarded

علم تفسیر حاصل کر کے دور دراز علاقوں تک پہنچایا، ہر دور میں آپ کے تفسیری اقوال کی اہمیت مسلم رہی ہے، مشکل آیات کی تفسیر کے لئے آپ کی طرف رجوع کیا جاتا تھا۔ سعید بن جبیر اور حضرت مجاہد جیسی شخصیات آپ کے شاگرد ہیں۔ حضرت عبداللہ بن عباس رضی اللہ عنہما سے بکثرت تفسیری طرق مروی ہیں۔

تفسیر ابن جریر کا تعارف

اس تفسیر کا اصل نام جامع البیان ہے، اور یہ علامہ ابو جعفر محمد بن جریر طبری رحمۃ اللہ علیہ (متوفی ۳۱۰ھ) کی تالیف ہے، علامہ طبری رحمۃ اللہ علیہ اونچے درجے کے مفسر، محدث اور مؤرخ ہیں، منقول ہے کہ وہ چالیس (۴۰) سال تک مسلسل لکھنے میں مشغول رہے، اور ہر روز چالیس (۴۰) ورق لکھنے کا معمول تھا (البدایہ والنہایہ ص ۱۴۵ ج ۱۱)

بعض حضرات نے ان پر شیعہ ہونے کا الزام عائد کیا ہے، لیکن محققین نے اس الزام کی تردید کی ہے اور حقیقت بھی یہی ہے کہ وہ اہل سنت کے جلیل القدر عالم ہیں، بلکہ ان کا شمار ائمہ مجتہدین میں ہوتا ہے۔

ان کی تفسیر تیس (۳۰) جلدوں میں ہے، اور بعد کی تفاسیر کے لیے بنیادی مآخذ کی حیثیت رکھتی ہے، وہ آیات کی تفسیر میں علماء کے مختلف اقوال نقل کرتے ہیں، اور پھر جو قول اُن کے نزدیک راجح ہوتا ہے اسے دلائل کے ذریعہ ثابت کرتے ہیں، البتہ ان کی تفسیر میں صحیح و سقیم ہر طرح کی روایات جمع ہوگئی ہیں، اس لیے اُن کی بیان کی ہوئی ہر روایت پر اعتماد نہیں کیا جا سکتا، دراصل اس تفسیر سے ان کا مقصد یہ تھا کہ تفسیر قرآن کے بارے میں جس قدر روایات انہیں دستیاب ہوسکیں اُن سب کو جمع کر دیا جائے، تاکہ اس جمع شدہ مواد سے کام لیا جا سکے، البتہ انہوں نے ہر روایت کے ساتھ اس کی سند بھی ذکر کی ہے، تاکہ جو شخص چاہے راویوں کی تحقیق کر کے روایت کے صحیح یا غلط ہونے کا فیصلہ کر سکے۔

تفسیر ابن کثیر کا مختصر تعارف

یہ حافظ عماد الدین ابو الفداء اسماعیل بن کثیر دمشقی شافعی (متوفی ۷۷۴ھ) کی تصنیف ہے، جو آٹھویں صدی کے ممتاز اور محقق علماء میں سے ہیں، اُن کی تفسیر چار جلدوں میں شائع ہو چکی ہے، اس میں زیادہ زور تفسیری روایات پر دیا گیا ہے، اور خاص بات یہ ہے کہ مصنف روایتوں پر محدثانہ تنقید بھی کرتے ہیں، اور اس لحاظ سے یہ کتاب تمام کتب تفسیر میں ایک ممتاز مقام رکھتی ہے

Islahi groupe

Arshad raza, Lala, Sadiq WARSI, Shoeb, S...

دل اُن کے نزدیک راجح ہوتا ہے اسے دلائ

ہیں، اس لیے اُن کی بیان کی ہوئی ہر روایت
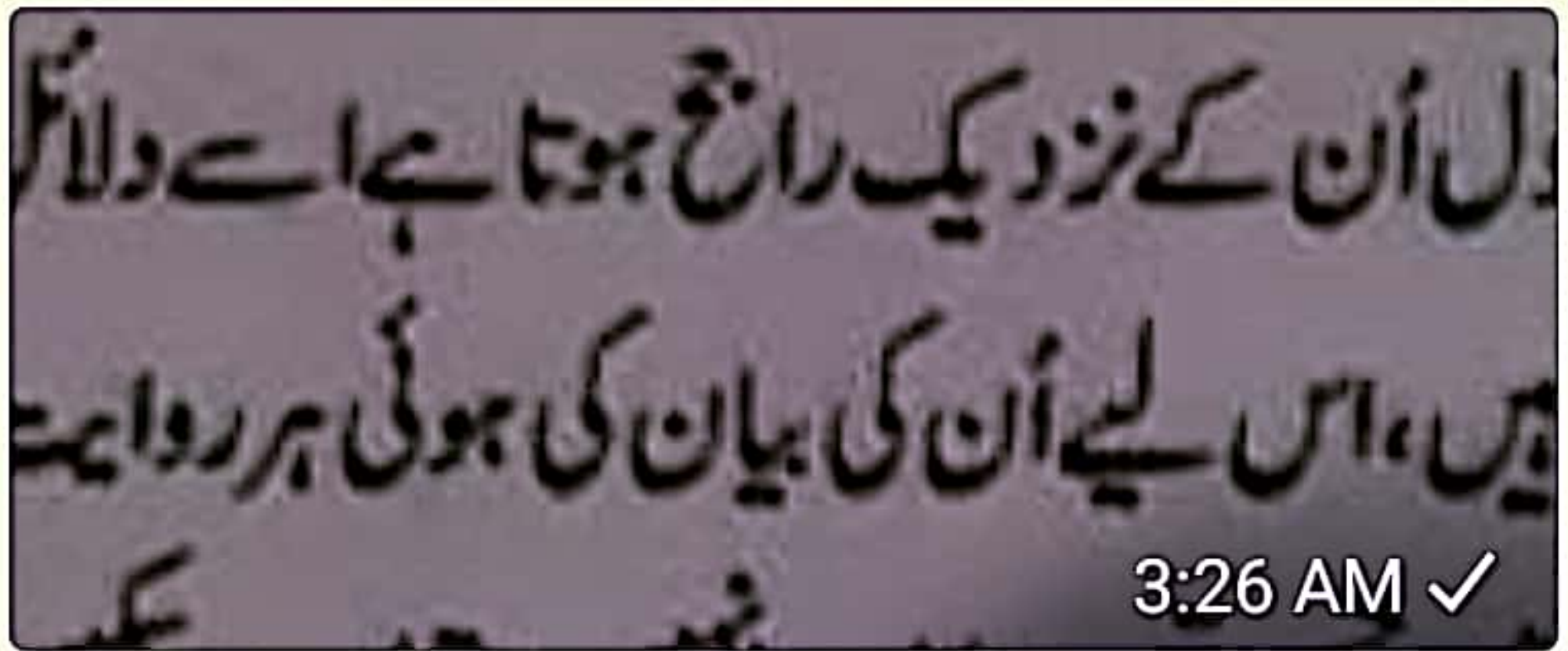
3:26 AM ✓

खुद आपका दि हुई दलील इसकी नफ़ी के लिए काफी है

3:28 AM ✓

+91 98791 51666

Janab aap samje hi nahi...etmad nahi kiya jaa saqta ...iska mtlb tehqeq...aur baad me yahi matan ki riwayt mile gii to ...is ko sath gina jaega...ye matlb hai is ka...aur rahi baat siyat.ki to nahi hai ye ...Ehle sunnat k jalil ul kadar olma hai ...ye jaan le pehle aap

3:30 AM

> +91 98791 51666
>
> Janab aap samje hi nahi...etmad nahi kiya jaa saqta ...iska mtlb tehqeq...aur baad me yahi matan ki riwayt mile gii to ...

जो रिवायत तवतुर तक नही पहुंचती वो दलील
क़तई में शामिल नही होती आपको इतना भी न

Islahi groupe

Arshad raza, Lala, Sadiq WARSI, Shoeb, S...

> **+91 98791 51666**
> Janab aap samje hi nahi...etmad nahi kiya jaa saqta ...iska mtlb tehqeq...aur baad me yahi matan ki riwayt mile gii to ...

जो रिवायत तवतुर तक नही पहुंचती वो दलील ए क़तई में शामिल नही होती आपको इतना भी नही मालूम है।

हदीस का सही साबित हो जाना काफी नही बल्कि तवतुर तक पहुंचना उसे दलील के क़तई बनाता है

3:32 AM ✓

+91 98791 51666 ~Bad Boy💋💋

ابن ابی حاتم اور ابن مردویہ نے ابو سعید الخدری سے روایت کیا ہے فرماتے
تو رسول اللہ ﷺ نے اپنی بیٹی فاطمہ رضی اللہ عنہا کو بلایا اور انہیں فدک کا
اللہ نے حضرت ابن عباس رضی اللہ عنہما سے روایت کیا ہے فرماتے ہیں: ج
ل اللہ ﷺ نے حضرت فاطمۃ الزہراء رضی اللہ عنہ کو فدک کی زمین عطا فرما
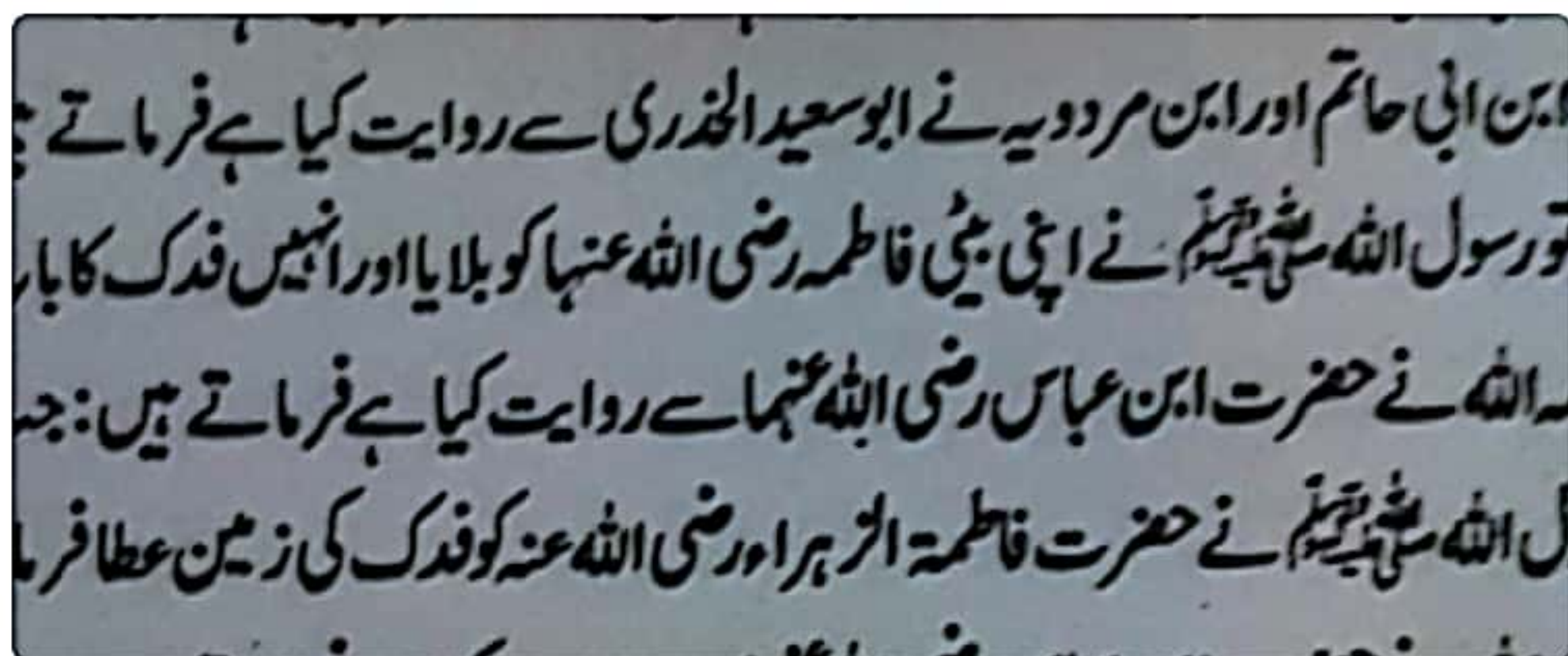
Tafseer door e mansoor ...zild 4 page 467...

3:33 AM

Islahi groupe

Arshad raza, Lala, Sadiq WARSI, Shoeb, S...

> +91 98791 51666
> Janab aap samje hi nahi...etmad nahi kiya jaa saqta ...iska mtlb tehqeq...aur baad me yahi matan ki riwayt mile gii to ...

और अहले सुन्नत के ओलमा होने ही में इख़्तिलाफ़ है बाज़ उन्हें शिया मानते है जिसकी दलील खुद शिया कुतुब में मौजूद है 3:33 AM ✓

+91 98791 51666 ~Bad Boy💋💋

تفسیر درِ منثور

جلد چہارم

تالیف

امام جلال الدین عبدالرحمٰن بن ابی بکر السیوطی

ترجمہ متن قرآن

ضیاء الامت پیر محمد کرم شاہ الازہری
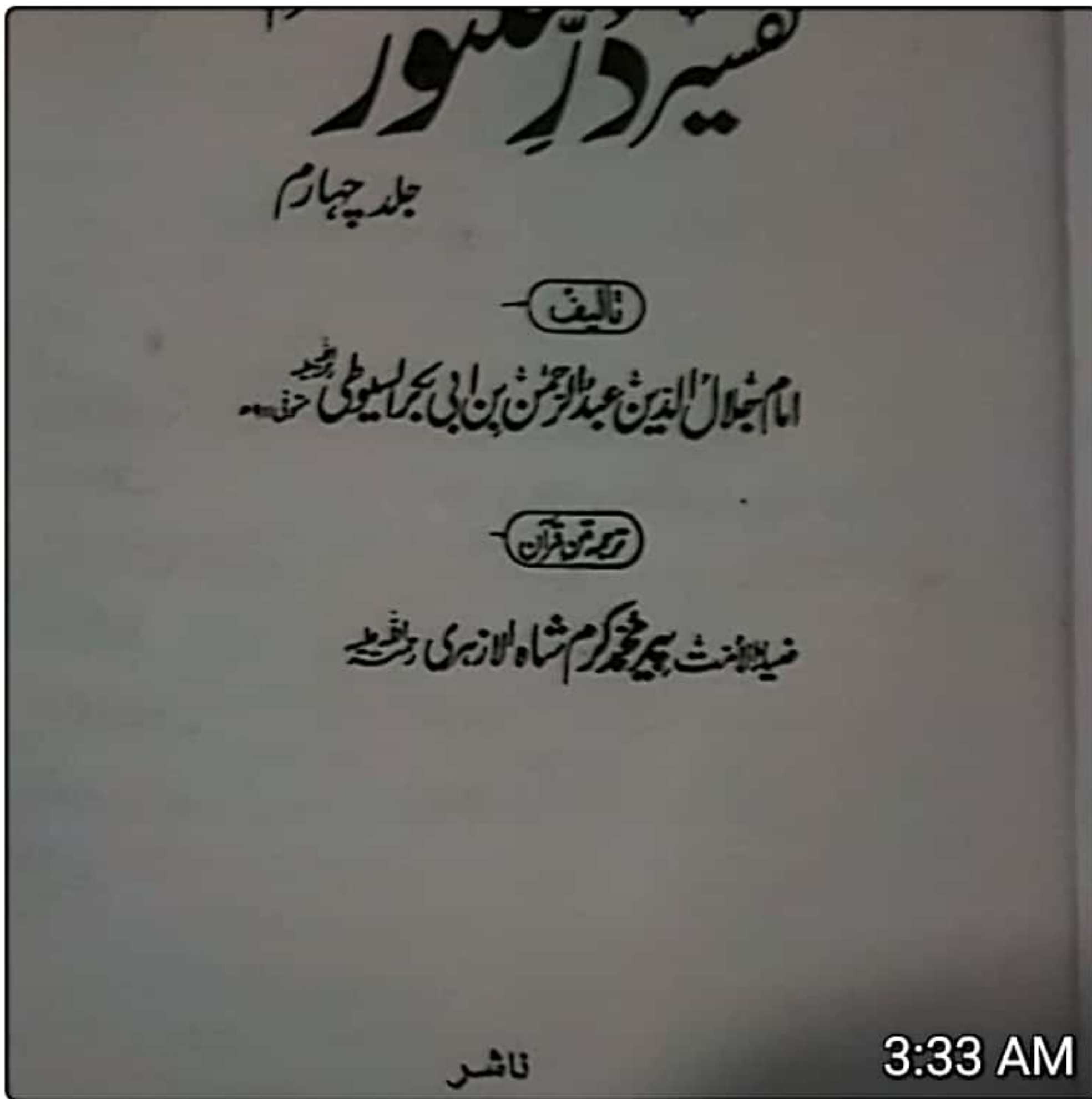
ناشر

3:33 AM

Islahi groupe
Arshad raza, Lala, Sadiq WARSI, Shoeb, S...

> +91 98791 51666
> Tafseer door e mansoor ...zild 4 page 467...
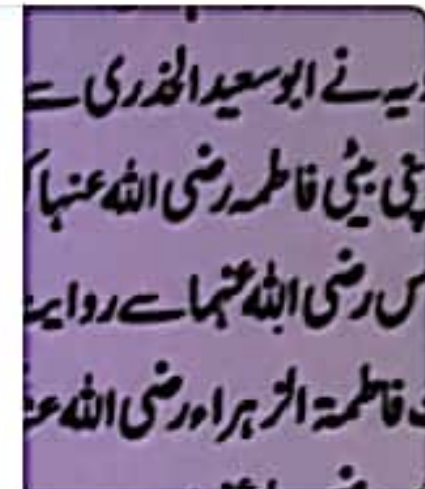
आपको यही इल्म नही नासे क़ुरानी की नफ़ी के लिए नस्से क़ुरानी पेश की जाती है कोई हदीस नस्से क़ुरानी को क़ता नही करती
3:35 AM ✓

+91 98791 51666 ~Bad Boy💋💋
Us ilzam ko thukra diya...gaya hai
3:35 AM

Janab ye mere ghar ka to hai nahi...jo mai add karu ...
3:36 AM

> +91 98791 51666
> Janab ye mere ghar ka to hai nahi...jo mai add karu ...

उसपर जिरह व तादील क़ायम है
3:36 AM ✓

Islahi groupe

Arshad raza, Lala, Sadiq WARSI, Shoeb, S...

उसूलन आपको जिरह ए उसूल मालूम होना चाहिए जब नस्से क़ुरानी पेश की जाए तो कोई हदीस नस्से क़ुरानी का रद्द नही कर सकती क्योंकि क़ुरआन का हुक़्म पहले है और जिस हादीस पर साख़्त जिरह क़ायम हो वो तो क़ुरआन ए मजीद को किसी भी सूरत में कता नही कर सकती

3:38 AM ✓

+91 98791 51666 ~Bad Boy

You

और हुज़ूर अलैहिस्सलातो व अस्सलाम ने कभी शरीयत की मुखालिफत नहीं कि फिर वो क़ुरआन की मुखालिफत कैसे करेंगे देखो क़ुरआन मजीद ने क्या ...

???....kal insha allah ...

3:44 AM

Bibi s.a kya Fadaq lene Gaee the ...abu bakr k pass..?

12:46 PM

जब इनके सारे रास्ते बंद हो गए तो फिर वापस ये फ़िदक पर आगए जबकि क़ुरआन मजीद से में उसका जवाब दे चुका था। लेकिन ये क़ुरआन पर हदीस को हुज्जत बनाने पर अड़े रहे। और फिर इनका असली राफ़ज़ी (शिया) होना ज़ाहिर हुवा। इन्होंने क़ुरआन को न मानते हुवे अपने क़यास पर हज़रत सिद्दीक़ अकबर रदियल्लाहो तआला अनहों को बुरा कहना शुरू कर दिया।

Islahi groupe
Arshad raza, Lala, Sadiq WARSI, Shoeb, S...

+91 98791 51666
Bibi s.a kya Fadaq lene Gaee the ...abu bakr k pass..?

Pahle hi kah chuka hu Topic change na karo me Khalt Mabhas na ho isi liye kaha tha ki Beja baate beech me n Lao
1:35 PM ✓

Ab Jab baad se Daleel de Chuka to fizool us baat par Bahas karna bekar ha8
1:35 PM ✓

+91 98791 51666
Photo
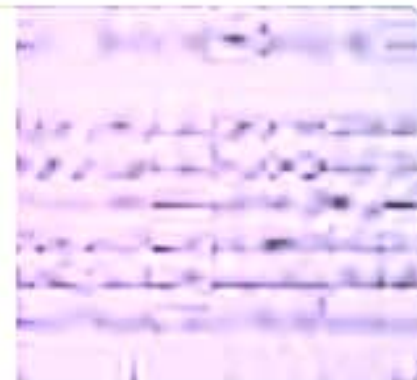
यही हदीस सही बुखारी शरीफ में 6581 पर मौजूद है इस हदीस के मिस्दाक वो लोग है जो हुज़ूर अलैहिस्सलाम के पर्दा ए ज़ाहिरी फर्माने के बाद इस्लाम छोड़ कर यहूदीयत अपना चुके इस हदीस की तफसीर खुद मुसनद अहमद की वो हदीस फरमा रही है जिसमे उन लोगो का ज़िक्र है कि हौज़ के पास कुछ लोग लाये जाएंगे जिन्के सरो पर चादर होगी में कहूंगा ये मेरे साथी है हुक़्म होगा कि ये वो लोग है जिन्होंने आपके बाद नई चीज इजाद करली थी इसी की अगली हादीस

Islahi groupe

Arshad raza, Lala, Sadiq WARSI, Shoeb, S...

है कि हौज़ के पास कुछ लोग लाये जाएंगे जिन्के सरो पर चादर होगी में कहूंगा ये मेरे साथी है हुक़्म होगा कि ये वो लोग है जिन्होंने आपके बाद नई चीज इजाद करली थी इसी की अगली हादीस में ज़िक्र है वो वो यहूदी थे जिन्होंने यहूदियत इख़्तियार कर ली थी

1:43 PM ✓

٦٥٨٧۔ حَدَّثَنَا إِبْرَاهِيمُ بْنُ الْمُنْذِرِ الْحِزَامِيُّ حَدَّثَنَا مُحَمَّدُ بْنُ فُلَيْحٍ حَدَّثَنَا أَبِي قَالَ حَدَّثَنِي هِلَالُ بْنُ عَلِيٍّ عَنْ عَطَاءِ بْنِ يَسَارٍ عَنْ أَبِي هُرَيْرَةَ عَنِ النَّبِيِّ ﷺ قَالَ بَيْنَا أَنَا قَائِمٌ إِذَا زُمْرَةٌ حَتَّى إِذَا عَرَفْتُهُمْ خَرَجَ رَجُلٌ مِنْ بَيْنِي وَبَيْنِهِمْ فَقَالَ هَلُمَّ فَقُلْتُ أَيْنَ قَالَ إِلَى النَّارِ وَاللَّهِ قُلْتُ وَمَا شَأْنُهُمْ قَالَ إِنَّهُمُ ارْتَدُّوا بَعْدَكَ عَلَى أَدْبَارِهِمُ الْقَهْقَرَى ثُمَّ إِذَا زُمْرَةٌ حَتَّى إِذَا عَرَفْتُهُمْ خَرَجَ رَجُلٌ مِنْ بَيْنِي وَبَيْنِهِمْ فَقَالَ هَلُمَّ قُلْتُ أَيْنَ قَالَ إِلَى النَّارِ وَاللَّهِ قُلْتُ مَا شَأْنُهُمْ قَالَ إِنَّهُمُ ارْتَدُّوا بَعْدَكَ عَلَى أَدْبَارِهِمُ الْقَهْقَرَى فَلَا أُرَاهُ يَخْلُصُ مِنْهُمْ إِلَّا مِثْلُ هَمَلِ النَّعَمِ۔

امام بخاری اپنی سند کے ساتھ روایت کرتے ہیں: مجھے ابراہیم بن المنذر الحزامی نے حدیث بیان کی، انہوں نے کہا: ہمیں محمد بن فلیح نے حدیث بیان کی، انہوں نے کہا: ہمیں میرے والد نے حدیث بیان کی، انہوں نے کہا: مجھے ہلال بن علی نے حدیث بیان کی از عطاء بن یسار از حضرت ابوہریرہ رضی اللہ عنہ از نبی صلی اللہ علیہ وسلم آپ نے فرمایا: جس وقت میں حوض پر کھڑا ہوں گا، پس ایک گروہ میرے سامنے آئے گا حتیٰ کہ جب میں انہیں پہچان لوں گا تو اس گروہ میں سے ایک شخص (فرشتہ) میرے اور ان کے درمیان سے نکلے گا، پس (فرشتہ) کہے گا: آؤ، میں نے پوچھا: کہاں؟ وہ کہے گا: اللہ کی قسم! دوزخ کی طرف۔ میں کہوں گا: ان کا کیا جرم ہے؟ وہ کہے گا: یہ آپ کے بعد اپنی پیٹھوں کے بل مرتد ہو کر الٹے پیر دین سے لوٹ گئے تھے۔ پھر ایک اور گروہ کو میں دیکھوں گا حتیٰ کہ جب میں ان کو پہچانوں گا تو ایک شخص (فرشتہ) میرے اور ان کے درمیان سے نکلے گا، پس (فرشتہ) کہے گا: ادھر آؤ، میں پوچھوں گا کہ کہاں؟ وہ کہے گا: اللہ کی قسم! دوزخ کی طرف۔ میں پوچھوں گا: ان کا کیا جرم ہے؟ وہ کہے گا: یہ آپ کے بعد اپنی پیٹھوں کے بل دین سے واپس لوٹ گئے تھے۔ میں سمجھتا ہوں کہ ان میں سے کوئی ایک مرد بھی نہیں بچے گا مگر بے کار اونٹوں کی طرح۔

1:50 PM ✓

ये रही सही बुखारी शरीफ की हदीस जहाँ साफ वारिद है वो दीन ए इस्लाम छोड़ चुके होंगे

1:50 PM ✓

Islahi groupe

Arshad raza, Lala, Sadiq WARSI, Shoeb, S...

ये रही सही बुखारी शरीफ की हदीस जहाँ साफ वारिद है वो दीन ए इस्लाम छोड़ चुके होंगे

1:50 PM ✓

٦٥٨٥ـ وَقَالَ أَحْمَدُ بْنُ شَبِيبِ بْنِ سَعِيدٍ الْحَبَطِيُّ حَدَّثَنَا أَبِي عَنْ يُونُسَ عَنِ ابْنِ شِهَابٍ عَنْ سَعِيدِ بْنِ الْمُسَيَّبِ عَنْ أَبِي هُرَيْرَةَ أَنَّهُ كَانَ يُحَدِّثُ أَنَّ رَسُولَ اللهِ ﷺ قَالَ يَرِدُ عَلَيَّ يَوْمَ الْقِيَامَةِ رَهْطٌ مِنْ أَصْحَابِي فَيُحَلَّئُونَ عَنِ الْحَوْضِ فَأَقُولُ يَا رَبِّ أَصْحَابِي فَيَقُولُ إِنَّكَ لَا عِلْمَ لَكَ بِمَا أَحْدَثُوا بَعْدَكَ إِنَّهُمُ ارْتَدُّوا عَلَى أَدْبَارِهِمُ الْقَهْقَرَى۔

اور احمد بن شبیب بن سعید الحبطی نے کہا: ہمیں میرے والد نے حدیث بیان کی از یونس از ابن شہاب از سعید بن المسیب از حضرت ابوہریرہ رضی اللہ عنہ، وہ حدیث بیان کرتے ہیں کہ رسول اللہ ﷺ نے فرمایا: قیامت کے دن میرے پاس میرے اصحاب میں سے ایک جماعت آئے گی، سو ان کو حوض سے دور کیا جائے گا، پس میں کہوں گا: اے میرے رب! (یہ) میرے اصحاب ہیں۔ پس اللہ تعالیٰ فرمائے گا: بے شک آپ کو (از خود) علم نہیں ہے کہ انہوں نے آپ کے بعد دین میں کیا نئی باتیں نکالی تھیں، یہ لوگ اپنی پیٹھوں کے بل الٹے پیر دین سے پلٹ گئے تھے۔

सही बुखारी शरीफ में उनका नाम सवान ज़िक्र किया गया ये वो जमाअत है जो यहूदी हो गयी थी।

1:53 PM ✓

+91 98791 51666 ~Bad Boy💋💋

اللهِ ﷺ إِلَى الْمَقْبَرَةِ فَسَلَّمَ عَلَى أَهْلِهَا قَالَ: ((سَلَامٌ عَلَيْكُمْ دَارَ قَوْمٍ مُؤْمِنِينَ، وَإِنَّا إِنْ شَاءَ اللهُ بِكُمْ لَاحِقُونَ، وَدِدْتُ أَنَّا قَدْ رَأَيْنَا إِخْوَانَنَا۔)) قَالُوا: أَوَ لَسْنَا إِخْوَانَكَ يَا رَسُولَ اللهِ!؟ قَالَ: ((بَلْ أَنْتُمْ أَصْحَابِي وَإِخْوَانِي الَّذِينَ لَمْ يَأْتُوا بَعْدُ وَأَنَا فَرَطُكُمْ عَلَى الْحَوْضِ۔)) قَالُوا: وَكَيْفَ تَعْرِفُ مَنْ لَمْ يَأْتِ مِنْ أُمَّتِكَ يَا رَسُولَ اللهِ!؟ قَالَ: ((أَرَأَيْتَ لَوْ أَنَّ رَجُلًا لَهُ خَيْلٌ غُرٌّ مُحَجَّلَةٌ بَيْنَ ظَهْرَيْ خَيْلٍ دُهْمٍ بُهْمٍ أَلَا يَعْرِفُ خَيْلَهُ؟)) قَالُوا: بَلَى يَا رَسُولَ اللهِ! قَالَ: ((فَإِنَّهُمْ يَأْتُونَ غُرًّا مُحَجَّلِينَ مِنَ الْوُضُوءِ، يَقُولُهَا ثَلَاثًا وَأَنَا فَرَطُكُمْ عَلَى الْحَوْضِ، أَلَا لَيُذَادَنَّ رِجَالٌ عَنْ حَوْضِي

قبرستان کی طرف تشریف لے گئے اور آپ ﷺ نے اہل قبرستان کو سلام کرتے ہوئے فرمایا: "سَلَامٌ عَلَيْكُمْ دَارَ قَوْمٍ مُؤْمِنِينَ، وَإِنَّا إِنْ شَاءَ اللهُ بِكُمْ لَاحِقُونَ" (تم پر سلامتی ہو، مومن لوگوں کے گھر والو! ہم بھی ان شاء اللہ تم سے ملنے والے ہیں۔) میں چاہتا ہوں کہ اپنے بھائیوں کو دیکھ لیتا۔" یہ سن کر صحابہ کرام رضی اللہ عنہم نے کہا: اے اللہ کے رسول! کیا ہم آپ کے بھائی نہیں ہیں؟ آپ ﷺ نے فرمایا: "تم تو میرے صحابہ ہو، میرے بھائی وہ ہیں جو ابھی تک نہیں آئے اور میں حوض پر تمہارا پیش رو ہوں گا، (یعنی تم سے پہلے جا کر تمہارا انتظار کروں گا)۔ صحابہ کرام رضی اللہ عنہم نے پوچھا: اے اللہ کے رسول! آپ کی امت کے جو لوگ ابھی تک نہیں آئے، آپ انہیں کیسے پہچانیں گے؟ آپ ﷺ نے فرمایا: "اس کے بارے میں تمہارا کیا خیال ہے کہ اگر کسی آدمی کا ایسا گھوڑا ہو، جس کی ٹانگوں اور پیشانی پر سفیدی ہو اور وہ کالے سیاہ گھوڑوں کے اندر ہو، تو کیا وہ آدمی اپنے گھوڑے

Islahi groupe

Arshad raza, Lala, Sadiq WARSI, Shoeb, S...

+91 98791 51666 ~Bad Boy💋💋

اللّٰہِ ﷺ اِلَی الْمَقْبَرَۃِ فَسَلَّمَ عَلٰی اَھْلِھَا قَالَ: ((سَلَامٌ عَلَیْکُمْ دَارَ قَوْمٍ مُّؤْمِنِیْنَ، وَاِنَّا اِنْ شَاءَ اللّٰہُ بِکُمْ لَاحِقُوْنَ، وَدِدْتُ اَنَّا قَدْ رَاَیْنَا اِخْوَانَنَا۔)) قَالُوْا: اَوَ لَسْنَا اِخْوَانَكَ یَارَسُوْلَ اللّٰہِ!؟ قَالَ: ((بَلْ اَنْتُمْ اَصْحَابِیْ وَاِخْوَانِی الَّذِیْنَ لَمْ یَاْتُوْا بَعْدُ وَاَنَا فَرَطُکُمْ عَلَی الْحَوْضِ۔)) قَالُوْا: وَکَیْفَ تَعْرِفُ مَنْ لَمْ یَاْتِ مِنْ اُمَّتِكَ یَارَسُوْلَ اللّٰہِ!؟ قَالَ: ((اَرَاَیْتَ لَوْ اَنَّ رَجُلًا لَہُ خَیْلٌ غُرٌّ مُحَجَّلَۃٌ بَیْنَ ظَھْرَیْ خَیْلٍ دُھْمٍ بُھْمٍ اَلَا یَعْرِفُ خَیْلَہُ؟)) قَالُوْا: بَلٰی یَارَسُوْلَ اللّٰہِ! قَالَ: ((فَاِنَّھُمْ یَاْتُوْنَ غُرًّا مُحَجَّلِیْنَ مِنَ الْوُضُوْءِ، یَقُوْلُھَا ثَلَاثًا وَاَنَا فَرَطُکُمْ عَلَی الْحَوْضِ، اَلَا لَیُذَادَنَّ رِجَالٌ عَنْ حَوْضِیْ کَمَا یُذَادُ الْبَعِیْرُ الضَّالُّ، اُنَادِیْھِمْ: اَلَا ھَلُمَّ، اَلَا ھَلُمَّ، فَیُقَالُ: اِنَّھُمْ قَدْ بَدَّلُوْا بَعْدَكَ فَاَقُوْلُ: سُحْقًا سُحْقًا۔)) (مسند احمد: ۹۲۸۱)

قبرستان کی طرف تشریف لے گئے اور آپ ﷺ نے اہل قبرستان کو سلام کرتے ہوئے فرمایا: ''سَلَامٌ عَلَیْکُمْ دَارَ قَوْمٍ مُّؤْمِنِیْنَ، وَاِنَّا اِنْ شَاءَ اللّٰہُ بِکُمْ لَاحِقُوْنَ'' (تم پر سلامتی ہو، مومن لوگوں کے گھر والو! ہم بھی ان شاء اللہ تم سے ملنے والے ہیں۔) میں چاہتا ہوں کہ اپنے بھائیوں کو دیکھ لیتا۔'' یہ سن کر صحابہ کرام رضی اللہ عنہم نے کہا: اے اللہ کے رسول! کیا ہم آپ کے بھائی نہیں ہیں؟ آپ ﷺ نے فرمایا: ''تم تو میرے صحابہ ہو، میرے بھائی وہ ہیں جو ابھی تک نہیں آئے اور میں حوض پر تمہارا پیش رو ہوں گا، (یعنی تم سے پہلے جا کر تمہارا انتظار کروں گا)۔ صحابہ کرام رضی اللہ عنہم نے پوچھا: اے اللہ کے رسول! آپ کی امت کے جو لوگ ابھی تک نہیں آئے، آپ انہیں کیسے پہچانیں گے؟ آپ ﷺ نے فرمایا: ''اس کے بارے میں تمہارا کیا خیال ہے کہ اگر کسی آدمی کا ایسا گھوڑا ہو، جس کی ٹانگوں اور پیشانی پر سفیدی ہو اور وہ کالے سیاہ گھوڑوں کے اندر ہو، تو کیا وہ آدمی اپنے گھوڑے کو پہچان لے گا؟'' صحابہ کرام رضی اللہ عنہم نے کہا: کیوں نہیں، اے اللہ کے رسول! آپ ﷺ نے فرمایا: ''میری امت کے لوگ جب آئیں گے تو وضو کی وجہ سے ان کے چہرے اور ہاتھ پاؤں چمک رہے ہوں گے، آپ ﷺ نے یہ جملہ تین دفعہ دوہرایا، اور میں تم سے پہلے حوض پر جا کر تمہارا انتظار کروں گا۔ خبردار!

1:57 PM

+91 98791 51666 ~Bad Boy💋💋

(۱۳۱٤۱)۔ وَعَنْ اَنَسِ بْنِ مَالِكٍ رضی اللہ عنہ قَالَ: قَالَ رَسُوْلُ اللّٰہِ ﷺ: ((لَیَرِدَنَّ عَلَی الْحَوْضِ رَجُلَانِ مِمَّنْ قَدْ صَحِبَنِیْ فَاِذَا رَاَیْتُھُمَا رُفِعَا لِیْ اُخْتُلِجَا دُوْنِیْ۔)) (مسند احمد: ۱۲٤٤۵)

سیدنا انس بن مالک رضی اللہ عنہ سے روایت ہے کہ رسول اللہ ﷺ نے فرمایا: ''میری صحبت کا شرف حاصل کرنے والوں میں سے دو آدمی حوض پر میری طرف آئیں گے، جب میں ان کو آتے دیکھوں گا تو ان کو میری طرف آنے سے روک دیا جائے گا۔''

فوائد: ...... صحیح بخاری (۶۵۸۲) اور صحیح مسلم (۲۳۰۴) میں یہ حدیث ان الفاظ کے ساتھ مروی ہے: ((لَیَرِدَنَّ الْحَوْضَ عَلَیَّ رِجَالٌ، حَتّٰی اِذَا رَاَیْتُھُمْ رُفِعُوْا اِلَیَّ، فَاخْتُلِجُوْا دُوْنِیْ، فَلَاَقُوْلَنَّ: یَا رَبِّ، اَصْحَابِیْ اَصْحَابِیْ، فَیُقَالُ: اِنَّكَ لَا تَدْرِیْ مَا اَحْدَثُوْا بَعْدَكَ)) (وَاللَّفْظُ لِلْمُسْنَدِ: ۱۳۹۹۱) ...... ''کچھ لوگ حوض پر میرے پاس آئیں گے، یہاں تک کہ جب میں ان کو دیکھ لوں گا تو ان کو مجھ سے روک لیا جائے گا، میں کہوں گا: اے میرے رب! میرے ساتھی، میرے ساتھی، پس مجھ سے کہا جائے گا: تو نہیں جانتا کہ انھوں نے تیرے بعد کون کون سے نئے امور ایجاد کر لیے تھے۔''

(۱۳۱٤۲)۔ وَعَنْ جَابِرِ بْنِ عَبْدِاللّٰہِ رضی اللہ عنہ اَنَّہُ سَمِعَ النَّبِیَّ ﷺ یَقُوْلُ: ((اَنَا فَرَطُکُمْ بَیْنَ

سیدنا جابر بن عبد اللہ رضی اللہ عنہ سے روایت ہے، رسول اللہ ﷺ نے فرمایا: ''میں تمہارا پیش رو ہوں گا، جب تم مجھے کسی اور جگہ نہ

Islahi groupe

Arshad raza, Lala, Sadiq WARSI, Shoeb, S...

+91 98791 51666 ~Bad Boy

اُردو زبان میں اپنی نوعیت کی منفرد اور اولین کاوش

الفتح الربانی

فقہی ترتیب

مسند امام احمد بن حنبل

1:57 PM
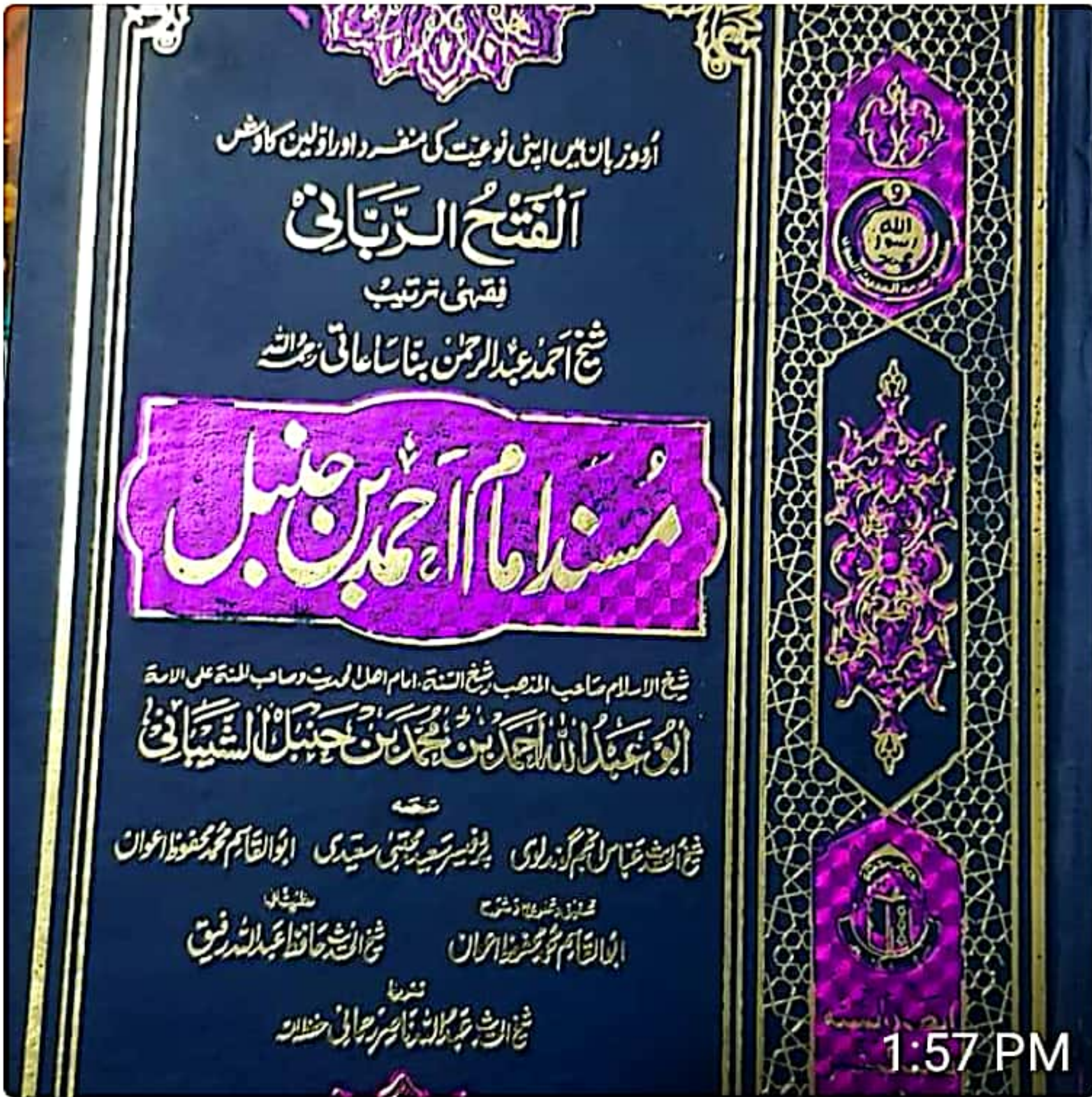
Deen kaise badla samj aaya janab app ko....abu bakr tab inteqal kiya ...un ki biwi nee gusal diya...?

1:59 PM

Bibi s.a ko juthlaya ..wahi end hota hai janab..?...par aap ko MOHABBAT hai abu bakr se

2:01 PM

Bibi s.a ko juthlane wala khud khud ka thikana jahanu. Me bana chuka hai

2:02 PM

Islahi groupe

Arshad raza, Lala, Sadiq WARSI, Shoeb, S...
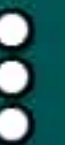
> +91 98791 51666
> Photo

इसकी दलील में दे चुका हदीस की तफसील सबसे पहले तफसील बिल क़ुरआन व तफसील बिल हदीस आती है जो में पेश कर कगुक

2:02 PM ✓

कर चुका 2:03 PM ✓

> +91 98791 51666
> Bibi s.a ko juthlaya ..wahi end hota hai janab..?...par aap ko MOHABBAT hai abu bakr se

इसका जवाब क़ुरआन से दे चुका 2:03 PM ✓

+91 98791 51666 ~Bad Boy💋💋

Yani aap k hisab se Bibi s.a ne fadaq manga hi nahi hai

2:03 PM

क़ुरआन का फरमान है उस पर अमल करना झुठलाना नही होता अगर होता तो कोई मोमिन ही नही बचेगा

2:04 PM ✓

Islahi groupe

Arshad raza, Lala, Sadiq WARSI, Shoeb, S...

+91 98791 51666 ~Bad Boy💋💋

?

2:04 PM

> +91 98791 51666
> Yani aap k hisab se Bibi s.a ne fadaq manga hi nahi hai

खलत ए मबहस से कोई फायदा नही 2:04 PM ✓

+91 98791 51666 ~Bad Boy💋💋

> You
> क़ुरआन का फरमान है उस पर अमल करना झुठलाना नही होता अगर होता तो कोई मोमिन ही नही बचेगा

Aap ye keh rahe hai ki bibi s.a juth bole waha jaa kar ...ya in ko pata hi nahi is baare me ..(na auzobillah)

2:04 PM

आपकी तमाम दलीले क़यास और खुद साख्तगी पर मबनी है जो बेकार है 2:05 PM ✓

+91 98791 51666 ~Bad Boy💋💋

Qayas nahi janab ...lene gaee k nahi wo batana tha aap k

2:05 PM

Islahi groupe

Arshad raza, Lala, Sadiq WARSI, Shoeb, S...

Aap ne bibi s.a ko juthla diya 2:05 PM

मआज़ अल्लाह सिर्फ दावे है आपके पास वो भी झूठे 2:06 PM ✓

इल्ज़ाम आरायी से ज़्यादा आप कुछ साबित नही कर सकते 2:06 PM ✓

+91 98791 51666 ~Bad Boy💋💋

Itna thos to kisi ne aaj taq nahi kaha ki ...fadaq le ne hi nahi gaee bibi s.a

2:06 PM

Iljam pe to ye abu bakr hai 2:06 PM

> +91 98791 51666
> Itna thos to kisi ne aaj taq nahi kaha ki ...fadaq le ne hi nahi gaee bibi s.a

एक और झूठा इल्ज़ाम 2:06 PM ✓

+91 98791 51666 ~Bad Boy💋💋

Aap ne aap k hisab se jawab diya

2:06 PM

यहाँ इसने फिर झूठ बोला और बार बार झूठ बोले जा रहा था। ये इसके निफ़ाक़ की एक और दलील है क्योंकि रसूलुल्लह सलल्लाहु तआला अलैहि व सल्लम ने इर्शाद फरमाया है मफ़हूम ए हदीस मुनाफ़िक़ की 3 निशानी है जिसमे एक झूठ बोलना बताई है

Islahi groupe

Arshad raza, Lala, Sadiq WARSI, Shoeb, S...

+91 98791 51666 ~Bad Boy💋💋

Aap ne aap k hisab se jawab diya

2:06 PM

To aap hadeese khangale ...bibi ayesha se hi milegi

2:07 PM

Iljam nahi hai ...

2:07 PM

जवाब तो दिए ही नही आप दावा ही पेश नही कर पाए जवाब क्या दिया जाएगा

2:07 PM ✓

जब दावा ही नही

2:07 PM ✓

+91 98791 51666 ~Bad Boy💋💋

Aap ne apne aap se sab galat bata diya

2:07 PM

मेने तो बस उस झूठ को बे नकाब किया जो आपने लोगो में मनघडंत क़यास पर मबनी फेला रखे है

2:08 PM ✓

+91 98791 51666 ~Bad Boy💋💋

Pehle tabrani ki hadees ...khud keh rahe hai addulrehman sikkha hai

2:08 PM

Islahi groupe

Arshad raza, Lala, Sadiq WARSI, Shoeb, S...

Bole sand munqta hai 2:08 PM

> +91 98791 51666
> Pehle tabrani ki hadees ...khud keh rahe hai addulrehman sikkha hai

अब्दुल रहमान से जब रिवायात ही शुरू नही तो उनके सिका होने से क्या होता है 2:08 PM ✓

+91 98791 51666 ~Bad Boy💋💋

Tabrani sab mile nahi ravi se 2:08 PM

Hahahahha 2:09 PM

Aap samjna hi nahi chate 2:09 PM

> +91 98791 51666
> Pehle tabrani ki hadees ...khud keh rahe hai addulrehman sikkha hai

तबरानी पर जिरह पेश कर चुका जिसने आपके दावे को खाली साबित कर दिया 2:09 PM ✓

+91 98791 51666 ~Bad Boy💋💋

Abdul rehman auf ne walid se riwayt hai 2:09 PM

Islahi groupe

Arshad raza, Lala, Sadiq WARSI, Shoeb, S...

समझना आप ही नही चाहते 2:09 PM ✓

+91 98791 51666 ~Bad Boy💋💋

Janab gour kare pehle 2:09 PM

Fir aap ne tibri sab ko siya banaya 2:09 PM

3 दिन में आप अपना दावा दलील ए क़तई से पेश नही कर पाए 2:09 PM ✓

+91 98791 51666 ~Bad Boy💋💋

Fir massoodi ko juth laya 2:09 PM

जओ दलील दी सब मुनक़ता हो चुकी साबित यही हुवा की आप के पास कुछ नही सिवाए झूठ के 2:10 PM ✓

+91 98791 51666 ~Bad Boy💋💋

Insha allah jindagi rahi to aap ko aise aise hawale dunga ki aap khuood sochenge...aap ki tarah hi dunga...ki ye janab ko aisa bola gaya hai 2:10 PM

Islahi groupe

Arshad raza, Lala, Sadiq WARSI, Shoeb, S...

+91 98791 51666 ~Bad Boy💋💋

You
जओ दलील दी सब मुनक़ता हो चुकी साबित यही हुवा की आप के पास कुछ नही सिवाए झूठ के

Munqata hai aisa koe olma ne to kaha nahi 2:11 PM

Aap ka aur mera dimag hai 2:11 PM

अब आपको हदीस ए मुबारका से हज़रत अबू बकर सिद्दीक़ की की 2:11 PM ✓

+91 98791 51666
Munqata hai aisa koe olma ne to kaha nahi

मुनक़ता आपकी दलील है ठीक ससे पडीए

2:11 PM ✓

+91 98791 51666
📷 Photo
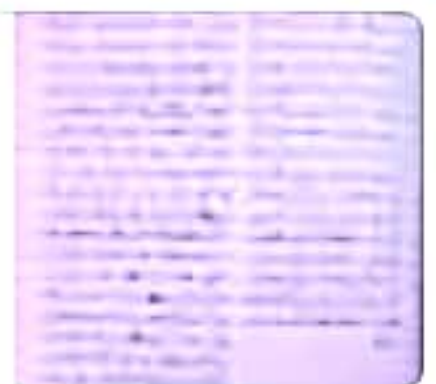
साहाबा हुज़ूर अलैहिस्सलाम के भाई नही क्योंकि रुतबा ए सहाबियात तमाम रिश्तों से अफ़ज़ल है इसी लिए कहा तुम तो सहाबी हो 2:13 PM

Islahi groupe

Arshad raza, Lala, Sadiq WARSI, Shoeb, S...

+91 98791 51666 ~Bad Boy💋💋

Nahi janab ravi sikkah se suru hai

2:13 PM

To abu bakr kon hai 2:14 PM

+91 98791 51666 ~Bad Boy💋💋

> +91 98791 51666
> Photo

Is me hai khas do   2:14 PM

> +91 98791 51666
> To abu bakr kon hai

बताता हूं अब बकर को है इंतज़ार कर

2:14 PM ✓

+91 98791 51666 ~Bad Boy💋💋

Intejar hi me hu 2:14 PM

Bibi s.a ko juthlane wala kon hai pata to chale 2:15 PM

Islahi groupe

Arshad raza, Lala, Sadiq WARSI, Shoeb, S...

> +91 98791 51666
> Intejar hi me hu

जिन्होंने आंखे बंद कर रखी हो वो इंतज़ार ही में रहेंगे 2:15 PM

जिनके नज़दीक़ क़ुरआन का हुक़्म काफी नही वो इंतज़ार ही ।के रहेंगे 2:15 PM

अब हदीस पेश करूँगा थोड़ा साबर करे 2:16 PM

+91 98791 51666 ~Bad Boy💋💋

Hahaha...nahi janab aankhe band thi abhi taq ...mere liye aik kam is janab ka inuf hai ...bibi s.a fadaq le ne gaee

2:16 PM

Aur ye bande n nahi diya.. 2:16 PM

> +91 98791 51666
> Aur ye bande n nahi diya..

फिर खलत ए मबहस 2:17 PM

Islahi groupe

Arshad raza, Lala, Sadiq WARSI, Shoeb, S...

+91 98791 51666 ~Bad Boy💋💋

Aap se pehle bhi kaee logo se is par baat ho chuki hai ...sab ne yahi aa kar end kiya ...bol diya last me jo bhi hai ...mai abu bakr ko nahi chodu

2:17 PM

आपको बार बार कह रहा हु आप अपना दावा तो दलील ए क़तई से साबित करो नही कर सके तीन दिन हो गए अब नया बहाना शुरू कर दिया

2:17 PM ✓

+91 98791 51666 ~Bad Boy💋💋

Wo sahi hai 2:17 PM

+91 98791 51666 ~Bad Boy💋💋

> You
> आपको बार बार कह रहा हु आप अपना दावा तो दलील ए क़तई से साबित करो नही कर सके तीन दिन हो गए अब नया बहाना शुरू कर दिया

Is se kafeer hi hai ki khatoon e Zannat ko juthlaya 2:18 PM

Par aap samj hi nahi rahe 2:18 PM

Islahi groupe

Arshad raza, Lala, Sadiq WARSI, Shoeb, S...

> **+91 98791 51666**
> Aap se pehle bhi kaee logo se is par baat ho chuki hai ...sab ne yahi aa kar end kiya ...bol diya last me jo bhi hai ...mai a...

जिसको रसूलुल्लह ने अपने साथ रखा ज़िन्दगी भर और आप के विसाल के बाद क़यामत तक साथ रहेंगे उसे मुनाफ़िक़ ही छोड़ेगा 2:18 PM ✓

+91 98791 51666 ~Bad Boy💋💋

Khud ki biwi se gusl diya samj nahi aaya aisa kaise 2:18 PM

Bibi s.a ko juthlana nasbiat hai janab ...quran aur Ahle bait hai quraan aur sahaba nahi 2:19 PM

Islahi groupe

Arshad raza, Lala, Sadiq WARSI, Shoeb, S...

+91 98791 51666

Bibi s.a ko juthlana nasbiat hai janab ...quran aur Ahle bait hai quraan aur sahaba nahi

जो मेरे और मेरे साहाबा के तरीके पर होगा मफ़हूम ए हदीस

और क़ुरआन और साहाबा भी है और अहले बैत भी मफ़हूम ए हदीस

2:20 PM ✓

+91 98791 51666 ~Bad Boy

You

जो मेरे और मेरे साहाबा के तरीके पर होगा मफ़हूम ए हदीस

...

Hahahaa....hadees hai mere baad Quraan aur Ahle bait agar thama to gumrah nahi ..kasti e nooh aur baba e hitta hai..

2:21 PM

Islahi groupe

Arshad raza, Lala, Sadiq WARSI, Shoeb, S...

Forwarded

Hazrat Abu Bakr Siddiq Ki Shafa'at Aur Imam Ja'far e Sadiq

Hazrat Imam Ja'far e Sadiq Radi'Allahu'Anhu Farmaya Karte Thay Ki Jiss Tarah Me Hazrat Ali Radi'Allahu'Anhu Se Shafa'at Ka Talabgaar Aur Um'meed Waar Hon **Usi Tarah Me Hazrat Abu Bakr Siddiq Radi'allah'anhu Se Bhi Shafa'at Ka Talabgaar Aur Um'meed Waar Hon** Subhan'Allah

Reference Book
Tazkiratul Huffaz
Vol **1** Page **126**
Scan Page

2:22 PM ✓

+91 98791 51666 ~Bad Boy

Ye bar bar kaha ...dekhna mere baad mere ahle bait se kya saluk karte ho

2:22 PM

Islahi groupe

Arshad raza, Lala, Sadiq WARSI, Shoeb, S...

Forwarded

كتاب

تذكرة الحفاظ

للإمام أبو عبد الله شمس الدين محمد الذهبي

المتوفى ٧٤٨هـ - ١٣٤٨م

صُحّح

عن النسخة القديمة المحفوظة في مكتبة الحرم المكي

تحت إعانة وزارة المعارف للحكومة العالية الهندية
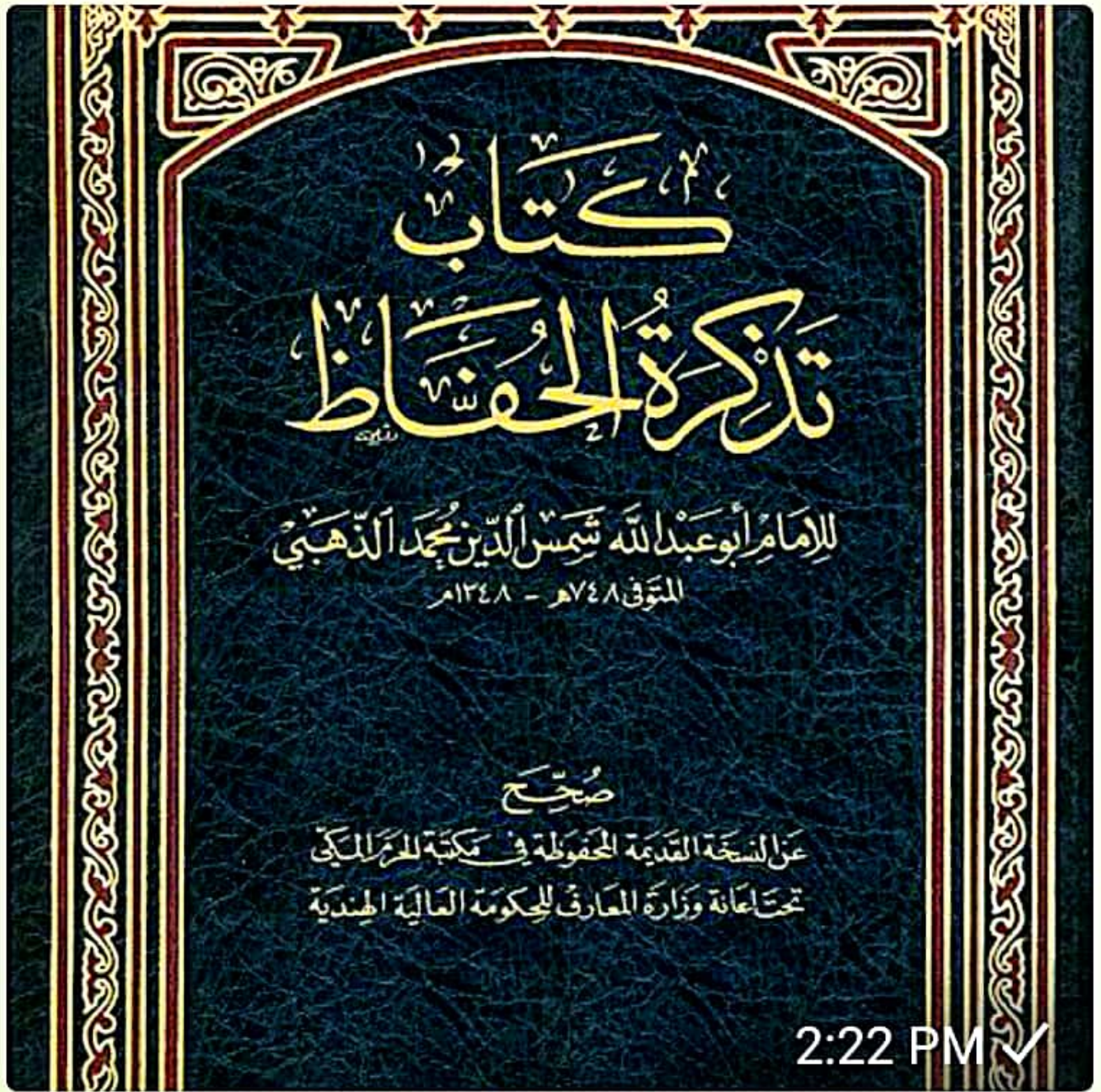
2:22 PM ✓

+91 98791 51666 ~Bad Boy

You

Hazrat Abu Bakr Siddiq Ki Shafa'at Aur Imam Ja'far e Sadiq

...

2:22 PM

Islahi groupe

Arshad raza, Lala, Sadiq WARSI, Shoeb, S...

 Forwarded

الطبقة الخامسة — BY ZEESHAN RIFAI LUCKNOW — ١٢٦

فالظاهر أنه رأى سهل بن سعد الساعدي وثقه الشافعي ويحيى بن معين. وعن أبي حنيفة
قال: ما رأيت أفقه من جعفر بن محمد، وقال أبو حاتم: ثقة لا يسئل عن مثله. وعن
صالح بن أبي الأسود سمعت جعفر بن محمد يقول: سلوني قبل أن تفقدوني فإنه لا
يحدثكم أحد بعدي بمثل حديثي. وقال هياج بن بسطام: كان جعفر الـ... يطعم حتى لا
يبقى لعياله شيء.

قلت: مناقب لهذا السيد جمة ومن أحسنها رواية. حفص بن غياث ...ه سمعه يقول:
ما أرجو من شفاعة علي شيئًا إلا وأنا أرجو من شفاعة أبي بكر مثله لقد ولدني مرتين. توفي
سنة ثمان وأربعين ومائة(١)، لم: يحتج به البخاري واحتج به سائر الأمة.
... من طريق القطيعي عن الكجي عن أبي عاصم عنه.

2:22 PM ✓

+91 98791 51666 ~Bad Boy💋💋

Bhaijan bibi s.a k janaje me jis ko ijajat nahi

2:23 PM

शियों की बुक से भी हज़रत अब बकर सिद्दीक़ से मुहब्बत ए अहले बैत

2:23 PM ✓

+91 98791 51666 ~Bad Boy💋💋

Jo nabi s.a .w k janaje me nahi

2:24 PM

Hum clear is par hote hai ...itna kafi hai

2:24 PM

Islahi groupe

Arshad raza, Lala, Sadiq WARSI, Shoeb, S...

Forwarded

Imam Ja'far e Sadiq Aur Shaykhain Se Muhabbat

By Shia Book

Hazrat Imam Ja'far e Sadiq
Al Mutawaffah 114 Hijri
Rehmatullahay'alaih

Hazrat Abu Bakr Siddiq Aur Hazrat Umar e Farooq Se Be Pana Muhabbat Karte Thay Aur Unki Qabr e Mubarak Par Jate Aur Jab Rasool Allah ﷺ Ke Roze Par Durood o Salaam Arz Karne Ke Baad Hazrat Abu Bakr Siddiq Aur Hazrat Umar Ki Bargah Me Bhi Salaam Arz Kiya Karte Thay

Subhan'Allah

Hawala Note

Shia Book
Sharah Nahjul Balaga
Jild 16 Safa 271

Scan Page

2:24 PM

Islahi groupe

Arshad raza, Lala, Sadiq WARSI, Shoeb, S...
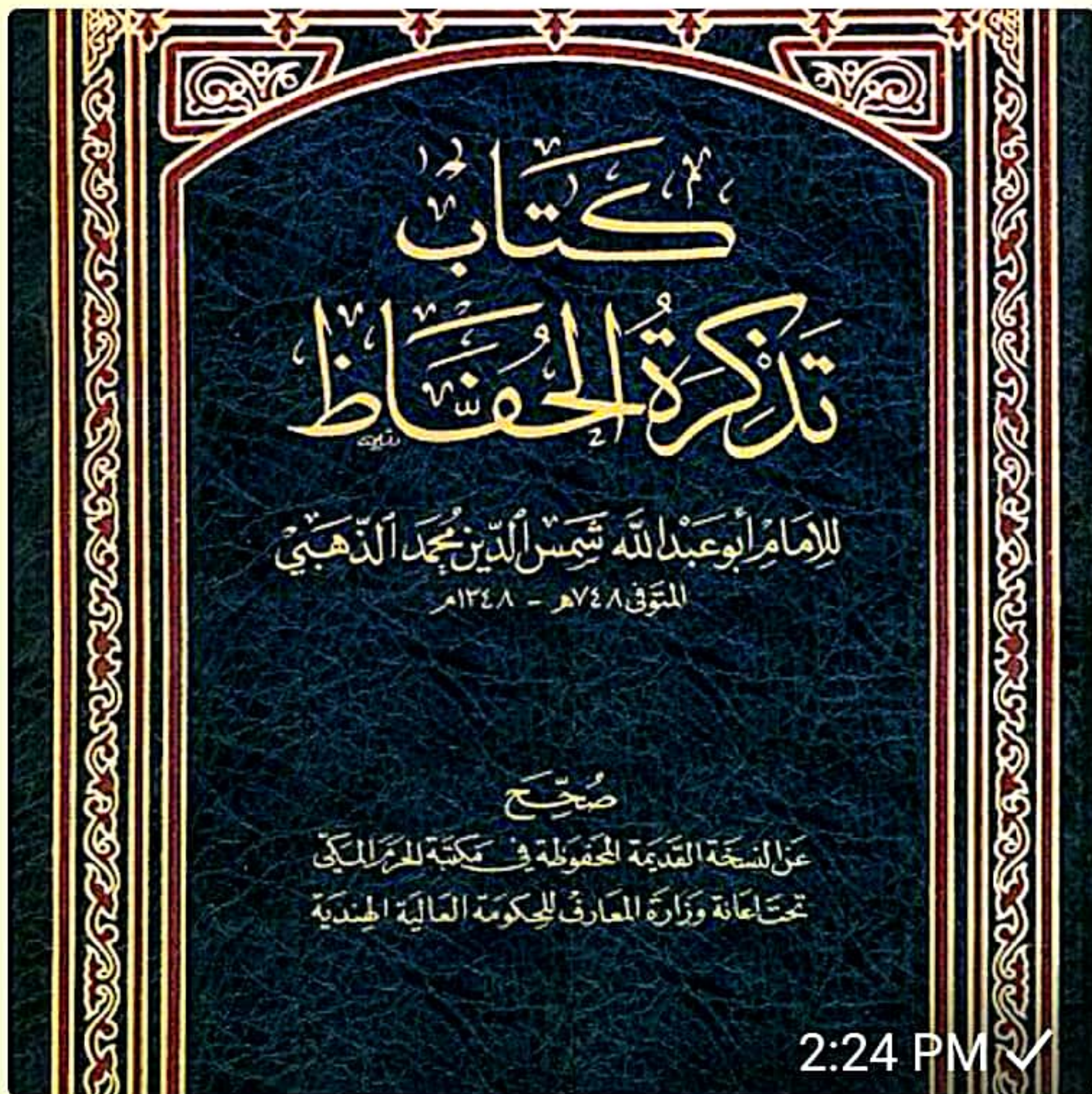
Forwarded

2:24 PM

+91 98791 51666 ~Bad Boy💋💋

You

शियों की बुक से भी हज़रत अब बकर सिद्दीक़ से मुहब्बत ए अहले बैत

Siya ki book mai sunga aap ko to abu bakr ko nahi sun paoge ...kya kya likha hai aap ko nahi pata

2:24 PM

Islahi groupe

Arshad raza, Lala, Sadiq WARSI, Shoeb, S...

 Forwarded

رسول الله صلى الله عليه وآله يدفنون بالنهار ويدفنون بالليل ، فما فى هـذا مما يطعن به ، بل الأقرب فى النساء أنّ دفنهنّ ليلا أستر وأولى بالسنة.

ثم حكى عن أبى علىّ تكذيبَ ما رُوِى من الضرب بالسوط ؛ قال : والمروىّ عن جعفر بن محمد عليه السلام أنه كان يتولّاهما ، ويأتى القبر فيسلم عليهما مع تسليمه على رسول الله صلى الله عليه وآله ، رَوَى ذلك عباد بن صُهيب ، وشعبة بن الحجاج ، ومهدىّ ابن هلال ، والدَّراوَرْدىّ ، وغيرهم ، وقد روى عن أبيه محمد بن علىّ عليه السلام وعن علىّ بن الحسين مثل ذلك ، فكيف يصحّ ما ادَّعَوْه ! وهل هذه الرواية إلا كروايتهم على ... طالب عليه السلام هو إسرافيل والحسن ميكائيل والحسين جبرائيل

2:24 PM ✓

+91 98791 51666 ~Bad Boy💋💋

To is ko chodo 2:24 PM

Aap siya ho ? 2:25 PM

आप तो हो जो लीबादा ए सुन्नियत ओढे हो

2:25 PM ✓

+91 98791 51666 ~Bad Boy💋💋

To mujse door hi rahe agar hai to

2:25 PM

Islahi groupe

Arshad raza, Lala, Sadiq WARSI, Shoeb, S...

+91 98791 51666 ~Bad Boy💋💋

You

आप तो हो जो लीबादा ए सुन्नियत ओढे हो

Hahahah...ye aap ne kaise keh diya janab ...bohtan laga diya aap ne

2:26 PM

Wo chodo ....janaje me hai kya abu bakr

2:26 PM

Bibi s.a k 2:26 PM

+91 98791 51666

Hahahah...ye aap ne kaise keh diya janab ...bohtan laga diya aap ne

जब से मुझ पर बोहतां बांध रहे वो हवा है

2:26 PM ✓

+91 98791 51666 ~Bad Boy💋💋

Aur HUZOOR S.A.W k 2:26 PM

? 2:26 PM

Islahi groupe

Arshad raza, Lala, Sadiq WARSI, Shoeb, S...

> **+91 98791 51666**
> Wo chodo ....janaje me hai kya abu bakr

जो जनाज़े में नही क्या वो सब काफिर है

2:26 PM ✓

+91 98791 51666 ~Bad Boy💋💋

Aap ne bola ki bibi s.a nahi gaee fadaq lene 2:26 PM

Hahahahaa 2:27 PM

> **+91 98791 51666**
> Aap ne bola ki bibi s.a nahi gaee fadaq lene

ये भी आपका झूठ है 2:27 PM ✓

+91 98791 51666 ~Bad Boy💋💋

Fir qabool karo ki lene gaee 2:27 PM

> **+91 98791 51666**
> Fir qabool karo ki lene gaee

आप क़ुबूल करो क़ुरआन में फ़ै' की तक़सीम का क्या हुक़्म है

2:27 PM

+91 98791 51666 ~Bad Boy💋💋

Aur waha se naraj wapis aaye s.a

2:27 PM

दलील क़ुरआन से दी तो पहले क़ुरआन को तो क़ुबूल करो 2:28 PM ✓

+91 98791 51666 ~Bad Boy💋💋

Maal fay qarabat daar aur miskeeno ..aur baki ka hai 2:28 PM

Jose RASOOL S.A.W de 2:28 PM

Jise 2:28 PM

मेरे नबी ने उसे उसी पर क़ायम रखा 2:28 PM ✓

था 2:28 PM ✓

+91 98791 51666 ~Bad Boy💋💋

Bibi s.a le ne gaee ..? Fadaq ? 2:28 PM

To aap ka mtlb bibi s.a juth bol kar mang rahe the? 2:29 PM

Islahi groupe
Arshad raza, Lala, Sadiq WARSI, Shoeb, S...

क़ुरआन में है उसके तक़सीम किस तरह करनी है
2:29 PM ✓

+91 98791 51666 ~Bad Boy💋💋
Abu bakr ..?
2:29 PM

> +91 98791 51666
> To aap ka mtlb bibi s.a juth bol kar mang rahe the?

मआज़ अल्लाह
2:29 PM ✓

क्या आप क़ुरआन से इत्तेफाक नही रखते
2:30 PM ✓

+91 98791 51666 ~Bad Boy💋💋
To aap k kehna kya hai janab ...ki bibi s.a gaee k nahi ?
2:30 PM

तो फिर बात ही बेकार है 2:30 PM ✓

+91 98791 51666 ~Bad Boy💋💋
Hahahaha
2:30 PM

फिर खलत ए मबहस 2:30 PM

Islahi groupe
Arshad raza, Lala, Sadiq WARSI, Shoeb, S...

+91 98791 51666 ~Bad Boy💋💋
Are baba mere se jyada bibi s.a quraan jante hai 2:30 PM

3 दिन में इसके अलावा कुछ नही आपके पास 2:30 PM ✓

+91 98791 51666 ~Bad Boy💋💋
Tabhi to bola mai ki bibi s.a gaee k nahi pehle wo batayee bhaija 2:30 PM

Is se kufr hi sabit karta hu 2:31 PM

Baki in ki bidate baad men 2:31 PM

क़यास पर कुफ्र साबित नही होता 2:31 PM ✓

+91 98791 51666 ~Bad Boy💋💋
Pehle clear jawab de ki bibi s.a gaee k nahi ? 2:31 PM

Qayash saitan ne kiya hai pehla deen me qayash nahi hai 2:31 PM

फिर टॉपिक से भाग रहे हो आप आपके पास दलील ही क़ायम नही कर पाए 2:32 PM ✓

Islahi groupe

Arshad raza, Lala, Sadiq WARSI, Shoeb, S...

+91 98791 51666 ~Bad Boy💋💋

Is liye aap thos jawab de ki bibi s.a is bande k pass gaee hai ya nahi fadaq lene ?n

2:32 PM

पहले दीं में क़ुरआन से है ना फैसला पहले क़ुरआन से किया जाता है तो फिर क़ुरआन पर क़यास कहा कर रहे हो

2:32 PM ✓

दलील क़ुरआन से दी वो भी मुतअद्दिद 4 आयतों से

2:33 PM ✓

+91 98791 51666 ~Bad Boy💋💋

Catch u bhai later on duty

2:33 PM

अब इसके दिफ़ा में आप आग़र हदीस पेश करेंगे तो वो जाईल है

2:33 PM ✓

बाग़ ए फ़ीदक से क़ुरआन से जवाब दे चुका अब अगर इसके नफ़ी में क़ुरआन से दलील नही तो बार बार उसे दोहराना ही फ़िज़ूल है।

जिसे क़ुरआन की दलील जवाब नही लगती उसे क़ायनात में कोई बात हुज्जत नही लगेगी

2:35 PM ✓

Islahi groupe

Arshad raza, Lala, Sadiq WARSI, Shoeb, S...

फिर से जवाब पोस्ट कर रहा हूँ एक बार तमाम ग्रुप मेम्बरान उसे पढ़ ले

2:36 PM ✓

हुज़ूर अलैहिस्सलातो व अस्सलाम ने कभी शरीयत की मुखालिफत नहीं कि फिर वो क़ुरआन की मुखालिफत कैसे करेंगे देखो क़ुरआन मजीद ने क्या इर्शाद फरमाया है:-

وَ مَآ اَفَآءَ اللّٰهُ عَلٰی رَسُوْلِهٖ مِنْهُمْ فَمَآ اَوْجَفْتُمْ عَلَیْهِ مِنْ خَیْلٍ وَّ لَا رِكَابٍ وَّ لٰكِنَّ اللّٰهَ یُسَلِّطُ رُسُلَهٗ عَلٰی مَنْ یَّشَآءُ-وَ اللّٰهُ عَلٰی كُلِّ شَیْءٍ قَدِیْرٌیه(٦)

और अल्लाह ने अपने रसूल को उनसे जो افا (माल ए फ़ै जो बिना लड़े हाथ आये ये माल के गनीमत ही कि एक किसम है) तो तुमने उस पर न अपने घोड़े दौड़ाए थे और न ऊंट हाँ अल्लाह अपने रसूलो को जिस पर चाहता है ग़लबा देता है। अल्लाह हर शै पर खूब क़ादीर है।

(सूर: हश्र आयत 6)

अल्लाह तआला ने खुद फरमा दिया कि माल ए फ़ै'ए क्या है अब आगे इसका तसर्रुफ़ कैसे करना है ये भी बता दिया।

अल्लाह तआला ने अपने रसूल को शहर वालो से जो गनीमत दिलाई। तो वो अल्लाह और उसके रसूल के लिए है, और रिश्तेदारों के लिए और यतीमों के लिए और मिस्कीनों के लिए ओर मुसाफिरों के लिए है। ताकि वो दौलत तुम्हारे माल दारों के दरमियान ही गर्दिश करने वाली न हो जाए। और रसूल जो कुछ तुम्हे दे ले लो। और जिससे तुम्हे मना फरमाए, तो तुम बाज़ रहो। और अल्लाह से डरो। बेशक अल्लाह साख्त अज़ाब देने वाला है।
(सूरः ए हश्र आयात 7)

इसके बाद वाली आयत में

उन फकीर मुहाजिरों के लिए जो अपने घरों और अपने मालो से निकाले गए , इस हाल में की अल्लाह की तरफ से फ़ज़्ल और रज़ा चाहते हैं और वो अल्लाह और उसके रसूल की मदद करते हैं वही सच्चे लोग हैं।
(सूरः हश्र आयात 8)

इसके बाद वाली सूरत में

Islahi groupe
Arshad raza, Lala, Sadiq WARSI, Shoeb, S...

और वो जिन्होंने उन (मुहाजिरों) से पहले इस शहर को और ईमान को ठिकाना बना लिया, वो अपनी तरफ हिजरत करने वालो से मुहब्बत करते हैं। और वो इसके मुताल्लिक़ अपने दिलो में कोई हसद नहीं पालते जो उनको दिया गया और वो अपनी जानो पर तरजीह देते हैं अगरचे उन्हे खुद हाजत हो। और जो अपने नफ़्स के लालच से बचा लिया गया। तो वही लोग कामियाब हैं।
(सूरः हश्र आयत 9)

माल ए फ़ै'ए में अल्लाह तआला ने आल्लाह और उसके रसूल और रिश्ते दारों के लिए, यतीमो के लिए मिस्कीनों के लिए मुसाफिरों के लिए, फकीर व मुहजीरीन के लिए, अंसारो के लिए तक़सीम के लिए इन आयात में हुक़्म फरमा दिया।

जब रब्बे क़दीर का हुक़्म मौजूद है तो क्या मआज़ अल्लाह मेरा नबी सलल्लाहु तआला अलैहि वसल्लम मआज़ अल्लाह सुम्मा मआज़ अलाल अल्लाह के हुक़्म की न फर्मानी करते हुवे उस माल का मालिक हज़रत फातिमा को बना दिये??? ये नस्से क़तई के साख्त खिलाफ

Islahi groupe

Arshad raza, Lala, Sadiq WARSI, Shoeb, S...

रिवायत जो अहले तशई की जानिब से गांढी हुई है।

2:37 PM ✓

+91 98791 51666

Bhai jaan aap se aur mere se jyada quraan bibi s.a jaante hai ...bawajood FADAQ le ne gaee...pehle aap thos jawab de ki bibi s.a abu bakr k pass gaee k nahi ..?

2:47 PM

Aap to abu bakr se bhi jyada quraan jante hai janab...abu bakr ne bhi ye dalil nahi dii bibi s.a ko

2:48 PM

+91 98791 51666 *Forwarded*

طبقات الحنابلة

للقاضي أبي الحسين محمد بن أبي يعلى

الجزء الأول

إحياء لذكرى المغفور له

حضرة صاحب السمو الملكي الأمير منصور بن عبد العزيز آل سعود

المتوفى في ١ رجب سنة ١٣٧٠

غفر الله له وأمطر على قبره شآبيب رحمته

Islahi groupe

Arshad raza, Lala, Sadiq WARSI, Shoeb, S...

+91 98791 51666 ~Bad Boy

Forwarded

وأصحاب الرأى : وهم مبتدعة ضلال ، أعداء للسُّنة والأثر ، يبطلون الحديث ، ويردون على الرسول عليه الصلاة والسلام ، ويتخذون أبا حنيفة ومن قال بقوله إمامًا ، ويدينون بدينهم . وأى ضلالة أبين ممن قال بهذا ، وترك قول الرسول وأصحابه ، واتبع قول ______ وأصحابه [٢] ؟ فكفى بهذا غيًا مُرْدِيًا ، وطغيانا .

والولاية بدعة . والبراءة بدعة . وهم الذين يقولون : نتولى فلانًا ، ونتبرأ من فلان . وهذا القول بدعة فاحذروه .

فمن قال بشيء من هذه الأقاويل ، أو رآها أو صَوَّبها ، أو رضيها أو أحبها : فقد خالف السُّنة ، وخرج من الجماعة ، وترك الأثر . وقال بالخلاف ، ودخل فى البدعة ، وزال عن الطريق . وما توفيق إلا بالله .

وقد رأيت لأهل الأهواء والبدع والخلاف أسماء شنيعة قبيحة ، يسمون بها أهل السُّنة ، يريدون بذلك عيبهم ، والطعن عليهم ، والوقيعة فيهم ، والإزراء بهم عند السفهاء والجهّال .

فأما المرجئة : فإنهم يسمون أهل السُّنة : شُكّاكا ، وكذبت المرجئة ، بل هم بالشك أولى ، وبالتكذيب أشبه .

وأما القدرية : فإنهم يسمون أهل السنة : والإثبات ، مُجْبِرة . وكذبت القدرية ، بل هم أولى بالكذب والخلاف ، ألغوا قدر الله عز وجل عن خلقه . وقالوا : ليس له بأهلٍ . تبارك وتعالى .

وأما الجهمية : فإنهم يسمون أهل السُّنة : المُشَبِّهَة ، وكذبت الجهمية أعداء الله ، بل هم أولى بالتشبيه والتكذيب ، افتروا على الله عز وجل الكذب ، وقالوا الإفك

11:27 PM

+91 98791 51666 ~Bad Boy

Forwarded

Abul hasan abi ya'ala tabqat ul hanabela me farmate hai ke abu hanifa aur uske ashab ki pairwi karna gumraahi hai

11:28 PM

Ye abu hanifa k liye kaha gaya ...

11:28 PM

Islahi groupe
Arshad raza, Lala, Sadiq WARSI, Shoeb, S...

اَلَّذِيْنَ اسْتَجَابُوْا لِلّٰهِ وَ الرَّسُوْلِ مِنْۢ بَعْدِ مَآ اَصَابَهُمُ الْقَرْحُ لہ لِلَّذِيْنَ اَحْسَنُوْا مِنْهُمْ وَ اتَّقَوْا اَجْرٌ عَظِيْمٌۚ(۱۷۲)

वो लोग जो अल्लाह और उसके रसूल के बुलाने पर ज़ख्मी होने के बावजूद (फ़ौरन हाज़िर हो गए) उन नेक बंदों और परहेज़ गारों के लिए बड़ा सवाब है
(सूरः आले इमरान आयात 172)

उम्मुल मोमिनीन हज़रत आएशा सिद्दीका रदियल्लाहो तआला अनहा अब्दुल्लह इब्न ए ज़ुबैर से फरमाती हैं।

ए मेरे भांजे खुदा की कसम बेशक तेरा वालिद और नाना हज़रत अबू बकर सिद्दीक़ रदियल्लाहो तआला अनहों और हज़रत ज़ुबैर रदियल्लाहो तआला अन्हो उन लोगों में से है जिनके मुताल्लिक़ अल्लाह तआला ने इर्शाद फरमाया।

اَلَّذِيْنَ اسْتَجَابُوْا لِلّٰهِ وَ الرَّسُوْلِ مِنْۢ بَعْدِ مَآ اَصَابَهُمُ الْقَرْحُ

Islahi groupe

Arshad raza, Lala, Sadiq WARSI, Shoeb, S...

(अल मुस्तदरक हदीस 4321)

देखो हज़रत अब बकर सिद्दीक़ रदियल्लाहो तआला अन्हो की शान क़ुरआन बयान फरमा रहा है। और उनके लिए बड़े सवाब का वादा दे रहा है।। और मआज़ अल्लाह यह उन्हें जिनकी ज़मानत खुद रब्बे क़दीर दे रहा है ज़ईफ़ और मौज़ू ओर अक़वाल ए तफर्रुद के ज़रिए उन्के खात्मा ए ईमान का इनकार कर रहे है।

11:52 AM ✓

4321- حدثنا ابو العباس محمد بن يعقوب حدثنا عباس بن محمد الدوري حدثنا ابو النضر حدثنا ابو سعيد المؤدب عن هشام بن عروة عن ابيه عن عائشة رضي الله عنها انها قالت لعبد الله بن الزبير رضي الله عنهما يا بن اختي اما والله ان اباك وجدك تعني ابا بكر والزبير رضي الله عنهما لمن الذين قال الله عز وجل الذين استجابوا لله والرسول من بعد ما اصابهم القرح

هذا حديث صحيح ولم يخرجاه

ام المومنین حضرت عائشہ رضی اللہ عنہا نے حضرت عبداللہ بن زبیر رضی اللہ عنہ سے کہا: اے میرے بھانجے! خدا کی قسم، بے شک تیرا والد اور نانا یعنی حضرت ابوبکر رضی اللہ عنہ اور حضرت زبیر رضی اللہ عنہ ان لوگوں میں سے ہیں جن کے متعلق اللہ تعالیٰ نے فرمایا ہے:

الذين استجابوا لله والرسول من بعد ما اصابهم القرح (آل عمران: 172)

11:52 AM ✓

+91 98791 51666

Photo

इस तरह के अक़वाल तफर्रुद है आपको यही इल्म नही है कि किसी के ईमान के इनकार के लिए दलील ए क़तई लाज़िम आती है क़ोल ए तफर्रुद नही

11:53 AM

Islahi groupe

Arshad raza, Lala, Sadiq WARSI, Shoeb, S...
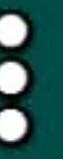
हर इमाम पर कई कई कई जिरह क़ायम हुई जिनके जवाब कई किताबो की शक्ल में मौजूद हैं।

11:54 AM ✓

वेसे भी जब दावा सिद्दीक़ ए अकबर रादियालहो तआला अनहों का है क़ोल ए तफर्रुद काफी नही होता दलील नस्से क़तई लाज़िम आती है।

दूसरी बात तारीख पढ़िए 100 से ज़ाएद अब हनीफा नाम से मशहूर है तारीख में। वेसे भी ये मौज़ू के बाहर की बात है जो क़ाबिल के क़ुबूल नहीं।

11:57 AM ✓

4406۔ حَدَّثَنَاهُ عَبْدُ الرَّحْمَنِ بْنُ حَمْدَانَ الْجَلَّابُ، حَدَّثَنَا هِلَالُ بْنُ الْعَلَاءِ الرَّقِّيُّ، حَدَّثَنِي أَبِي، حَدَّثَنَا إِسْحَاقُ بْنُ يُوسُفَ، حَدَّثَنَا أَبُو سِنَانٍ، عَنِ الضَّحَّاكِ، حَدَّثَنَا النَّزَّالُ بْنُ سَبْرَةَ، قَالَ: وَافَقْنَا عَلِيًّا رَضِيَ اللَّهُ عَنْهُ طَيِّبَ النَّفْسِ وَهُوَ يَمْزَحُ، فَقُلْنَا: حَدِّثْنَا عَنْ أَصْحَابِكَ، قَالَ: كُلُّ أَصْحَابِ رَسُولِ اللَّهِ صَلَّى اللَّهُ عَلَيْهِ وَسَلَّمَ أَصْحَابِي، فَقُلْنَا: حَدِّثْنَا عَنْ أَبِي بَكْرٍ، فَقَالَ: ذَاكَ امْرُؤٌ سَمَّاهُ اللَّهُ صِدِّيقًا عَلَى لِسَانِ جِبْرِيلَ وَمُحَمَّدٍ صَلَّى اللَّهُ عَلَيْهِمَا

✦ حضرت نزال بن سبرہ رضی اللہ عنہ فرماتے ہیں: ہم نے حضرت علی رضی اللہ عنہ کے ساتھ خوشدلی سے موافقت کی اور وہ مزاح فرما رہے تھے۔ ہم نے کہا: آپ اپنے اصحاب کے متعلق ہمیں کچھ بتائیں۔ آپ نے فرمایا: رسول اللہ صلی اللہ علیہ وسلم کے تمام صحابہ میرے اصحاب ہیں۔ ہم نے کہا: حضرت ابوبکر رضی اللہ عنہ کے متعلق کچھ بتائیں۔ تو فرمایا: وہ ایسے انسان تھے کہ اللہ تعالیٰ نے حضرت جبرائیل علیہ السلام اور حضرت [illegible] زبان سے اس کا نام "صدیق" رکھا۔

12:04 PM ✓

हज़रत अली करम अल्लाहु वजहुल करीम की गवाही है हज़रत अबू बकर रसिद्दीक़ रदियल्लाहो अनहों को लक़ब सिद्दीक़ अल्लाह रब्बुल इज़्ज़त ने दिया।

12:05 PM

Islahi groupe

Arshad raza, Lala, Sadiq WARSI, Shoeb, S...

4405ـ اَخْبَرَنِی اَحْمَدُ بْنُ مُحَمَّدِ بْنِ وَاصِلِ الْمَطُوْعِيّ بِبِيْكَنْدَ حَدَّثَنِی اَبِی حَدَّثَنَا مُحَمَّدُ بْنُ اِسْمَاعِيْ
ـدَّثَنِی اَحْمَدُ بْنُ حَنْبَلَ حَدَّثَنَا اِسْحَاقُ بْنُ مَنْصُوْرِ السَّلُوْلِیّ سَمِعَ مُحَمَّدَ بْنَ سُلَيْمَانَ السَّعِيْدِیُّ يُحَدِّثُ عَ
ـارُوْنَ بْنِ سَعْدٍ عَنْ عِمْرَانَ بْنِ ظَبْيَانَ عَنْ اَبِی يَحْيٰی سَمِعَ عَلِيًّا يَحْلِفُ لَاَنْزَلَ اللّٰهُ تَعَالٰی اِسْمَ اَبِی بَكْرٍ رَضِ
ـلّٰهُ عَنْهُ مِنَ السَّمَآءِ صِدِّيْقًا لَوْلَا مَكَانُ مُحَمَّدِ بْنِ سُلَيْمَانَ السَّعِيْدِیِّ مِنَ الْجِهَالَةِ لَحَكَمْتُ لِهٰذَا الْاِسْنَا
الصِّحَّةِ وَلَهٗ شَاهِدٌ مِنْ حَدِيْثِ النَّزَّالِ بْنِ سَبْرَةَ عَنْ عَلِیٍّ رَضِیَ اللّٰهُ عَنْهُ

✦✦ حضرت ابویحییٰ سے مروی ہے کہ حضرت علی رضی اللہ عنہ قسم کھا کر کہا کرتے تھے کہ اللہ تعالیٰ نے حضرت ابوبکر رضی اللہ عنہ کا

12:05 PM ✓

+91 98791 51666 ~Bad Boy

You

इस तरह के अक़वाल तफर्रुद है आपको यही इल्म नही है कि किसी के ईमान के इनकार के लिए दलील ए क़तई लाज़िम आती है क़ोल ए तफर्रुद नही

Mai ye nahi keh raha...kehna ye hai ki sab k bare me likha gaya hai...fir tehqeq ki jarur rehti hai ..gour kare

12:08 PM

+91 98791 51666 ~Bad Boy

You

हज़रत अली करम अल्लाहु वजहुल करीम की गवाही है हज़रत अबू बकर रसिद्दीक़ रदियल्लाहो अनहों को लक़ब सिद्दीक़ अल्लाह रब्बुल इज़्ज़त ने दिया।

Allah k RASOOL S.A.W ne kis kis.ko sidiq kaha ?

12:09 PM

Islahi groupe

Arshad raza, Lala, Sadiq WARSI, Shoeb, S...

Tehqeq to kare bhai jan aap 12:09 PM

+91 98791 51666 ~Bad Boy

You

اَلَّذِيْنَ اسْتَجَابُوْا لِلّٰهِ وَ الرَّسُوْلِ مِنْۢ بَعْدِ مَاۤ اَصَابَهُمُ الْقَرْحُ لھ لِلَّذِيْنَ اَحْسَنُوْا مِنْهُمْ وَ اتَّقَوْا اَجْرٌ عَظِيْمٌۚ(۱۷۲)...

 tehqeq kare bhai jaan bus ... 12:10 PM

तहक़ीक़ आप करे जिनके लिए नस्से क़तई साबित उनके ईमान पर तहक़ीक़ नही की जाती बल्कि जो उनके खिलाफ बात आती है उस पर तहक़ीक़ होती है 12:10 PM ✓

+91 98791 51666 ~Bad Boy

Thoda sa busy hu ..just min... 12:10 PM

Hahahaha 12:10 PM

Pehle dekhe hadess ki sidiq kitne hai Ba Juba HUZOOR S.A.W 12:11 PM

Islahi groupe

Arshad raza, Lala, Sadiq WARSI, Shoeb, S...

Aap ko send kar dunga insha allah
Hadees

12:12 PM

4408۔ حَدَّثَنِي اَبُو بَكْرٍ مُحَمَّدُ بْنُ عَبْدِ الْحَمِيدِ حَدَّثَنَا مُحَمَّدُ بْنُ زَكَرِيَّا حَدَّثَنَا بْنُ عَائِشَةَ حَدَّثَنِي اَبِي عَنْ عَمِّهِ عَنْ رَبِيعَةَ بْنِ اَبِي عَبْدِ الرَّحْمٰنِ عَنْ سَعِيدِ بْنِ الْمُسَيَّبِ قَالَ كَانَ اَبُو بَكْرٍ الصِّدِّيقُ رَضِيَ اللّٰهُ عَنْهُ مِنَ النَّبِيِّ صَلَّى اللّٰهُ عَلَيْهِ وَسَلَّمَ مَكَانَ الْوَزِيرِ فَكَانَ يُشَاوِرُهُ فِي جَمِيعِ اُمُورِهِ وَكَانَ ثَانِيَهُ فِي الْاِسْلَامِ وَكَانَ ثَانِيَهُ فِي الْغَارِ وَكَانَ ثَانِيَهُ فِي الْعَرِيشِ يَوْمَ بَدْرٍ وَكَانَ ثَانِيَهُ فِي الْقَبْرِ وَلَمْ يَكُنْ رَسُولُ اللّٰهِ صَلَّى اللّٰهُ عَلَيْهِ وَسَلَّمَ يُقَدِّمُ عَلَيْهِ اَحَدًا

✦✦ حضرت سعید بن مسیب ؓ فرماتے ہیں: حضرت ابوبکر صدیق ؓ رسول اللہ ﷺ کے وزیر کی حیثیت رکھتے تھے حضور ؑ جمیع امور میں انہی سے مشورہ کیا کرتے تھے۔ اور یہ اسلام میں بھی آپ کے ساتھی تھے، غار میں بھی ساتھی تھے اور جنگ بدر کے دن [illegible] بھی ساتھ تھے اور قبر انور میں بھی ساتھی ہیں۔ اور رسول اللہ ﷺ ان پر اور کسی کو ترجیح نہیں دیا کرتے تھے۔

12:12 PM ✓

+91 98791 51666 ~Bad Boy

5104۔ حَدَّثَنِي عَلِيُّ بْنُ حَمْشَاذَ الْعَدْلُ، حَدَّثَنَا اِسْحَاقُ بْنُ الْحَسَنِ، وَمُحَمَّدُ بْنُ غَالِبٍ قَالَا: حَدَّثَنَا عَفَّانُ بْنُ مُسْلِمٍ، حَدَّثَنَا حَمَّادُ بْنُ سَلَمَةَ، عَنْ ثَابِتٍ، عَنْ اَنَسٍ رَضِيَ اللّٰهُ عَنْهُ، اَنَّ رَسُولَ اللّٰهِ صَلَّى اللّٰهُ عَلَيْهِ وَسَلَّمَ حِينَ بَلَغَهُ اِقْبَالُ اَبِي سُفْيَانَ، فَتَكَلَّمَ اَبُو بَكْرٍ رَضِيَ اللّٰهُ عَنْهُ فَاَعْرَضَ عَنْهُ، ثُمَّ تَكَلَّمَ عُمَرُ رَضِيَ اللّٰهُ عَنْهُ فَاَعْرَضَ عَنْهُ، فَقَالَ سَعْدُ بْنُ عُبَادَةَ: يَا رَسُولَ اللّٰهِ، وَالَّذِي نَفْسِي بِيَدِهِ لَوْ اَمَرْتَنَا اَنْ نَخُوضَ الْبَحْرَ لَخُضْنَاهُ، وَلَوْ اَمَرْتَنَا اَنْ نَضْرِبَ اَكْبَادَهَا اِلَى بَرْكِ الْغِمَادِ لَفَعَلْنَا، فَنَدَبَ رَسُولُ اللّٰهِ صَلَّى اللّٰهُ عَلَيْهِ وَسَلَّمَ النَّاسَ،

5104۔ صحيح مسلم' كتاب الجهاد والسير' باب غزوة بدر' حديث 3417: مستخرج أبي عوانة - مبتدأ كتاب الجهاد' بيان محاربة النبي صلى الله عليه وسلم أهل الطائف' حديث 5421: صحيح ابن حبان' كتاب السير' باب التقليد والجرس للدواب' ذكر الاستحباب للإمام' حديث 4794: صحيح ابن حبان' كتاب السير' باب التقليد والجرس للدواب' ذكر اسم الأنصاري الذي [illegible] حديث 4795: مصنف ابن أبي شيبة' كتاب المغازي' غزوة بدر الكبرى ومتى كانت وأمرها' حديث 36022: السنن الكبرى للنسائي [illegible] الناس إذا كثر العدو' حديث 8311

12:13 PM

+91 98791 51666 ~Bad Boy

فَانْطَلَقُوا حَتّٰى نَزَلُوا بَدْرًا صَحِيحٌ عَلٰى شَرْطِ مُسْلِمٍ، وَلَمْ يُخَرِّجَاهُ

✦✦ حضرت انس ؓ فرماتے ہیں کہ جب رسول اللہ ﷺ کو ابوسفیان کے آنے کی اطلاع ملی تو رسول اللہ ﷺ نے حضرت ابوبکر ؓ سے مشورہ کیا تو انہوں نے انکار کر دیا، پھر آپ ؑ نے حضرت عمر ؓ سے مشورہ کیا تو انہوں نے بھی انکار کر دیا۔ تو حضرت سعد بن عبادہ ؓ بولے: یا رسول اللہ ﷺ اس ذات کی قسم! جس کے قبضہ قدرت میں میری جان ہے اگر آپ دریا میں کود جانے کا حکم دیں تو ہم دریا میں کود جائیں، اگر آپ کہیں تو ہم "برک الغماد" تک کا سفر کر جائیں۔ (برک الغماد، یمن کے انتہائی دور دراز کے علاقوں کو کہا جاتا ہے۔) تب رسول اللہ ﷺ نے لوگوں کو آواز دی اور یہ تمام لوگ روانہ ہو گئے اور میدان بدر میں آ کر خیمہ زن ہو گئے۔

[illegible] یہ حدیث امام مسلم ؒ کے معیار کے مطابق صحیح ہے لیکن شیخین ؒ نے اس کو نقل نہیں کیا۔

12:13 PM

Islahi groupe

Arshad raza, Lala, Sadiq WARSI, Shoeb, S...

+91 98791 51666 ~Bad Boy

المستدرک
علی الصحیحین
4
للامام الحافظ ابی عبد اللہ محمد بن عبد اللہ الحاکم النیسابوری
ترجمہ
الشیخ الحافظ ابی الفضل محمد شفیق الرحمن القادری الرضوی

12:13 PM

+91 98791 51666 ~Bad Boy

+91 98791 51666
Photo

Ye wajeer dekh lo 12:14 PM

Islahi groupe

Arshad raza, Lala, Sadiq WARSI, Shoeb, S...

जिनको हुज़ूर ने किसी पर तरजीह नही दी वो सिद्दीक़ ए अकबर है।
जिन्हें हर मशवरे में साथ रखा वो सिद्दीक़ ए अकबर है
जिन्हें बदर में ग़ार में मशवरे में और क़बर में साथ रखा वो सिद्दीक़ अकबर है

12:14 PM ✓

4408۔ حَدَّثَنِی اَبُو بَکْرٍ مُحَمَّدُ بْنُ عَبْدِ الْحَمِیْدِ حَدَّثَنَا مُحَمَّدُ بْنُ زَکَرِیَّا حَدَّثَنَا بْنُ عَائِشَةَ حَدَّثَنِی اَبِی عَنْ عَمِّهٖ عَنْ رَبِیْعَةَ بْنِ اَبِی عَبْدِ الرَّحْمٰنِ عَنْ سَعِیْدِ بْنِ الْمُسَیَّبِ قَالَ کَانَ اَبُو بَکْرٍ الصِّدِّیْقُ رَضِیَ اللّٰهُ عَنْهُ مِنَ النَّبِیِّ صَلَّی اللّٰهُ عَلَیْهِ وَسَلَّمَ مَکَانَ الْوَزِیْرِ فَکَانَ یُشَاوِرُهٗ فِی جَمِیْعِ اُمُوْرِهٖ وَکَانَ ثَانِیَهٗ فِی الْاِسْلَامِ وَکَانَ ثَانِیَهٗ فِی الْغَارِ وَکَانَ ثَانِیَهٗ فِی الْعَرِیْشِ یَوْمَ بَدْرٍ وَکَانَ ثَانِیَهٗ فِی الْقَبْرِ وَلَمْ یَکُنْ رَسُوْلُ اللّٰهِ صَلَّی اللّٰهُ عَلَیْهِ وَسَلَّمَ یُقَدِّمُ عَلَیْهِ اَحَدًا

✦✦ حضرت سعید بن مسیب رضی اللہ عنہ فرماتے ہیں: حضرت ابوبکر صدیق رضی اللہ عنہ رسول اللہ ﷺ کے وزیر کی حیثیت رکھتے تھے حضور علیہ السلام جمیع امور میں انہی سے مشورہ کیا کرتے تھے۔ اور یہ اسلام میں بھی آپ کے ساتھی تھے، غار میں بھی ساتھی تھے اور جنگ بدر کے دن [illegible] بھی ساتھ تھے اور قبر انور میں بھی ساتھی ہیں۔ اور رسول اللہ ﷺ ان پر اور کسی کو ترجیح نہیں دیا کرتے تھے۔

12:14 PM ✓

+91 98791 51666 ~Bad Boy

You

जिनको हुज़ूर ने किसी पर तरजीह नही दी वो सिद्दीक़ ए अकबर है।
जिन्हें हर मशवरे में साथ रखा वो सिद्दीक़ ए अकबर ...

Moula Ali a.s ka call hai Sidiq e Akbar mai hu

12:14 PM

Islahi groupe

Arshad raza, Lala, Sadiq WARSI, Shoeb, S...

> **+91 98791 51666**
> Moula Ali a.s ka call hai Sidiq e Akbar mai hu

ये मौज़ू ही नही

12:14 PM ✓

आपके दावे की आपके पास दलील ही नही है

12:15 PM ✓

+91 98791 51666 ~Bad Boy

عن عبّاد بن عبد الله، قال: قال علي ﷺ: أنا عبد الله، وأخو رسول الله، وأنا الصِّدِّيق الأكبر، لايقولها بعدي إلا كاذب.

"حضرت عباد بن عبداللہ ﷺ بیان کرتے ہیں کہ سیدنا علی ﷺ نے فرمایا: میں عبداللہ ہوں، رسول اللہ ﷺ کا بھائی ہوں اور میں صدیق اکبر ہوں۔ میرے بعد یہ دعویٰ نہیں کرے گا مگر جھوٹا شخص"۔

(السنن الكبرى للنسائي ج٧ ص٤٠٩، حديث٨٣٣٨، وط: ج٥ ص١٠٧، حديث٨٣٩٦؛ سنن ابن ماجه، حديث١٢٠؛ المستدرك للحاكم ج٣ ص١١١، حديث٤٦٤١؛ المصنف لابن أبي شيبة ج٦ ص٣٧٠، حديث٣٢٠٧٥، وط: ج١٧ ص١٠٦، حديث٣٢٧٤٧؛ كتاب السنة لابن أبي عاصم ص٥٤٨، حديث١٣٢٤؛ خصائص علي ص٢٩، حديث٦، وط: ص٢٤، حديث٧)

امام بوصیری رحمۃ اللہ علیہ لکھتے ہیں:

"... صحيح" (یہ سند صحیح ہے)۔

12:15 PM

+91 98791 51666 ~Bad Boy

Islahi groupe
Arshad raza, Lala, Sadiq WARSI, Shoeb, S...

To kisi ko aap sidiq e Akbar bolo ye jayj nahi 12:16 PM

Aur sidiq bhi teen hai ...us me moula Afzal hai ...hadees aap ko send kar dunga 12:16 PM

To is ko siidiq na kahe 12:16 PM

खुद क़ुरआन मजीद का क़ोल काफी है अल्लाह रब्बुल इज़्ज़त ने सिद्दीक़ कहा है 12:16 PM ✓

+91 98791 51666 ~Bad Boy💋💋
Jid ka koee rasta nahi 12:17 PM

Na aap ne bola kal ...na aap k kabool kar na hai 12:17 PM

Na hadees par gour karte hai 12:17 PM

> +91 98791 51666
> Jid ka koee rasta nahi

बिल्कुल आपकी ज़िद का कोई रास्ता नही
12:18 PM ✓

Islahi groupe

Arshad raza, Lala, Sadiq WARSI, Shoeb, S...

+91 98791 51666 ~Bad Boy💋💋

Bus jidd kar rahe hai janab aap

12:18 PM

+91 98791 51666

Bus jidd kar rahe hai janab aap

ज़िद को कर रहा है ये ज़ाहिर ओर वाज़ेह है

12:18 PM ✓

चार दिन में जो दावे पर दलील पेश कर सके
उसकी ज़िद्द का क्या किया जा सकता है

12:18 PM ✓

+91 98791 51666 ~Bad Boy💋💋

Hahaha...ap na hadees mante ho na ...thos jawab...aap ne kal bola hota ki Bibi s.a Fadaq le ne gaee ...wahi abu bakr kafeer ho jate...kyu ki diya nahi

12:35 PM

Bibi s.a 4 aurte hai Bibi Asiya s.a ...bibi Mariam s.a bibi Khadiza s.a ..aur Bibi ibne MOHAMMAD S.A.W...in charo me Afzal hai

12:36 PM

Islahi groupe
Arshad raza, Lala, Sadiq WARSI, Shoeb, S...

Fir abu bakr ne in ko juthla kar kya kiya...dour e zahalt me chale gaee ye bande
12:37 PM

+91 98791 51666 Forwarded

IMAM IBNE ADII AUR IBNE ASAKAR NE RIWAYT KIYA HAI KI ..

TEEN SAKHS AISE HAI JINHONE KABHI ALLAH K SATH KUFR NAHI KIYA ...AAL YASEEN KA MOMIN ....MOULA ALI A.S AUR ASIYA S.A FIRON KI BIWI...

DOOR E MANSOOR ZILD 5 PAGE 732

IMAM BUKHARI NE APNI TARIKH ME HAJRAT IBNE ABBAS SE RIWAYT NAQL KI HAI...K RASOOL S.A.W NE FARMAYA ...

TEEN SIDDIQ HAI...HAJQEEL JO KOUM FIRON KA MOMIN THA ...HABIB NAZAR JO SAHIB E AAL YASEEN THA AUR ALI IBNE ABI

Islahi groupe

Arshad raza, Lala, Sadiq WARSI, Shoeb, S...

TALIB A.S

DOOR E MANSOOR ZILD 5 PAGE 732

AB KOE NAHI IS K ALAWA SIDDIQ ...

12:37 PM

+91 99777 45972 ~محمّد اظہر علی

AD-JKBANK

12:38 PM

Message | Add contact

Add kriye bhai no 12:39 PM

Shoaib bhai 12:39 PM

+91 98791 51666 ~Bad Boy

Agar bibi s.a fadaq lene gaee hai to bataoo gaee k nahi...agar aap dill me bhi mante ho k gaee hai to samj lo aap ne dill me keh diya ki abu bakr kafeer huee is bina par k nahi diya

12:39 PM

Islahi groupe
Arshad raza, Lala, Sadiq WARSI, Shoeb, S...

+91 97135 25666 ~हर कोई चाहता हे 1 मुट्ठी आ...

+91 98791 51666
😜😜😜 tehqeq kare bhai jaan bus ...

सय्यद समीर साहब
आप इल्मी बेहेस कर रहे हैं
आपसे गुज़ारिश हे की पोस्ट के साथ किसी तरह
इमोजी न डालें PLZ
1:08 PM

यहाँ बहस मसलाये फदक नही वरना उस मसले में भी जो लोगो को आपने धोका देने की कोशिश की है हवा हो जाये लेकिन में उन उमूर में बहस नहीं करता जिनमे साहाबा के मुशजरात मौजूद हो क्योंकि लोगो की अकल इस काबिल नही जो इसे समझ सके
1:10 PM ✓

मेरे तो तमाम हवाले ही क़ुरआन और सही हदीस पर मबनी है और आप तो 4 दिन में अपना दावे पर दलील ही क़ायम नही कर पाए
1:11 PM ✓

एक और क़ुरआन मजीद से और हज़रत अली रदियल्लाहो तआला अनहों के क़ोल से जवाब पड़े
1:12 PM

Islahi groupe

Arshad raza, Lala, Sadiq WARSI, Shoeb, S...

اور وہ جو یہ سچ لے کر تشریف لائے اور وہ
جس نے ان کی تصدیق کی یہی پرہیز گار ہیں -

और वो जो सच ले कर तशरीफ़ लाए, और वो जिसने उनकी तस्दीक की यही परहेज़गार है (सूरः सूरः अल ज़ुमर आयत 33)

इस आयत की तफसीरे में तफसीरे कबीर में हज़रत अली रदियल्लाहो तआला अनहों का क़ोल नकल करते हैं फरमाते है, "और वो जो सच ले कर तशरीफ़ लाए" से मुराद नबी करीम सलल्लाहु तआला अलैहि व सल्लम हैं। "और वो जिसने इसकी तस्दीक की" से मुराद हज़रत अबू बकर सिद्दीक़ हैं।
(तफसीरे कबीर सूरः ज़ुमर आयत 33)
इसके अलावा बाज़ तफ़ासीर में और भी क़ोल मौजूद है तस्दीक करने वाले तमाम मोमिनीन है। इससे हज़रत अली रदियल्लाहो तआला अनहों के इस क़ोल कि नफ़ी नहीं होती। बल्कि हासिल ए कलाम ये होता है कि ये आयत ए करीमा हज़रत के अबू बकर सिद्दीक़ रदियल्लाहो तआला अनहों की सिद्दिकीयत में अफ़ज़लियत बयान करती है और उनके बाद तमाम आने वाले उम्मती भी जो

Islahi groupe

Arshad raza, Lala, Sadiq WARSI, Shoeb, S...

और उनके बाद तमाम आने वाले उम्मती भी जो दिल से ईमान लाये और नेक काम करे वो सिद्दीक़ यानी सच्चे कहलायेंगे। तभी तो शरीयत में मोमिन की गवाही मोअतबर होगी।
बाहर हाल क़ुरआन ए मजीद की आयत ए मुबारका और हज़रत अली करामल्लाहु वजहुल करीम रदियल्लाहो तआला अन्हो की गवाही भी हज़रत ए सिद्दीक़ ए अकबर के ईमान को साबित करता है

1:12 PM

+91 98791 51666

IMAM IBNE ADII AUR IBNE ASAKAR NE RIWAYT KIYA HAI KI ..
...

क़ुरआन मजीद पर ज़ईफ़ रिवायात क़ुरआन को रद्द नही करती न ही वो रिवायतें जिनके और भी कई माने हो

1:15 PM

Islahi groupe

Arshad raza, Lala, Sadiq WARSI, Shoeb, S...

> **+91 98791 51666**
> Fir abu bakr ne in ko juthla kar kya kiya...dour e zahalt me chale gaee ye bande

ये भी सिर्फ आपके बोहतान है वरना उस मसले में जितने जिरह मौजूद है अगर बयान करदी तो आपके होश फाख्ता हो जाएंगे 1:16 PM ✓

फिर कहता हूं जिस मसले पर दलील ए क़तई नस्से क़तई मौजूद हो यानी क़ुरआन ए मजीद उस पर कोई रिवायात हुज्जत नही बनती। न क़ुरआन की आयत का रद्द कोई कोई हदीस ज़ईफ़ तो दूर मुतवातिर भी हो तो कोह क़ुरआन के हुक़्म के खिलाफ पेश नही होती 1:18 PM ✓

मसला ए फ़िदक पर में क़ुरआन से दलील दी सबक जिसके जवाब में आपके पास दलील नही वो मसअला में आप कोई दलील ए क़तई नही पेश कर पाए फिर वही बार बार छेड़ना आपकी परेशानी को ज़ाहिर करता है इस पर क़ुरआन से और दलील पेश कर देता हूं। जिरह और तादील तो अभी बाकी है उस पर। लेकिन सबसे पहले क़ुरआन से। 1:21 PM

बाग़ ए फ़िदक के मसअले पर जवाब

सबसे पहले क़ुरआन मजीद का इर्शाद सुने
अल्लाह तआला इर्शाद फरमाता है:-
जब तुम में से किसी को मौत आये तो अगर उसने माल छोड़ा है। उस पर माँ बाप और रिश्तेदारो के लिए दस्तूर के मुताबिक वसीयत करना फ़र्ज़ किया गया है। ये परहेज़ गारो पर हक है। सो जिसने वसीयत को सुनने के बाद वसीयत को तब्दील किया, सो उसका गुनह सिर्फ तब्दील करने वालों पर है। बे शक अल्लाह सबकुछ सुनने वाला और बहुत जानने वाला है। फिर जिसको वसीयत करने वाले से बे इंसाफी और गुनह का खोफ हो, पस वो उनके दरमियान सुलह करा दे। तो इस पर कोई गुनाह नहीं। बेशक अल्लाह बहुत बख्शने वाला बेहद रहम फरमाने वाला है। (सूरः बकर आयत 180, 182)

पता चला हर शख्स को अपने वरसा के लिए वसीयत करना फ़र्ज़ है। और ये अमल परहेज़ गारों का अमल है। और इस काइनात में हुज़ूर अलैहिस्सलाम से बढ़ कर परहेज़गार कौन हो

Islahi groupe

Arshad raza, Lala, Sadiq WARSI, Shoeb, S...

पता चला हर शख्स को अपने वरसा के लिए वसीयत करना फ़र्ज़ है। और ये अमल परहेज़गारों का अमल है। और इस काइनात में हुज़ूर अलैहिस्सलाम से बढ़ कर परहेज़गार कौन हो सकता है??? तो क्या हुज़ूर अलैहिस्सलाम ने कोई माल पीछे छोड़ा था??? क्या आप अलैहिस्सलातो वस्सलाम दुनियाई चीज़ जमा फरमाते थे??? देखिये हदीस ए मुबारका में क्या वारिद है:-

हुज़ूर सलल्लाहु तआला अलैहि व सल्लम ने इर्शाद फरमाया। जिस शख्स के पास वसीयत के लायक कोई चीज़ हो और उसमें वसीयत करना चाहता हो इसके लिए बगैर वसीयत किये दो रातें गुज़ारना भी जाएज़ नही है। (सही बुखारी शरीफ हदीस 2838)

Islahi groupe

Arshad raza, Lala, Sadiq WARSI, Shoeb, S...

हज़रत अम्र बिन अल हारिस जो हुज़ूर अलैहिस्सलातो व अस्सलाम के बिरादर ए नसबति थे। फरमाते हैं, रसूलुल्लह सलल्लाहु तआला अलैहि व सल्लम ने अपनी वफात के वक़्त कोई दिरहम छोड़ा न दीनार न गुलाम न कोई बांदी न कोई और चीज़, सिवाए सिवाए एक सफेद खच्चर के और हथियार के, और ज़मीन के जिनको आपने सदक़ा कर दिया था।

(सही बुखारी शरीफ हदीस 2739)

यहाँ पता चला हुज़ूर अलैहिस्सलातो वस्सलाम ने अपने पीछे कुछ भी नही छोड़ा सब सदक़ा कर दिया

Islahi groupe
Arshad raza, Lala, Sadiq WARSI, Shoeb, S...

हमें तलहा बिन मुसर्रफ ने हदीस बयान किया। उन्होंने बयान किया मेने अब्दुल्लह बिन औफि रदियल्लाहो तआला अनहों से सवाल किया। क्या नबी करीम सलल्लाहु तआला अलैहि व सल्लम ने वसीयत की थी?? उन्होंने कहा नहीं। पस मेने कहा लोगों पर कैसे वसीयत का हुक्म दिया गया?? उन्होंने कहा आपने किताबुल्लाह पर अमल करने की वसीयत की थी।
(सही बुखारी हदीस 2840)

यहां तक पता चला के हुज़ूर अलैहिस्सलाम ने वसीयत के मामले में किताबुल्लाह पर अमल का हुक़्म दिया।

1:21 PM

اگر تمام وارث تہائی مال سے زیادہ کی وصیت کرنے کی اجازت دیں تو یہ جائز ہے کیونکہ تہائی مال کی حد ورثاء کا حق محفوظ کرنے کے لیے قائم کی گئی ہے' سو اگر ورثاء خود اپنے حق سے دستبردار ہو رہے ہوں تو پھر تہائی مال سے زیادہ کی وصیت کرنا جائز ہے۔ حدیث میں ہے:

حضرت ابن عباس رضی اللہ عنہما بیان کرتے ہیں کہ رسول اللہ ﷺ نے فرمایا: وارث کے لیے وصیت کرنا جائز نہیں ہے' البتہ اگر ورثاء چاہیں تو جائز ہے۔ (سنن دار قطنی ج ۴ ص ۱۵۲' نشر السنۃ ملتان)

اگر کوئی شخص کسی وارث کو محروم کر دے یا کسی شخص کے لیے اس قدر زیادہ وصیت کرے جس سے دوسرے حق داروں کے حصوں میں کمی ہو تو وہ شخص گناہ گار ہوگا' حدیث میں ہے:

حضرت ابو ہریرہ رضی اللہ عنہ بیان کرتے ہیں کہ رسول اللہ ﷺ نے فرمایا: ایک مرد اور عورت ساٹھ سال تک عبادت کرتے رہتے ہیں' پھر ان کو موت آ جاتی ہے اور وہ وصیت میں (کسی کو) ضرر پہنچاتے ہیں تو ان کے لیے دوزخ واجب ہو جاتی ہے۔
(سنن ابوداؤد ج ۲ ص ۴۰' مطبع مجتبائی پاکستان' لاہور' ۱۴۰۵ھ)

۲۷۳۸ - حَدَّثَنَا عَبْدُ اللّٰهِ بْنُ يُوْسُفَ قَالَ اَخْبَرَنَا مَالِكٌ عَنْ نَافِعٍ عَنْ عَبْدِ اللّٰهِ بْنِ عُمَرَ رَضِيَ اللّٰهُ تَعَالٰى عَنْهُمَا اَنَّ رَسُوْلَ اللّٰهِ صَلَّى اللّٰهُ عَلَيْهِ وَسَلَّمَ قَالَ مَا حَقُّ امْرِئٍ مُسْلِمٍ لَهٗ شَيْءٌ يُوْصِيْ فِيْهِ يَبِيْتُ لَيْلَتَيْنِ إِلَّا وَوَصِيَّتُهٗ مَكْتُوْبَةٌ عِنْدَهٗ تَابَعَهٗ مُحَمَّدُ بْنُ مُسْلِمٍ عَنْ عَمْرٍو عَنِ ابْنِ عُمَرَ عَنِ النَّبِيِّ صَلَّى اللّٰهُ عَلَيْهِ وَسَلَّمَ.

امام بخاری روایت کرتے ہیں: ہمیں عبداللہ بن یوسف نے حدیث بیان کی' انہوں نے کہا: ہمیں امام مالک نے خبر دی از نافع از حضرت عبداللہ بن عمر رضی اللہ عنہما وہ بیان کرتے ہیں کہ رسول اللہ ﷺ نے فرمایا: جس شخص کے پاس کوئی وصیت کے لائق چیز ہو اور وہ اس میں وصیت کرنا چاہتا ہو' اس کے لیے وصیت لکھے بغیر دو راتیں گزارنا بھی جائز نہیں ہے۔ محمد بن مسلم نے امام مالک کی متابعت کی ہے از عمرو از حضرت ابن عمر رضی اللہ عنہما از نبی ﷺ۔

Islahi groupe

Arshad raza, Lala, Sadiq WARSI, Shoeb, S...

٢٧٤٠ - حَدَّثَنَا خَلَّادُ بْنُ يَحْيٰى قَالَ حَدَّثَنَا مَالِكُ
بْنُ مَغْوَلٍ قَالَ حَدَّثَنَا طَلْحَةُ بْنُ مُصَرِّفٍ قَالَ سَأَلْتُ
عَبْدَ اللّٰهِ بْنَ اَبِي اَوْفٰى رَضِيَ اللّٰهُ تَعَالٰى عَنْهُمَا هَلْ
كَانَ النَّبِيُّ صَلَّى اللّٰهُ عَلَيْهِ وَسَلَّمَ اَوْصٰى فَقَالَ لَا
فَقُلْتُ كَيْفَ كُتِبَ عَلَى النَّاسِ الْوَصِيَّةُ اَوْ اُمِرُوْا
بِالْوَصِيَّةِ قَالَ اَوْصٰى بِكِتَابِ اللّٰهِ.[اطراف الحدیث:
۴۴۶۰-۵۰۲۲] (صحیح مسلم:۱۶۳۴، الرقم المسلسل:۴۱۱۸، سنن ترمذی:
۲۱۱۹، سنن نسائی:۳۶۲۰، سنن ابن ماجہ:۲۶۹۶)

امام بخاری روایت کرتے ہیں: ہمیں خلاد بن یحییٰ نے حدیث
بیان کی انہوں نے کہا: ہمیں مالک بن مغول نے حدیث بیان کی
انہوں نے کہا: ہمیں طلحہ بن مصرف نے حدیث بیان کی انہوں نے
کہا: میں نے حضرت عبداللہ بن ابی اوفی رضی اللہ عنہما سے سوال کیا: کیا
نبی صلی اللہ علیہ وسلم نے وصیت کی تھی؟ انہوں نے کہا: نہیں! پس میں نے کہا
لوگوں پر کیسے وصیت فرض کی گئی ہے یا لوگوں کو کس طرح وصیت کا حکم
دیا گیا ہے؟ انہوں نے بتایا: آپ نے کتاب اللہ پر عمل کرنے کی
وصیت کی تھی۔

1:23 PM ✓

You

Photo

जब मीरास के लिए क़ुरआन मजीद में हुक़्म मौजूद तो उसकी तक़सीम भी वेसे ही कि जाएगी।

जब माल ए गनीमत और माल ए फ़ै'ए के लिए क़ुरआन से दलील मौजूद उस पर कोई रिवायत हुज्जत नही बन सकती

1:24 PM ✓

मेरी सदर सहाब से गुज़ारिश है कि वो मुद्दई को मौज़ू पर रहने और अपने दावे पर दलील क़ायम करने को कहे पिछले 4 दिन से वो बस इधर उधर भाग रहे है जबकि मेने अपने दावे को क़ुरआन और अ हदीस से साबित किया है अगर इनके पास कोई दलील ए क़तई नही नस्से क़तई नही तो फ़िज़ूल में वक़्त बर्बाद करने से कोई फायदा नही

1:27 PM ✓

Islahi groupe

Arshad raza, Lala, Sadiq WARSI, Shoeb, S...

+91 98791 51666 ~Bad Boy💋💋

+91 97135 25666
सय्यद समीर साहब
आप इल्मी बेहेस कर रहे हैं
आपसे गुज़ारिश हे की पोस्ट के साथ किसी त...

2:12 PM

+91 98791 51666 ~Bad Boy💋💋

You
यहाँ बहस मसलाये फदक नही वरना उस मसले में भी जो लोगो को आपने धोका देने की कोशिश की है हवा हो जाये लेकिन में उन उमूर में बहस नहीं करता जिन...

Aise to bohat sare masle hai ...par yaha baat sirf abu bakr ki hai aur ye masla in se juda hai ...agar na hota un se juda to mai khud baat na karta

2:13 PM

Islahi groupe
Arshad raza, Lala, Sadiq WARSI, Shoeb, S...

+91 98791 51666 ~Bad Boy💋💋

You
क़ुरआन मजीद पर ज़ईफ़ रिवायात क़ुरआन को रद्द नही करती न ही वो रिवायतें जिनके और भी कई माने हो

Quraan me abu bakr ka name k sath aayat e karima hai ...Yusuf a.s ko sid-diq kaha Allah ne ..masoom hai ...abu bakr masoom nahi to kaise hua

2:14 PM

+91 98791 51666 ~Bad Boy💋💋

You
ये भी सिर्फ आपके बोहतान है वरना उस मसले में जितने जिरह मौजूद है अगर बयान करदी तो आपके होश फाख्ता हो जाएंगे

Are bhai aap k samjna nahi to thik hai ...warna aap kitabe utha k dekh lo abu bakr ne quraan diya hi nahi ...aap abu bakr se jyada aalim lagte hai...us ne to ye dalil nahi dii hai 2:15 PM

Agar aap k pass abu bakr ka koee dawa hai to pehs kar do bhai jan

2:15 PM

Islahi groupe

Arshad raza, Lala, Sadiq WARSI, Shoeb, S...

Aap thos jawab de de ki bibi s.a fadaq lene nahi gaeee 2:16 PM

Ya jawab de ki lene gaee 2:16 PM

+91 98791 51666 ~Bad Boy

> **You**
> बाग़ ए फ़िदक के मसअले पर जवाब
>
> सबसे पहले क़ुरआन मजीद का इर्शाद सुने अल्लाह ...

Ye sab de kar aap bibi s.a par bohtan laga rahe hai 2:21 PM

Is se to bibi s.a khud wakif hai ...aur abu bakr se bhi jyada jante hai ...khatoon e jannat...fır fadaq lene kyu gaee..? 2:21 PM

Aap ne bibi s.a par bohtan lagaya...abu bakr ko bachane k liye

2:22 PM

Islahi groupe

Arshad raza, Lala, Sadiq WARSI, Shoeb, S...

+91 98791 51666 ~Bad Boy

You

बाग़ ए फ़िदक के मसअले पर जवाब

सबसे पहले क़ुरआन मजीद का इर्शाद सुने अल्लाह ...

Aur wasiyt k liye kagaj aur kalam manga tha aik yahudii ne mana kiya tha 2:23 PM

Dalil de raha hu ap ne apne hisab se nahi mani..sab ko siya bana diya..jab mai ne aap ko abu hanifa ko gumrah wali baat dii to kuch aur keh diya ...is hisab se to abu hanifa aur giroh gumrah hua 2:24 PM

Mai ne mere hisab se aap ki koee dalil nahi raad ki ...ap ne apne hisab se ki hai 2:25 PM

Sadar sab ko aap bata de ki ...mai jawab hi nahi de raha kal se ki ....BIBI S.A FADAQ LENE GAEE KI NAHI..?

2:26 PM

Islahi groupe

Arshad raza, Lala, Sadiq WARSI, Shoeb, S...

Aur last me HUZOOR S.A.W KI HADEES HAI...FATEMA S.A MERE JIGAR KA TUKDA HAI...JIS NE USE NARAJ KIYA US NE ALLAH KO NARAJ KIYA....

DUSRI HADEES ME HAI BIBI S.A ABU KAR SE NARAJ THI...K AAP S.A NE PARDA KIYA WAHA TQ IS SE BAAT NAHI KI...WAHA TAQ KI US KO JANAJE KI KHABAR TAQ NAHI DII

2:33 PM

> **+91 98791 51666**
> Aur wasiyt k liye kagaj aur kalam manga tha aik yahudii ne mana kiya tha

उसका जवाब भी हज़रत अली रदियल्लाहो अनहों ने दिया है

2:33 PM ✓

طور پر حضرت علی رضی اللہ عنہ کا یہ قول موجود ہے، امام احمد روایت کرتے ہیں:

عن علی بن ابی طالب رضی اللہ عنہ، قال امرنی النبی صلی اللہ علیہ وسلم ان آتیہ بطبق یکتب فیہ مالا تضل امتہ من

حضرت علی بن ابی طالب رضی اللہ عنہ بیان کرتے ہیں کہ نبی صلی اللہ علیہ وسلم نے مجھے حکم دیا کہ میں ایک طبق لے کر آؤں جس پر آپ ایسی چیز لکھ دیں گے جس

لہ۔ شیخ ابو جعفر محمد بن یعقوب کلینی متوفی ۳۲۹ھ، الفروع من الکافی ج۱ ص ۳۲ ، مطبوعہ دار الکتب الاسلامیہ تہران۔

جلد سابع

Islahi groupe

Arshad raza, Lala, Sadiq WARSI, Shoeb, S...

شرح صحیح مسلم ۵۲۲ کتاب الوصیۃ

بعدہ، قال فخشیت ان تفوتنی نفسہ، قال: قلت انی احفظ واعی قال اوصی بالصلوۃ والزکوۃ وما ملکت ایمانکم۔ [1]

کی وجہ سے آپ کی امت آپ کے بعد گمراہ نہیں ہوگی حضرت علی نے کہا مجھے یہ خدشہ ہوا کہ کہیں آپ فوت نہ ہو جائیں میں نے کہا میں اس کو حفظ کروں گا اور یاد کروں گا! آپ نے فرمایا میں نماز، زکوٰۃ اور غلاموں اور باندیوں (کے ساتھ حسن سلوک) کی وصیت کرتا ہوں۔

शरह मिश्कात शरीफ हज़रत अली रदियल्लाहो तआला अनहों से जब कागज़ कलाम मांग हज़रत अली रदियल्लाहो तआला अनहों ने फरमाया आप मुझे ऐसे ही बता दे में हिफ़्ज़ कर लूंगा । रसूलुल्लह सलल्लाहु तआला अलैहि व सल्लम ने इर्शाद फरमाया

2:36 PM ✓

بعدہ، قال فخشیت ان تفوتنی نفسہ، قال: قلت انی احفظ واعی قال اوصی بالصلوۃ والزکوۃ وما ملکت ایمانکم۔ [1]

کی وجہ سے آپ کی امت آپ کے بعد گمراہ نہیں ہوگی حضرت علی نے کہا مجھے یہ خدشہ ہوا کہ کہیں آپ فوت نہ ہو جائیں میں نے کہا میں اس کو حفظ کروں گا اور یاد کروں گا! آپ نے فرمایا میں نماز، زکوٰۃ اور غلاموں اور باندیوں (کے ساتھ حسن سلوک) کی وصیت کرتا ہوں۔

اس اعتراض کا دوسرا جواب یہ ہے کہ حضرت عمر اور ان کے موافقین کا دوات اور کاغذ نہ لاکر دینا کسی عناد اور معصیت کی بناء پر نہیں تھا بلکہ ان کا مقصد یہ تھا کہ نبی صلی اللہ علیہ وسلم کو درد سے شدید تکلیف ہو رہی ہے اور اس حالت میں لکھوانے سے کہیں آپ کو زیادہ تکلیف نہ ہو جائے اس لیے ان کا یہ کہنا حسبنا کتاب اللہ - ہمیں کتاب اللہ کافی ہے - آپ سے شدید محبت اور آپ کو تکلیف کی شدت سے بچانے کے لیے تھا۔ جیسا کہ صلح حدیبیہ کے موقع پر جب کفار قریش نے صلح نامہ میں محمد رسول اللہ صلی اللہ علیہ وسلم پر اعتراض کیا اور نبی صلی اللہ علیہ وسلم نے حضرت علی سے فرمایا محمد رسول اللہ کاٹ کر محمد بن عبد اللہ لکھ دو تو حضرت علی نے فرمایا لا واللہ لا امحوک ابدا۔ "نہیں خدا کی قسم! میں آپ کا نام نہیں مٹاؤں گا!" تو کیا کوئی شخص یہ کہہ سکتا ہے کہ حضرت علی نے عناد اور معصیت کی بناء پر رسول اللہ صلی اللہ علیہ وسلم کا حکم نہیں مانا بلکہ ہر فرد منصف اور صاحب عقل شخص یہی کہے گا کہ حضرت علی رضی اللہ عنہ کا اس حکم کو نہ ماننا رسول اللہ صلی اللہ علیہ وسلم کی تعظیم اور محبت کی بناء پر تھا۔

اس اعتراض کا تیسرا جواب یہ ہے کہ حضرت عمر کو گمان یہ تھا کہ رسول اللہ صلی اللہ علیہ وسلم اس وقت تک فوت نہیں ہوں گے جب تک تمام منافقین کو تہ تیغ نہ کر لیں اور فارس اور روم پر اسلام کے جھنڈے نہ گاڑ دیں اور ان کا خیال یہ تھا کہ اگر اس وقت رسول اللہ صلی اللہ علیہ وسلم نے نہیں لکھا تو کوئی بات نہیں تندرست ہونے کے بعد لکھ دیں گے اس توجیہ کی تائید اس روایت سے ہوتی ہے، امام ابن سعد واقدی روایت کرتے ہیں:

عن ابن عباس ان النبی صلی اللہ علیہ وسلم قال فی مرضہ الذی مات فیہ ائتونی بدواۃ وصحیفۃ اکتب لکم کتابا لن تضلوا بعدہ ابدا فقال عمر بن الخطاب من لفلانۃ وفلانۃ من مدائن الروم! ان رسول اللہ صلی اللہ علیہ وسلم لیس ...

حضرت ابن عباس رضی اللہ عنہما بیان کرتے ہیں کہ نبی صلی اللہ علیہ وسلم نے اپنے مرض وفات میں فرمایا مجھے دوات اور کاغذ لاکر دو میں تم کو ایسی چیز لکھ کر دوں گا جس کے بعد تم کبھی گمراہ نہیں ہو گے! حضرت عمر بن الخطاب نے کہا فلاں فلاں اور روم کے شہروں کا کیا ہوگا، جب تک ہم ان شہروں کو فتح نہ کر لیں، رسول اللہ فوت نہیں ہوں گے۔

Islahi groupe

Arshad raza, Lala, Sadiq WARSI, Shoeb, S...

اس روایت سے ہوتی ہے، امام ابن سعد واقدی روایت کرتے ہیں:

عن ابن عباس ان النبی صلی اللہ علیہ وسلم قال فی مرضہ الذی مات فیہ ائتونی بدواۃ وصحیفۃ اکتب لکم کتابا لن تضلوا بعدہ ابدا فقال عمر بن الخطاب من لفلانۃ وفلانۃ من مدائن الروم ان رسول اللہ صلی اللہ علیہ وسلم لیس بمیت حتی نفتتحھا۔

حضرت ابن عباس رضی اللہ عنہما بیان کرتے ہیں کہ نبی صلی اللہ علیہ وسلم نے اپنے مرض وفات میں فرمایا مجھے دوات اور کاغذ لا کر دو میں تم کو ایسی چیز لکھ کر دوں گا جس کے بعد تم کبھی گمراہ نہیں ہو گے! حضرت عمر بن الخطاب نے کہا فلاں فلاں اور روم کے شہروں کا کیا ہوگا، جب تک ہم ان شہروں کو فتح نہ کرلیں، رسول اللہ فوت نہیں ہوں گے۔

में नमाज़ ज़कात गुलामो और बांदियों के साथ हुस्न ए सुलूक की वसीयत करता हु

2:37 PM

+91 98791 51666 ~Bad Boy💋💋

You

📷 शरह मिश्कात शरीफ हज़रत अली रदियल्लाहो तआला अनहों से जब कागज़ कलाम मांग हज़रत अली रदियल्लाहो त...
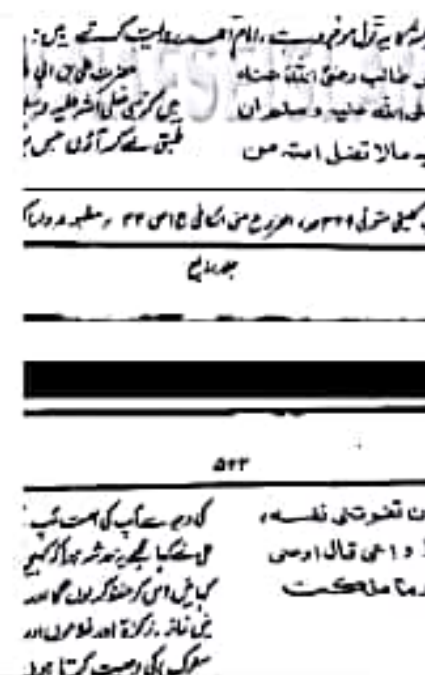
Is me bukhari ki sarif me dekhe

2:44 PM

Insha allah mai send kar dunga waise

2:45 PM

Islahi groupe

Arshad raza, Lala, Sadiq WARSI, Shoeb, S...

حضرت ابوبکر کے استخلاف پر سب سے واضح اور روشن قرینہ یہ حدیث ہے:

امام مسلم روایت کرتے ہیں:

عن عائشة قالت قال لي رسول الله صلى الله عليه وسلم في مرضه ادعي لي ابا بكر اباك واخاك حتى اكتب كتابا فاني اخاف ان يتمنى متمن ويقول انا اولى ويأبى الله والمؤمنون الا ابا بكر

حضرت عائشہ رضی اللہ عنہا بیان کرتی ہیں کہ رسول اللہ صلی اللہ علیہ وسلم نے اپنی علالت میں فرمایا: اپنے باپ ابوبکر کو اور اپنے بھائی کو میرے پاس بلاؤ تاکہ میں انہیں (امر خلافت) لکھ کر دے دوں، کیونکہ مجھے خدشہ ہے کہ کوئی تمنا کرنے والا (خلافت کی) تمنا کریگا اور کہے گا کہ میں زیادہ مستحق ہوں اور اللہ اور مسلمان ابوبکر کے سوا کسی کو نہیں مانیں گے۔

اس حدیث کو امام بخاری نے دو جگہ روایت کیا ہے، کتاب المرضی میں اور کتاب الاحکام میں۔

جو لوگ صحیحین کی اس روایت (حدیث قرطاس) کی وجہ سے حضرت عمر پر اعتراض کرتے ہیں انہیں صحیحین کی اس روایت پر بھی ٹھنڈے دل سے غور کرنا چاہیے۔

इमाम मुस्लिम रिवायत करते है अम्मा आएशा सिद्दीका रदियल्लाहो तआला अनहों से अपने वालिद और अपने भाई को मेरे पास बुलाओ ताकि में उन्हें (अम्र ए खिलाफत) लिख कर दे सकू क्योंकि मुझे खदशा है कोई तमन्ना करने वाला (खिलाफत की) तमन्ना करेगा और कहेगा में ज़्यादा मुस्तहिक़ हुँ।

2:47 PM ✓

You

इमाम मुस्लिम रिवायत करते है अम्मा आएशा सिद्दीका रदियल्लाहो तआला अनहों से अपने वालिद और अपने भाई ...

यही हदीस इमाम बुखारी ने दो जगह नकल की है

2:47 PM ✓

वो भी भेज देता हूं 2:47 PM

Islahi groupe

Arshad raza, Lala, Sadiq WARSI, Shoeb, S...

عن علی بن ابی طالب رضی اللہ عنہ
...سول اللہ صلی اللہ علیہ وسلم طرقہ
...ۃ بنت النبی صلی اللہ علیہ وسلم لیلۃ
...الا تصلیان فقلت یا رسول اللہ
...نا بید اللہ فاذا شاء ان یبعثنا
...انصرف حین قلت ذلك ولم یرجع

حضرت علی بن ابی طالب رضی اللہ عنہ بیا...
ہیں ایک رات نبی صلی اللہ علیہ وسلم میرے اور...
بنت رسول صلی اللہ علیہ وسلم کے پاس آئے اور...
تم نماز نہیں پڑھتے! میں نے کہا یا رسول اللہ...
جانیں اللہ کے قبضہ میں ہیں جب وہ ہمیں اٹھانا...
تو اٹھا دیتا ہے! جب میں نے یہ کہا تو نبی صلی...

ये रहा आपके इल्ज़ाम का एक और जवाब हज़रत उमर रदियल्लाहो तआला अनहों ने इसलिए मना किया क्योंकि आप समझते थे कि हुज़ूर अलैहिस्सलाम अभी फोत नही होंगे

2:54 PM ✓

You

ये रहा आपके इल्ज़ाम का एक और जवाब हज़रत उमर रदियल्लाहो तआला अनहों ने इसलिए मना किया क्योंकि आप...

शर: सही मुस्लिम

2:54 PM ✓

Islahi groupe

Arshad raza, Lala, Sadiq WARSI, Shoeb, S...

+91 98791 51666 ~Bad Boy💋💋

You

📷 ये रहा आपके इल्ज़ाम का एक और जवाब हज़रत उमर रदियल्लाहो तआला अनहों ने इसलिए मना किया क्योंकि आप...
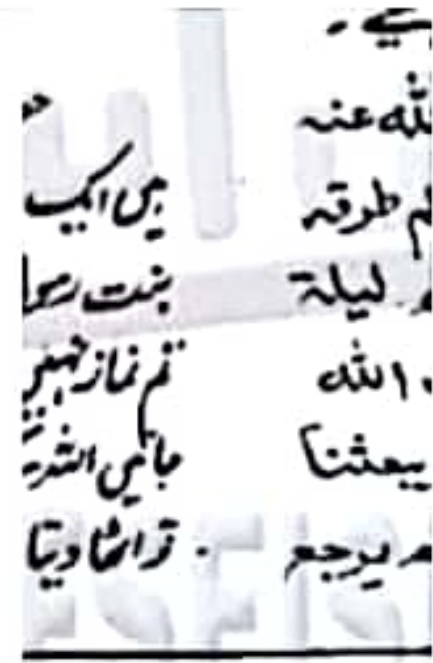
Hahahaha...ap ne to omar ko HUZOOR S.A.W par tarzii de dii...aap ne chasma pehn liya hai ab ....HUZOOR S.A.W keh de baat khatam ...kisi ki marji ya soch nahi chalti janab ...omar ne kya socha us par islam nahi ...k abu bakr ne kya socha .. 2:56 PM

+91 98791 51666

Hahahaha...ap ne to omar ko HUZOOR S.A.W par tarzii de dii...aap ne chasma pehn liya hai ab ....HUZOOR S.A.W keh d...

Iska jwaab pichli do Hadeeso me mojood hai 2:57 PM ✓

+91 98791 51666 ~Bad Boy💋💋

HUZOOR S.A.W ne kaha kagaj aur kalam do...to dena hai .. 2:57 PM

Islahi groupe
Arshad raza, Lala, Sadiq WARSI, Shoeb, S...

> **You**
> में नमाज़ ज़कात गुलामो और बांदियों के साथ हुस्न ए सुलूक की वसीयत करता हु

Hazrat Ali ne bhi nahi diya jabki unke saamne bayan bhi kar diya kya Wasiyyat thi
2:58 PM

Ab aapka qayas aapke paas rakho
2:58 PM

+91 98791 51666 ~Bad Boy

Hahahah...bhai aap kya kehte ho aap ko pata hi nahi chal raha ..aik baar kehte ho kagaj nahi diya....OMAR NE YE WO SOCHA....aik baar kehte ho de diya
2:58 PM

> **+91 98791 51666**
> Hahahah...bhai aap kya kehte ho aap ko pata hi nahi chal raha ..aik baar kehte ho kagaj nahi diya....OMAR NE YE WO S...

Huzoor Alaihissalam ne apni Wasiyyat ke MUTALLIQ sirf ek baar nahi farmaya
2:59 PM

Islahi groupe
Arshad raza, Lala, Sadiq WARSI, Shoeb, S...

Ye teeno hadees gawah hai 2:59 PM ✓

Aapne apni Wasiyyat Hazrat Ali Radiyallaho TA'ALA Anho se bayan kardi 2:59 PM ✓

+91 98791 51666 ~Bad Boy

Bukari sahab ki hadees send kar deta hu 2:59 PM

Jise Imam Bukhari ne 2 jagah aor Imam muslim ne bhi nakal farmaaya hai 2:59 PM ✓

+91 98791 51666 ~Bad Boy

Jis me omar ne kya kaha wo padh le aur fir nakki kare ...sayd siyo ne is ko umer diya ye nahi kehna 3:00 PM

Waise omar ko baad me lete hai 3:00 PM

Abhi abu bakr par raho 3:00 PM

Us k iman par hi 3:00 PM

Islahi groupe

Arshad raza, Lala, Sadiq WARSI, Shoeb, S...

> **You**
> ये रहा आपके इल्ज़ाम का एक और जवाब हज़रत उमर रदियल्लाहो तआला अनहों ने इसलिए मना किया क्योंकि आप...
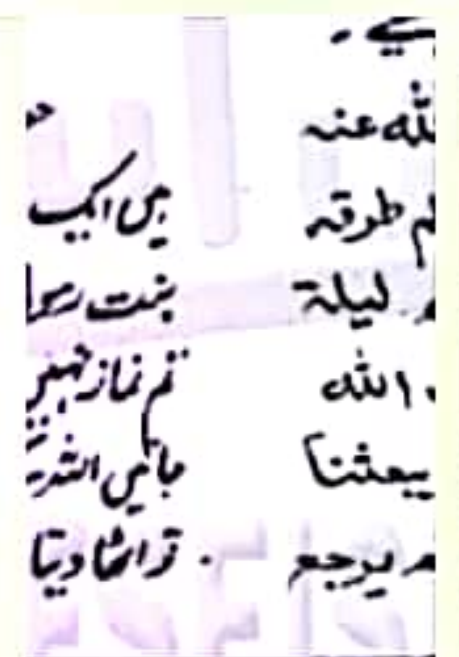
Ye raha aapke ilzaam ka jawab

3:00 PM ✓

Is par 2 Hadees pehle hi bhej chuka

3:01 PM ✓

Lekin ankhe band karli to koi kya dekhe

3:01 PM ✓

+91 98791 51666 ~Bad Boy💋💋

> **You**
> ये रहा आपके इल्ज़ाम का एक और जवाब हज़रत उमर रदियल्लाहो तआला अनहों ने इसलिए मना किया क्योंकि आप...
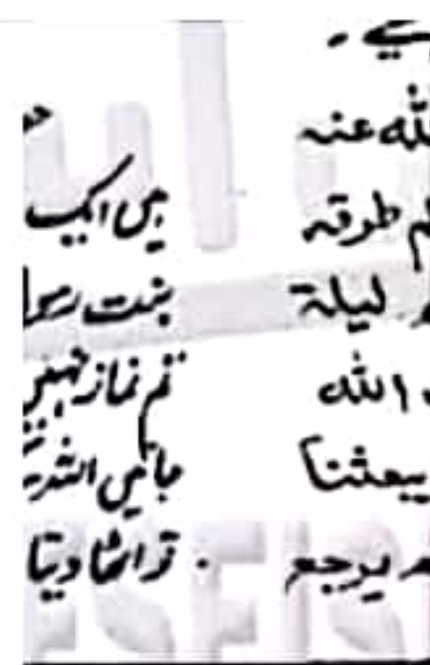
Hahahahaha...ab aap bilkul alag gaee....khatoon e jannat hai ...jo taheer hai aap samj hi nahi saqe ...khair abu bakr par aao ye sab baad me

3:02 PM

Islahi groupe

Arshad raza, Lala, Sadiq WARSI, Shoeb, S...

Beech me aap laye Dawa aapka jise radd kar chuka daleel aapke paas nahi apa Mozu se bhi bhag rahe fir bhi apni nakli ha ha ha se bebasi chupa rahe

3:03 PM ✓

+91 98791 51666 ~Bad Boy💋💋

Aap ne dusra bohtan lagaya hai bibi s.a par

3:03 PM

Insha allah ye namaz wala jawab dunga aap ko

3:03 PM

Abu Bakar siddiq par to me quraan aor hadees se jawab de chuka

3:03 PM ✓

+91 98791 51666 ~Bad Boy💋💋

> **You**
> Beech me aap laye Dawa aapka jise radd kar chuka daleel aapke paas nahi apa Mozu se bhi bhag rahe fir bhi apni nakli ...

Aap jawab de de ki bibi s.a gaee k nahi fadaq lene

3:03 PM

Islahi groupe

Arshad raza, Lala, Sadiq WARSI, Shoeb, S...

Jwab quraan se de chuka 3:04 PM ✓

Aor usool se bhi 3:04 PM ✓

+91 98791 51666 ~Bad Boy💋💋

> You
> Abu Bakar siddiq par to me quraan aor hadees se jawab de chuka

Ye sab abu bakr nahi janta tha...us ne ye hawale nahi diye 3:04 PM

Kitabe dekh le bhai jaan 3:04 PM

Abu bakr ne kya jawab diya 3:04 PM

क़ुरआन मजीद पर ज़ईफ़ रिवायात क़ुरआन को रद्द नही करती न ही वो रिवायतें जिनके और भी कई माने हो 3:04 PM ✓

+91 98791 51666 ~Bad Boy💋💋

Par aap pehle jawab de ki bibi s.a fadaq lene abu bakr k pass gaee k nahi 3:05 PM

Islahi groupe

Arshad raza, Lala, Sadiq WARSI, Shoeb, S...

Me quraan pesh kar Raha hu Apa quraan se bhag rahe hai 3:05 PM ✓

+91 98791 51666 ~Bad Boy💋💋

Par aap pehle jawab de ki bibi s.a fadaq lene abu bakr k pass gaee k nahi 3:05 PM

Par aap pehle jawab de ki bibi s.a fadaq lene abu bakr k pass gaee k nahi 3:05 PM

To aap pakka jawab de do 3:05 PM

اور وہ جو یہ سچ لے کر تشریف لائے اور وہ
جس نے ان کی تصدیق کی یہی پرہیز گار ہیں -

और वो जो सच ले कर तशरीफ़ लाए, और वो जिसने उनकी तस्दीक की यही परहेज़गार है (सूरः सूरः अल ज़ुमर आयत 33)

इस आयत की तफसीरे में तफसीरे कबीर में हज़रत अली रदियल्लाहो तआला अनहों का क़ोल नकल करते हैं फरमाते है, "और वो जो सच ले कर तशरीफ़ लाए" से मुराद नबी

Islahi groupe

Arshad raza, Lala, Sadiq WARSI, Shoeb, S...

जो सच ले कर तशरीफ़ लाए" से मुराद नबी करीम सलल्लाहु तआला अलैहि व सल्लम हैं। "और वो जिसने इसकी तस्दीक की" से मुराद हज़रत अबू बकर सिद्दीक़ हैं।
(तफसीरे कबीर सूरः ज़ुमर आयत 33)
इसके अलावा बाज़ तफ़ासीर में और भी क़ोल मौजूद है तस्दीक करने वाले तमाम मोमिनीन है। इससे हज़रत अली रदियल्लाहो तआला अनहों के इस क़ोल कि नफ़ी नहीं होती। बल्कि हासिल ए कलाम ये होता है कि ये आयत ए करीमा हज़रत के अबू बकर सिद्दीक़ रदियल्लाहो तआला अनहों की सिद्दिकीयत में अफ़ज़लियत बयान करती है और उनके बाद तमाम आने वाले उम्मती भी जो दिल से ईमान लाये और नेक काम करे वो सिद्दीक़ यानी सच्चे कहलायेंगे। तभी तो शरीयत में मोमिन की गवाही मोअतबर होगी।
बाहर हाल क़ुरआन ए मजीद की आयत ए मुबारका और हज़रत अली करामल्लाहु वजहुल करीम रदियल्लाहो तआला अन्हो की गवाही भी हज़रत ए सिद्दीक़ ए अकबर के ईमान को साबित करता है

3:05 PM ✓

Islahi groupe
Arshad raza, Lala, Sadiq WARSI, Shoeb, S...

हुज़ूर अलैहिस्सलातो व अस्सलाम ने कभी शरीयत की मुखालिफत नहीं कि फिर वो क़ुरआन की मुखालिफत कैसे करेंगे देखो क़ुरआन मजीद ने क्या इर्शाद फरमाया है:-

وَ مَآ اَفَآءَ اللّٰهُ عَلٰی رَسُوْلِهٖ مِنْهُمْ فَمَآ اَوْجَفْتُمْ عَلَيْهِ مِنْ خَيْلٍ وَّ لَا رِكَابٍ وَّ لٰكِنَّ اللّٰهَ يُسَلِّطُ رُسُلَهٗ عَلٰى مَنْ يَّشَآءُ-وَ اللّٰهُ عَلٰى كُلِّ شَیْءٍ قَدِيْرٌيه(٦)

और अल्लाह ने अपने रसूल को उनसे जो افا (माल ए फ़ै जो बिना लड़े हाथ आये ये माल के गनीमत ही कि एक किसम है) तो तुमने उस पर न अपने घोड़े दौड़ाए थे और न ऊंट हाँ अल्लाह अपने रसूलो को जिस पर चाहता है ग़लबा देता है। अल्लाह हर शै पर खूब क़ादीर है।

(सूरः हश्र आयत 6)

अल्लाह तआला ने खुद फरमा दिया कि माल ए फ़ै'ए क्या है अब आगे इसका तसर्रुफ़ कैसे करना है ये भी बता दिया।

Islahi groupe

Arshad raza, Lala, Sadiq WARSI, Shoeb, S...

अल्लाह तआला ने अपने रसूल को शहर वालो से जो गनीमत दिलाई। तो वो अल्लाह और उसके रसूल के लिए है, और रिश्तेदारों के लिए और यतीमों के लिए और मिस्कीनों के लिए ओर मुसाफिरों के लिए है। ताकि वो दौलत तुम्हारे माल दारों के दरमियान ही गर्दिश करने वाली न हो जाए। और रसूल जो कुछ तुम्हे दे ले लो। और जिससे तुम्हे मना फरमाए, तो तुम बाज़ रहो। और अल्लाह से डरो। बेशक अल्लाह साख्त अज़ाब देने वाला है।

(सूरः ए हश्र आयात 7)

इसके बाद वाली आयत में

उन फकीर मुहाजिरों के लिए जो अपने घरों और अपने मालो से निकाले गए , इस हाल में की अल्लाह की तरफ से फ़ज़्ल और रज़ा चाहते हैं और वो अल्लाह और उसके रसूल की मदद करते हैं वही सच्चे लोग हैं।

(सूरः हश्र आयात 8)

Islahi groupe
Arshad raza, Lala, Sadiq WARSI, Shoeb, S...

इसके बाद वाली सूरत में

और वो जिन्होंने उन (मुहाजिरों) से पहले इस शहर को और ईमान को ठिकाना बना लिया, वो अपनी तरफ हिजरत करने वालो से मुहब्बत करते हैं। और वो इसके मुताल्लिक़ अपने दिलो में कोई हसद नहीं पालते जो उनको दिया गया और वो अपनी जानो पर तरजीह देते हैं अगरचे उन्हे खुद हाजत हो। और जो अपने नफ़्स के लालच से बचा लिया गया। तो वही लोग कामियाब हैं।
(सूरः हश्र आयत 9)

माल ए फ़ै'ए में अल्लाह तआला ने आल्लाह और उसके रसूल और रिश्ते दारों के लिए, यतीमो के लिए मिस्कीनों के लिए मुसाफिरों के लिए, फकीर व मुहजीरीन के लिए, अंसारो के लिए तक़सीम के लिए इन आयात में हुक़्म फरमा दिया।

जब रब्बे क़दीर का हुक़्म मौजूद है तो क्या मआज़ अल्लाह मेरा नबी सलल्लाहु तआला अलैहि वसल्लम मआज़ अल्लाह सुम्मा मआज़ अलाल अल्लाह के हुक़्म की न फर्मानी करते

Islahi groupe

Arshad raza, Lala, Sadiq WARSI, Shoeb, S...

अलाल अल्लाह के हुक़्म की न फर्मानी करते हुवे उस माल का मालिक हज़रत फातिमा को बना दिये??? ये नस्से क़तई के साख्त खिलाफ रिवायत जो अहले तशई की जानिब से गांढी हुई है।

3:06 PM ✓

+91 98791 51666 ~Bad Boy

> **You**
> اور وہ جو یہ سچ لے کر تشریف لائے اور وہ جس نے ان کی تصدیق کی یہی پرہیز گار ہیں ۔
> ...

Bhai jab mai ne abu bakr ko pehle se aaya to aap ne bola mara kaise wo batao

3:06 PM

Par aap pehle jawab de ki bibi s.a fadaq lene abu bakr k pass gaee k nahi

3:06 PM

Apako quraan me shak hai kya

3:06 PM ✓

Islahi groupe

Arshad raza, Lala, Sadiq WARSI, Shoeb, S...

+91 98791 51666 ~Bad Boy💋💋

Par aap pehle jawab de ki bibi s.a fadaq lene abu bakr k pass gaee k nahi

3:07 PM

Kya Allah TA'ALA ko in Mushajerat ka ilm nahi tha ki ye honge aor quraan me unke liye Aayat nazil kardi

3:07 PM ✓

+91 98791 51666 ~Bad Boy💋💋

Par aap pehle jawab de ki bibi s.a fadaq lene abu bakr k pass gaee k nahi

3:07 PM

Kya ALLAH KE ILM PAR BHI AAPKO SHAK HAI

3:07 PM ✓

+91 98791 51666 ~Bad Boy💋💋

Par aap pehle jawab de ki bibi s.a fadaq lene abu bakr k pass gaee k nahi

3:08 PM

Bhaag rahe ho muze se 3:08 PM

Islahi groupe

Arshad raza, Lala, Sadiq WARSI, Shoeb, S...

+91 98791 51666 ~Bad Boy💋💋

Par aap pehle jawab de ki bibi s.a fadaq lene abu bakr k pass gaee k nahi

3:08 PM

Apni bugz ki patti utaro ankho se

3:08 PM ✓

+91 98791 51666 ~Bad Boy💋💋

Aap ko abu bakr par hi yakeen hai

3:08 PM

Copy past se kuch Hasil nahi hoga

3:08 PM ✓

+91 98791 51666 ~Bad Boy💋💋

Sare jawab deta hu ..bus mere sawal ka jawab de janab aap

3:08 PM

Mujhe mere Rab par yakeen e Kamil hai woh kisi munafiq ki shaan quraan me bayan. Ahi karega

3:09 PM ✓

Islahi groupe

Arshad raza, Lala, Sadiq WARSI, Shoeb, S...

+91 98791 51666 ~Bad Boy💋💋

> **You**
> Copy past se kuch Hasil nahi hoga

Hahahaa...aap ka abu bakr yahi kafeer hai aap ko pata hai ...agar nahi to jawab de dena chahiee 3:09 PM

Par aap pehle jawab de ki bibi s.a fadaq lene abu bakr k pass gaee k nahi 3:09 PM

Jab mere Rab ne Quraan me shaan bayan kardi fir kisi aire gere ko quraan par etraz ka haq nahi banta 3:09 PM ✓

+91 98791 51666

Aap k quraan k hawale hadees sab exept ...par jawab de na chahiee aap k 3:09 PM

Mujhe mere Rab par yakeen e Kamil hai woh kisi munafiq ki shaan quraan me bayan. Ahi karega 3:10 PM

Islahi groupe

Arshad raza, Lala, Sadiq WARSI, Shoeb, S...

+91 98791 51666 ~Bad Boy💋💋

To jawab de dona bhai jaan ki bibi s.a gaee k nahi fadak lene 3:10 PM

Jab mere Rab ne Quraan me shaan bayan kardi fir kisi aire gere ko quraan par etraz ka haq nahi banta

3:10 PM ✓

+91 98791 51666 ~Bad Boy💋💋

To jawab de dona bhai jaan ki bibi s.a gaee k nahi fadak lene 3:10 PM

Aap sunnat e abu bakr omaar par ho ...farari rasta hai 3:11 PM

Bus jawab do pehle aap 3:11 PM

Ye kafeer hai aur kufr hi kiya hai aap ko pata chal gaya hai 3:11 PM

Sadar sahab ye Sharait or usool se bhag rahe hai 3:12 PM ✓

Islahi groupe
Arshad raza, Lala, Sadiq WARSI, Shoeb, S...

+91 98791 51666 ~Bad Boy💋💋
Aap jawab de do thos k bibi s.a gaee k nahi ..?
3:12 PM

Aapme daawe ki dhajjiya me uda chuka quraan se
3:12 PM ✓

+91 98791 51666 ~Bad Boy💋💋
> You
> Sadar sahab ye Sharait or usool se bhag rahe hai

Hahahaha...jawab de nahi rahe ..khud abu bakr aise nahi bachega...jawab bagair
3:12 PM

+91 98791 51666 ~Bad Boy💋💋
> You
> Aapme daawe ki dhajjiya me uda chuka quraan se

Are bhai ye kafeer hai ...pehle jawab to do k bibi s.a gaee k nahi
3:13 PM

Itna ilm rakhte hai ...ki aap jawab nahi de saqte ho ...fir bhi kafeer ko bacha rahe hai aap bhai jan
3:13 PM

Islahi groupe
Arshad raza, Lala, Sadiq WARSI, Shoeb, S...

Maaz Allah bina dalil ke kafir kahna kharjiyat Aor Rafziyat hi hai 3:14 PM ✓

Aapke paas koi dalil nahi bas bak bak hai 3:15 PM ✓

+91 98791 51666 ~Bad Boy💋💋
Are aap jawab to de janab e wali 3:15 PM

Aap jawab to de nahi rahe sirf haa ya naa 3:15 PM

Jawab me de chuka quraan ke 3:15 PM ✓

+91 98791 51666 ~Bad Boy💋💋
Mai ne sawal ye pucha hai ki bibi s.a fadaq lene gaee k nahi ... 3:16 PM

DAWA aapka he daleel me kyu du janaab aapko yahi samajh nahi a rahi hai 3:16 PM ✓

+91 98791 51666 ~Bad Boy💋💋
Dalil kaha mang raha hu 3:16 PM

Islahi groupe
Arshad raza, Lala, Sadiq WARSI, Shoeb, S...

Bas copy past thoke ja rahe hai
3:17 PM ✓

AAPNE DALIL DI HI KAHA HAI
3:17 PM ✓

+91 98791 51666 ~Bad Boy💋💋
Jawab hai gaee k nahi ...iyna to abu bakr nahi dara bhai jaan
3:17 PM

4 din se bas bhaag rahe ho 3:17 PM ✓

+91 98791 51666 ~Bad Boy💋💋
Hahahah...bhagna sikha nahi janab
3:17 PM

Abu Bakar woh hai jo apne rabb ke siwa kisi se nahi darta
3:17 PM ✓

Woh dikh raha hai 3:18 PM ✓

+91 98791 51666 ~Bad Boy💋💋
Aap jawab de nahi rahee sab dekh k samj gaeee k aap ne abu bakr ki tarah bhagne ka rasta pakada hai
3:18 PM

Islahi groupe

Arshad raza, Lala, Sadiq WARSI, Shoeb, S...

Faltoo baato me na jaee janab 3:18 PM

Jawab de dijiee ki bibi s.a gaee ka nahi 3:18 PM

Woh to aap ja rahe hai 3:18 PM ✓

Quraan se de chuka 3:18 PM ✓

+91 98791 51666 ~Bad Boy💋💋

> You
> Quraan se de chuka

Hahahahhaa 3:18 PM

Jao islah kar lo bhai 3:18 PM

Ghar jaa k khud se puchna ki aik talib e ilm ko jawab nahi de raha 3:19 PM

Mera sawal simple hai bhai jawab bhi simpl de do 3:19 PM

Bad me abu bakr ki awqat dilhata hu aap ko 3:19 PM

Pehle aap jawab de do bus 3:19 PM

जब ये ज़्यादा ज़िद करने लगे मेंने तमाम जिरह जो बाग़ ए फ़िदक के एक एक रावी पर क़ायम थी वो पेश की जिससे साबित हुआ कि इसके मुताल्लिक़ जो हदीस किताबो में है कि हुज़ूर अलैहिसालाम ने फ़िदक हज़रत फातिमा को हिबा किया ये सबाई राफ़ज़ीयो की गाढ़ी हुई थी। और इमाम बुखारी रहमतुल्लाह अलैहि ने जो फ़िदक के मसअले पर हदीस नकल की उसमे जो अल्फ़ाज़ की "बस सैय्यदा नाराज़ हो गईं और फिर हज़रत अबू बकर सिद्दीक़ को छोड़े रखा यहाँ तक कि उनका वीसाल हो गया"। ये खातून ए जन्नत के अल्फ़ाज़ ही नही है। बल्कि ये रावी के इज़ाफ़ा करदा अल्फ़ाज़ हैं। और इस हदीस का एक रावी जिसका नाम अब्दुल अजीज बिन अब्दुल्लह के मुताल्लिक़ अल मीज़ान उल ऐतदाल में है कि ये मुनकिर ए हदीस था यानी ये मझूल रावी है। इस बहस से इनकी आखरी हरबा भी खत्म हो गया। लेकिन जब इनके पास कोई चारा न बचा तो इन्होंने अज़हर को मुज़ोरी करने के लिए शराइत के बर

खिलाफ msg करने की इजाज़त दी। फिर खल्त मबहस जो ये बार बार कर रहै थे और बिना दलील हज़रत अबू बकर सिद्दीक़ रदियल्लाहो तआला अनहों के लिए मआज़ अल्लाह सुम्मा मआज़ अल्लाह लफ्ज़ काफिर इस्तेमाल कर रहे थे। ये देखते हुवे सदर मोहतरम ने इस बहस को वही खत्म कर ग्रुप बन्द कर दिया।

علمائے امامیہ کی مذکورۂ بالا کتابوں مین جو حدیثین اور روایتین پیش کی گئی ہین جنکو وہ

سینوں کی روایت کہتے ہین اونکی تکرار اور نقل در نقل کو حذف کر کے دو قسم کی مفصلۃ الذیل روایتین

پائی جاتی ہین - ایک وہ جنمین پوری تفصیل راویوں کی لکھی گئی ہے. دوسری وہ جسمین یا صرف منقول عنہ

کتاب کا نام ہے یا بجائے پوری سند بیان کرنیکے صرف بعض راویوں کے نام لکھدیے ہین۔ اول

قسم مین چار اور دوسری قسم مین پانچ روایتین ہین - اول قسم کی روایتین یہ ہین -

ایک وہ روایت جو طرائف مین سید الحفاظ ابن مردویہ سے نقل کی گئی ہے اور جسکو عماد الاسلام

اور دوسری کتابوں مین بھی نقل کیا ہے اسکے بیان کرنے والے راوی حسب ذیل ہین اول محی السنہ

ابو الفتح عبدوس بن عبداللہ ہمدانی دوسرے قاضی ابو نصر شعیب بن علی تیسرے موسیٰ

بن سعید چوتھے ولید بن علی پانچوین عباد بن یعقوب چھٹے علی بن عباس ساتوین

فضیل آٹھوین عطیہ نوین ابو سعید جنپر روایت کا سلسلہ ختم ہوتا ہے -

دوسری وہ روایت جو بحار الانوار مین بحذف اسانید اور تفسیر مجمع البیان طبرسی مین بہ تفصیل

اسناد بیان کی گئی ہے اور اوسکے راوی یہ ہین - اول سید ابو حمید مہدی بن نزار حسینی دوسرے

حاکم ابو القاسم بن عبداللہ الحسکانی تیسرے حاکم الوالد ابو محمد چوتھے عمر بن احمد بن عثمان

پانچوین عمر بن حسین ابن علی بن مالک ست چھٹے جعفر بن محمد احمصی ساتوین حسن بن حسین آٹھوین ابو معمر بن سعید نوین ابو علی قاسم کندی دسوین یحییٰ بن یعلی گیارھوین علی بن مسھر بارھوین فضیل بن مرزوق تیرھوین عطیہ کوفی چودھوین ابو سعید خدری۔

تیسری۔ وہ روایت جسکو بحار الانوار مین سید ابن طاؤس کی کتاب سعد السعود سے نقل کیا ہے اور اونھون نے تفسیر محمد بن عباس بن علی بن مروان سے نقل کیا ہے۔ اسکے راوی اول محمد بن محمد بن سلیمان اعبدی ہین دوسرے ہیثم بن خلف دوری تیسرے عبد اللہ بن سلیمان بن اشعث چوتھے محمد بن قاسم بن زکریا پانچوین عباد بن یعقوب چھٹے علی بن عابس (یہ حقیقت مین علی بن عباس ہے) ساتوین جعفر بن محمد حسینی آٹھوین علی بن منذر طریقی نوین فضیل بن مرزوق دسوین عطیہ عوفی گیارھوین ابو سعید خدری۔

چوتھی۔ وہ روایت جو ملا باقر مجلسی نے بحار الانوار مین لکھی ہے۔ اوسکے اول راوی محمد بن عباس ہین دوسرے علی بن عباس مقانعی تیسرے ابو کریب چوتھے معاویہ پانچوین فضیل بن مرزوق چھٹے عطیہ ساتوین ابو سعید خدری۔

اور دوسری قسم کی روایتین یہ ہین۔

پہلی وہ روایت جو کنز العمال سے عماد الاسلام مین نقل کی ہے۔ اسکو حاکم کی تاریخ سے لیا ہے اور اوسمین دو راویون کے نام منقول ہین ایک ابراہیم بن محمد بن میمون دوسرے علی بن عابس بن النجار۔ ان راویون نے اپنی سند کا سلسلہ ابو سعید تک پہونچایا ہے۔

دوسری وہ روایت جو عماد الاسلام وغیرہ مین درمنثور سیوطی سے بلا حوالہ سند نقل کی ہے اور طعن الرماح مین ادسیر اتنا اور بڑھایا ہے کہ بزّار اور ابو یعلی اور ابن حاتم اور ابن مردویہ نے اسے ابو سعید خدری سے نقل کیا ہے۔

تیسری جو بحار الانوار وغیرہ مین لکھی ہے کہ عبد الرحمن بن صالح کہتے ہین کہ مامون نے عبید اللہ بن موسیٰ سے فدک کا حال تحریراً دریافت کیا تو اونھون نے اسی حدیث کو جسکا

ذکر سید مہدی بن نزار حسینی نے کیا ہے لکھ بھیجا اور اوسکو فضیل بن مرزوق نے عطیہ سے روایت کیا ہے۔ اسمین دو نام مذکور ہین ایک فضیل بن مرزوق دوسرے عطیہ۔

چوتھی وہ روایت ہے جو طرائف مین بشر بن الولید اور واقدی اور بشر بن غیاث سے بیان کی ہے جس مین سلسلۂ اسناد محذوف ہے۔ اور اسی کو بحوالۂ واقدی قاضی نور اللہ تستری نے احقاق الحق مین نقل کیا ہے۔

پانچوین وہ روایت جو معارج النبوت اور مقصد اقصی سے عماد الاسلام وغیرہ مین نقل کی گئی ہے یہ ہے کل مایۂ ناز علمار امامیہ کا اور یہ ہے مجموعہ اون تمام روایتون کا جسکو وہ بہت بڑے زور شور سے سنیون کے مقابلے مین ہبۂ فدک کے ثابت کرنے کے لیے پیش کرتے ہین۔ اور چونکہ یہ روایتین مختلف طور سے اور مختلف موقع پر بحث فدک مین بیان کی جاتی ہین بیچارے ناواقف سنی اونھین دیکھکر گھبرانے لگتے ہین اور یہ سمجھکر کہ یہ روایتین تو ہماری ہی کتابون سے نقل کی گئی ہین اور غالباً صحیح ہونگی حیران رہجاتے ہین۔ اور اکثر لوگون کو خلجان اور اپنے عقائد مین شبہ پیدا ہونے لگتا ہے۔ مگر اب کہ ہمنے اون سب کو ایک جگہ جمع کر دیا اس سے دیکھنے والون کو معلوم ہو سکے گا کہ سلسلہ ان تمام روایتون کا ابو سعید پر ختم ہوتا ہے اور ابو سعید سے عطیہ نے اور عطیہ سے فضیل بن مرزوق نے آگے چلایا ہے۔ اور انھین سے اس روایت کا سلسلہ آیندہ بڑھا ہے۔ غرضکہ جو کچھ پھل پھول اسمین لگائے گئے ہین اوسکی جڑ ابو سعید ہین۔ مگر ابو سعید کے نام مین ایک عجیب دھوکا دیا گیا ہے جس سے ناظرین کو شبہ ہوتا ہے کہ یہ ابو سعید ابو سعید خدری ہین جو صحابی تھے حالانکہ یہ ابو سعید ابو سعید خدری نہین ہین بلکہ یہ وہ ابو سعید ہے جو کلبی کے خطاب سے مشہور اور صاحب تفسیر ہین۔ اونکے بہت سے نام اور مختلف کنیتین ہین۔ اور اسی سبب سے لوگون کو اکثر انکے نام مین دھوکا ہو جاتا ہے۔ کبھی انکا نام محمد بن سائب کلبی سے لیا جاتا ہے۔ اور کبھی حماد بن سائب کلبی کہکر پکارے جاتے ہین۔ اور اونکی تین کنیتین ہین ایک ابو نصر اور دوسری ابو ہشام اور تیسری ابو سعید۔ اور انھین سے

عطیۂ عوفی روایت کرتے ہین۔ اور چونکہ عطیۂ عوفی شیعہ تھے وہ اس قسم کی حدیثون کو اپنے شیخ
ابوسعید کلبی سے اسطور پر روایت کرتے ہین کہ جس سے دھوکا ہو کہ یہ ابوسعید خدری صحابی سے
روایت ہے کیونکہ وہ حدثنا یا قال ابوسعید کہکر چپ ہو جاتے ہین کلبی یا اور مشہور نام اونکا نہین
لیتے تاکہ لوگون کو شبہ ہو کہ یہ روایت جس سے یہ روایت کرتے ہین وہ ابوسعید خدری صحابی
ہین چنانچہ یہ مغالطہ ظاہر ہو گیا اور راونکی یہ ہوشیاری کھل گئی۔ تاکہ عطیہ اور کلبی کا اصلی حال
اور اصلی اعتقاد ظاہر ہو جائے اور یہ امر کہ عطیہ کی روایت ابوسعید کلبی سے ہے نہ کہ ابوسعید خدری
سے کھل جائے ہم اول عطیہ کا اور پھر ابوسعید کلبی کا حال اسماء الرجال کی کتابون سے بیان
کرتے ہین۔ اور اوس پردے کو جو ایک مدت دراز سے ان روایتون پر پڑا ہوا تھا اوٹھاتے ہین
عطیہ۔ جنھون نے اس روایت کو ابوسعید سے بیان کیا ہے اونکی نسبت تقریب مین جو معتبر
کتاب اسماء الرجال کی ہے لکھا ہے کہ وہ روایت مین خطا بھی کرتے تھے اور تدلیس بھی فرماتے
تھے اور شیعہ بھی تھے کما یقول عطیۃ بن سعد الکوفی یخطئ کثیرا وکان شیعیا مدلسا
اول تو انکی روایت بہ سبب اسکے کہ وہ بہت خطا کرتے تھے یقین کے قابل نہین دوسرے بوجہ
تدلیس کے پایۂ اعتبار سے ساقط ہے تیسرے بہ لحاظ شیعہ ہونیکے یہ روایت شیعونکی ہے نہ کہ سنیونکی
روایت مین خطا کرنا اور شیعہ ہونا یہ دو چیزین محتاج بیان نہین ہین مگر تدلیس کیا چیز ہے
اور راوی مین یہ عیب کس درجے کا خیال کیا جاتا ہے البتہ قابل بیان ہے تاکہ ناظرین اس روایت
کی صحت کا صرف ایک تدلیس کے سبب سے اندازہ کر سکین۔ ابن جوزی تدلیس کو روایت
مین اس قدر قبیح اور شنیع سمجھتے ہین کہ وہ تلبیس ابلیس مین لکھتے ہین ومن تلبیس ابلیس
علی علماء المحدثین روایۃ الحدیث الموضوع من غیر ان یبینوا انہ موضوع وھذا خیانۃ منہم
علی الشرع ومقصودھم تنفیق احادیثہم وکثرۃ روایاتہم وقد قال النبی من روی عنی حدیثا
یری انہ کذب فھو احد الکاذبین ومن ھذا الفن تدلیسھم فی الروایۃ فتارۃ
یقول احدھم فلان عن فلان او قال فلان عن فلان یوھم انہ سمع منہ ولم یسمع

وھذا اقبح لانہ یجعل المنقطع فی مرتبۃ المتصل انتھی یعنی علما محدثین کو ابلیس حدیث موضوع کی روایت کرنے مین یہ دھوکا دیتا ہے کہ وہ یہ بیان نہین کرتے کہ یہ حدیث موضوع ہے حالانکہ یہ بات اونکی شرع مین خیانت ہے اور اونکا اپنی احادیث کا جاری کرنا اور کثرت سے روایات کا ہونا مقصود ہوتا ہے۔ اور پیغمبر صلعم نے فرمایا ہے کہ جو شخص میری طرف سے کوئی حدیث روایت کرے اور وہ یہ جانتا ہو کہ وہ حدیث جھوٹی ہے تو وہ خود بھی جھوٹون کا ایک جھوٹا ہے۔ اور فن حدیث مین روایت کی تدلیس یہ ہے کہ راوی یہ کہے فلان نے فلان سے یا فلان نے کہا فلان سے جس سے وہم دلاتا ہے کہ فلان نے فلان سے سنا ہے حالانکہ نہین سنا تو یہ بہت بری بات ہے اسلیے کہ راوی حدیث منقطع کو (جس کا راوی بیچ مین سے جھوٹا ہو) متصل کے (جس کے راوی برابر مسلسل ہون) برابر کرنا چاہتا ہے۔ انتھی۔

اور میزان الاعتدال مین انکی نسبت لکھا ہے عطیۃ بن سعد العوفی الکوفی تابعی شھیر ضعیف ... قال سالم المرادی کان عطیۃ یتشیع وقال احمد ضعیف الحدیث وکان ھشیم یتکلم فی عطیۃ وروی ابن المدینی عن یحیی قال عطیۃ وابو ھارون وبشر بن حرب عندی سواء وقال احمد بلغنی ان عطیۃ کان یاتی الکلبی فیاخذ عنہ التفسیر کان یکنیہ بابی سعید فیقول قال ابو سعید قلت یعنی یوھم انہ الخدری وقال النسائی وجماعۃ ضعیف یعنی عطیہ بن سعد عوفی کوفی تابعی مشہور ضعیف ہے اور ابو حاتم کہتے ہین کہ اونکی حدیث ضعیف ہے۔ اور سالم مرادی کہتے ہین کہ عطیہ شیعہ تھا۔ اور امام احمد کہتے ہین کہ وہ ضعیف الحدیث ہے۔ اور ہشیم کو عطیہ مین کلام ہے۔ اور ابن مدینی نے یحیی سے روایت کی ہے کہ وہ کہتے ہین کہ عطیہ اور ابو ہارون اور بشر بن حرب میرے نزدیک برابر ہین۔ اور امام احمد کہتے ہین کہ مجھے یہ خبر پہونچی ہے کہ عطیہ کلبی کے پاس آتے اور اونسے تفسیر لیتے اور اوسے ابو سعید کے نام سے لکھدیتے اور یون کہتے کہ ابو سعید نے

ایسا کہا ہے۔ ذہبی کہتے ہین کہ اس سے مراد یہ ہے کہ مقصود اونکا یہ ہوتا کہ لوگ یہ سمجھین کہ یہ
ابو سعید خدری ہین۔ اور نسائی اور ایک جماعت نے اونکو ضعیف بتایا ہے۔ اور سخاوی نے
رسالۂ منظومۂ جزری مین جو اصول حدیث مین ہے باب من لہ اسماء مختلفۃ ونعوت متعددۃ
مین جہان کلبی کا ذکر لکھا ہے وہان یہ بیان کیا ہے وھو ابو سعید الذی روی عنہ عطیۃ
العوفی موھما انہ الخدری کہ یہی کلبی ابو سعید کی کنیت سے بھی پکارے جاتے ہین۔ اور عطیہ عوفی
اونسے جو روایت کرتے ہین وہ اسی کنیت سے یعنی قال ابو سعید کہکر روایت کرتے ہین۔
تا کہ لوگون کو یہ خیال ہو کہ یہ ابو سعید خدری ہین۔

اس حقیقت سے جو ہمنے عطیہ کی بیان کی مثل آفتاب روشن کے یہ بات کھل گئی کہ یہ
روایت ابو سعید خدری سے جو صحابی رسول تھے نہین ہے۔ بلکہ ابو سعید کلبی سے ہے جو مفسر تھے۔

اب ہم ابو سعید کلبی کا حال ظاہر کرتے ہین تا کہ معلوم ہو جاے کہ یہ حضرت جن پر
ان تمام روایتون کا سلسلہ ختم ہوتا ہے جھوٹے اور حدیثون کے بنانے والے اور شیعہ تھے۔
انکی نسبت امام سخاوی نے شرح رسالہ منظومۂ جزری مین اوس باب مین جسکا اوپر ذکر ہوا
یہ لکھا ہے کہ اون لوگونمین سے جنکے مختلف نام اور متعدد لقب اور کنیتین ہین ایک محمد بن
سائب کلبی مفسر ہین اونھین کی کنیت ابو نضر ہے۔ اور اس کنیت سے ابن اسحاق اون سے
روایت کرتے ہین۔ اور اونھین کا نام حماد بن سائب ہے اور ابو اسامہ اسی نام سے
اونسے روایت کرتے ہین اور اونھین کی کنیت ابو سعید ہے اور اسی کنیت سے عطیہ عوفی
اونسے روایت کرتے ہین تا کہ لوگون کو شبہ مین ڈالین کہ یہ ابو سعید خدری ہین۔ اور انھین
کی کنیت ابو ہشام بھی ہے اور اس کنیت سے قاسم بن الولید اونسے روایت کرتے ہین
اصل الفاظ شرح مذکور کے یہ ہین۔ ان من امثلتہ (ای من لہ اسماء مختلفۃ ونعوت متعددۃ)
محمد بن السائب الکلبی المفسر ھو ابو النضر الذی روی عنہ ابن اسحٰق وھو حماد بن
السائب روی عنہ ابو اسامۃ وھو ابو سعید الذی روی عنہ عطیۃ الکوفی موھما

انہ الخذری وھو ابو ھشام روی عنہ القاسم بن الولید اور تقریب مین انکی
نسبت یہ لکھا ہے محمد بن السائب بن بشیر الکلبی ابو النضر الکوفی النسابۃ المفسر
متہم بالکذب ورمی بالرفض من السادسۃ مات سنۃ مأئۃ وست واربعین کہ محمد بن سائب
کلبی نسب جاننے والے اور تفسیر لکھنے والے جھوٹ اور رفض سے متہم ہین اور میزان الاعتدال
مین انکی نسبت لکھا ہے محمد بن السائب الکلبی ابو النضر الکوفی المفسر النسابۃ الاخباری
قال الثوری اتقوا الکلبی فقیل فانک تروی عنہ قال انا اعرف صدقہ من کذبہ قال البخاری
ابو النضر الکلبی ترکہ یحیی وابن مھدی ثم قال البخاری قال علی حدثنا یحیی عن
سفیان قال لی الکلبی کلما حدثتک عن ابی صالح فھو کذب وقال یزید بن زریع
حدثنا الکلبی وکان سبائیا قال ابو معاویۃ قال الاعمش اتق ھذہ السبائیۃ فانی
ادرکت الناس وانما یسمونھم الکذابین وقال ابن حبان کان الکلبی سبائیا من اولئک
الذین یقولون ان علیا لم یمت وانہ راجع الی الدنیا ویملأھا عدلا کما ملئت جورا وان
رأوا سحابۃ قالوا امیر المؤمنین فیھا وعن ابی عوانۃ سمعت الکلبی یقول کان
جبریل یملی الوحی النبی صلعم فلما دخل النبی صلعم الخلاء جعل یملی علی علی
وقال احمد بن زھیر قلت لاحمد بن حنبل یحل النظر فی تفسیر الکلبی قال لا وقال
الجوزجانی وغیرہ کذاب وقال الدارقطنی وجماعۃ متروک وقال ابن حبان وضوح
الکذب فیہ اظھر من ان یحتاج الی الاغراق فی وصفہ یروی عن ابی صالح عن ابن عباس
التفسیر وابو صالح لم یر ابن عباس ولا سمع الکلبی من ابی صالح فلما احتیج الیہ اخرجت لہ
الارض افلاذ کبدھا لا یحل ذکرہ فی الکتب فکیف الاحتجاج بہ کہ محمد بن سائب کلبی جنکی
کنیت ابو النضر ہے وہ کوفی ہین اور مفسر اور نسب جاننے والے اخباری ہین - امام ثوری
اونکی نسبت کہتے ہین کہ کلبی سے بچنا چاہیے اسپر اونسے کسی نے کہا کہ آپ تو خود اون سے
روایت کرتے ہین تو اونھون نے جواب دیا کہ مین اوسکے جھوٹ کو اوسکے سچ سے جدا کرتا

جانتا ہون - اور بخاری نے کہا ہے کہ یحیی اور ابن مہدی نے اوسکی روایت قابل ترک بتلائی ہے اور بخاری نے یہ بھی کہا ہے کہ علی نے یحیی سے اور اونھون نے سفیان سے بیان کیا ہے کہ کلبی نے سفیان سے کہا کہ ابو صالح سے جو مین تمسے روایت کرون وہ جھوٹی ہے - اور یزید بن زریع نے کلبی سے روایت کی ہے کہ وہ عبد اللہ بن سبا کے فرقے کا تھا - اور ابو معاویہ کہتے ہین کہ اعمش نے کہا ہے کہ اس سبائیہ فرقے سے بچنا چاہیے کیونکہ وہ کذاب ہوتے ہین - اور ابن حبان نے کہا ہے کہ کلبی سبائی تھا یعنی اون لوگو نمین سے جو کہتے ہین کہ علی کرم اللہ وجہہ نہین مرے اور پھر وہ دنیا کی طرف رجعت کرین گے اور اوسے انصاف سے اوسی طرح بھر دین گے جیسے کہ وہ ظلم سے بھری ہوئی ہوگی اور جبکہ وہ بادل کو دیکھتے تو کہتے کہ امیر المومنین اسی مین ہین - اور ابی عوانہ سے روایت ہے کہ وہ کہتے ہین کہ مین نے خود کلبی کو یہ کہتے سنا ہے کہ جبرئیل ع پیغمبر خدا صلعم پر وحی بیان کرتے اور ایسا اتفاق ہوتا کہ آپ رفع ضرورت کے لیے بیت الخلا جاتے تو جبرئیل ع علی رض پر اوس وحی کو املا کرتے یعنی اونسے کہتے - اور احمد بن زہیر کہتے ہین کہ مین نے امام احمد بن حنبل سے پوچھا کہ کلبی کی تفسیر کا دیکھنا درست ہے اونھون نے کہا نہین - اور جوزجانی وغیرہ نے کہا ہے کہ کلبی بڑا جھوٹا ہے اور دار قطنی اور ایک جماعت نے کہا ہے کہ وہ متروک ہے یعنی اوسکی روایت لینے کے لائق نہین ہے - اور ابن حبان کہتے ہین کہ اوس کا جھوٹ ایسا ظاہر ہے کہ بیان کرنیکی حاجت نہین ہے - اور ان حضرت کے صفات مین سے یہ صفت بھی بیان کی گئی ہے کہ وہ تفسیر کو ابی صالح سے اور ابو صالح کی روایت ابن عباس سے بیان کرتے ہین حالانکہ نہ ابو صالح نے ابن عباس کو دیکھا ہے نہ کلبی نے ایک حرف ابو صالح سے سنا - مگر جب اونکو تفسیر مین کچھ بیان کرنیکی حاجت ہوتی تو اپنے دل سے نکال لیتے ایسے کا ذکر کرنا بھی کتاب مین جائز نہین ہے نہ کہ اوس سے سند لینا -

اور تذکرۃ الحفاظ مین ذہبی نے اونکے فرزند ارجمند ہشام بن کلبی کا جہان

بیان لکھا ہے وہان انکے پدر بزرگوار یعنی محمد بن سائب کلبی کو رافضی لکھا ہے اور انکے
فرزند کو اس قسم کے متروکین مین سے کہ جسکو حفاظ حدیث مین داخل بھی نہین کیا جیسا
کہ وہ کہتے ہین هشام بن الكلبي الحافظ احد المتروكين ليس بثقة فلهذا لم ادخله
بين حفاظ الحديث وهو ابو المنذر هشام بن محمد بن السائب الكوفي الرافضي النسابة
اور یاقوت حموی نے معجم الادبا مین جہان محمد بن جریر طبری کی کتابونکا ذکر کیا ہے لکھا ہے
ولم يتعرض اى الطبرى لتفسير غير موثوق به فانه لم يدخل فى كتابه شيئا عن كتاب محمد
بن السائب الكلبي ولا مقاتل بن سليمان ولا محمد بن عمر الواقدى لانهم عنده
اظناء کہ طبری نے غیر معتبر تفسیر اپنی تفسیر کی کتاب مین بیان نہین کی اور اسی لیے
اپنی کتاب مین کچھ بھی محمد بن سائب کلبی اور مقاتل بن سلیمان اور محمد بن عمر واقدی کی
کتابون سے نہین لیا کیونکہ یہ لوگ اونکے نزدیک مشکوکین مین سے ہین - اور محمد طاہر
گجراتی نے تذکرۃ الموضوعات مین کلبی کی نسبت لکھا ہے قد قال احمد فى تفسير
الكلبي من اوله الى آخره كذب لا يحل النظر فيه -

K bibi s.a gaee k nahi ...jyada nahi thode se masle me abu bakr ko khol deta hu

3:20 PM

3:47 PM ✓

3:47 PM ✓

3:47 PM ✓

Ye aapke Sawal ka jawab 3:47 PM ✓

Islahi groupe

Arshad raza, Lala, Sadiq WARSI, Shoeb, S...

ری عیسیٰ نے بیان کی ہے اور عمارہ بن عقبہ نامی وہ شخص جس کا ذکر سن

ہے اور اس کی نقل کردہ روایت منکر ہے۔

Imam bukhari ne jo Hadees Nakal ki uske Rawi abdul Azeez bin Abdullah Ye hadees ka munkir hai yani hadees jo Bukhari Shareef me hai woh bhi sabit nahi hoto

3:48 PM

Yani uske alfaaz Sabit nahi hote

3:49 PM

Islahi groupe

Arshad raza, Lala, Sadiq WARSI, Shoeb, S...

+91 98791 51666 ~Bad Boy

Janab aap se jo sawal kar raha hu wo jawab de ki bibi s.a gaee hai ki nahi FADAQ lene

3:59 PM

Kya sahi kya galat baad me dekhte hai

3:59 PM

حضرت سیدہ فاطمہ علیہا السلام کے حضرت ابوبکر رضی اللہ سے میراث کے سوال کرنے کی توجیہ

علامہ بدرالدین محمود بن احمد عینی حنفی متوفی ۸۵۵ھ لکھتے ہیں:

اس جگہ یہ اعتراض ہوتا ہے کہ جب نبی ﷺ نے یہ فرمادیا تھا کہ ہم گروہ انبیاء وارث بنائے جاتے ہیں نہ کسی کو وارث بناتے ہیں' تو پھر سیدتنا حضرت فاطمہ علیہا السلام نے حضرت ابوبکر سے رسول اللہ ﷺ کی میراث کا سوال کیوں کیا؟ اس کا جواب یہ ہے کہ سیدتنا فاطمہ علیہا السلام نے اس وقت تک یہ حدیث نہیں سنی تھی اور ان کو یہ معلوم نہیں تھا کہ کسی کو اپنے ترکہ کا وارث نہ بنانا رسول اللہ ﷺ کی خصوصیت ہے' ان کے پیش نظر قرآن مجید کی یہ آیت تھی:

وَاِنْ كَانَتْ وَاحِدَةً فَلَهَا النِّصْفُ. (النساء:۱۱) اگر بیٹی ایک ہو تو اس کے لیے ترکہ کا نصف ہے۔

سو اس آیت کے عموم کے پیش نظر حضرت سیدہ فاطمہ علیہا السلام نے نبی ﷺ کے ترکہ سے اپنے حصہ کا سوال کیا تھا۔

علامہ ابن التین نے علامہ ابن بطال کے حوالہ سے لکھا ہے کہ شیعہ کا یہ زعم ہے کہ سیدہ فاطمہ علیہا السلام نے میراث کا مطالبہ نہیں کیا تھا بلکہ انہوں نے یہ مطالبہ کیا تھا کہ رسول اللہ ﷺ نے ان کو فدک ہبہ کر دیا تھا جس کا حضرت ابوبکر کو علم نہیں تھا' لیکن یہ ہرگز ثابت نہیں ہے کہ آپ نے ان کو فدک ہبہ کیا تھا اور نہ یہ ثابت ہے کہ حضرت سیدتنا فاطمہ علیہا السلام نے اس کا مطالبہ کیا تھا۔

شیعہ نے یہ بھی کہا ہے کہ حضرت سیدتنا فاطمہ علیہا السلام نے ہبہ کے دعویٰ پر حضرت علی کو بہ طور گواہ پیش کیا تھا لیکن حضرت ابوبکر نے ان کی گواہی کو یہ کہہ کر مسترد کر دیا تھا کہ حضرت علی آپ کے شوہر ہیں اور بیوی کے حق میں شوہر کی گواہی مقبول نہیں ہوتی' سو یہ بھی

Ye Raha iska Jawab Hazrat Fatima Radiyallaho TA'ALA Anho ka Mutalba e Fidaq karna sabit hi nahi hai

4:03 PM ✓

Ye sharah Sahi Bukhari 4:03 PM ✓

Islahi groupe

Arshad raza, Lala, Sadiq WARSI, Shoeb, S...

+91 98791 51666 ~Bad Boy💋💋

Are bhai aap k jawab ki raah dekh raha hu...aaap jawab de do ki gaee k nahi 4:03 PM

Fir baad me aap ko hawala de dunga 4:03 PM

Thos jawab de do 4:04 PM

Aapko Jawab hi nahi sunna hai to me kuch kar hi nahi sakta 4:04 PM ✓

+91 98791 51666 ~Bad Boy💋💋

Gaee k nahi gaee aap s.a 4:04 PM

Aap de hi nahi rahe 4:04 PM

Itna sara send kar rshe hai sirf likh de ki gaee k nahi 4:04 PM

Hawale ke Saath bheja hai padh lijiye 4:05 PM ✓

You

📷 Ye Raha iska Jawab Hazrat Fatima Radiyallaho TA'ALA Anho

Islahi groupe

Arshad raza, Lala, Sadiq WARSI, Shoeb, S...

> **You**
> Ye Raha iska Jawab Hazrat Fatima Radiyallaho TA'ALA Anho ka Mutalba e Fidaq karna sabit ...

Hazrat Fatima Radiyallaho Anho ne miraas ka dawa hi nahi kiya 4:06 PM

Ab is par Majeed bahas hi bekar hai 4:06 PM

> **+91 98791 51666**
> Ghar jaa k khud se puchna ki aik talib e ilm ko jawab nahi de raha

Aor is Mugalte me apa bhi mat rahna me Alim nahi hu 4:07 PM

Ye to Sadqa hai Mere Sarkaro ka jo thoda sa janta hu 4:08 PM

Islahi groupe

Arshad raza, Lala, Sadiq WARSI, Shoeb, S...

+91 97135 25666 ~हर कोई चाहता हे 1 मुट्ठी आ...

+91 98791 51666

Ye sab de kar aap bibi s.a par bohtan laga rahe hai

अस्सलामु अलैकुम

सदर मुनाजिर की तरफ से दोनों फरीक के लिए ये पोस्ट हैं।

सबसे पहले आप दोनों हज़रात की गुफ़्तुगू अच्छे अख़लाक़ से हुई । इसके लिए में आप दोनों का शुक्रिया अदा करता हु। ओर उम्मीद यही करूँगा आगे भी आप दोनों ऐसे ही अच्छे अख़लाक़ से बात करेंगे

मेने समीर बाबा साहब को दावा साबित करने को कहा था । ओर उन्होंने अपनी दलील जो पेश किया लेकिन वो दलील नस्से कतई से ना हो कर मुंकते रिवायत निकली जिससे दावा साबित नही होता। सय्यद साहब आप इस उसूल को जानते होंगे।

आपका दावा अभी अधूरा हे

Islahi groupe

Arshad raza, Lala, Sadiq WARSI, Shoeb, S...

शरत में ये भी तेय हुवा था कि मोजू पे बात होगी । जबकि आप बागे फदक का मसला बीच मे ला रहे हे । और फदक के मसले के हिस्से में क़ुरआन के कानून के हिसाब से ऐसी बात नही निकलती जिससे आपका दावा साबित हो इस लिए इस दावे पे उसको दलील नही बनाया जा सकता है ।

तो आप से मेरी यही गुजारिश रहेगी कि आप 3 दिन में नस्से कतई से दावा साबित नही कर रहे हे पहले उसको साबित करे ।

कयास से कोई भी काम ना ले कि वो ज्यादा क़ुरआन जानते थे या ये जानती थी इसके बजाय आप दलील से काम ले । दोनो फरीक

डॉ तारिक़ हूसेन साहब आप फदक पे दलील दे सकते हे वो अलग मसला हे । चाहे तो दे नही तो आप इस मोजू पे अलग से बहस करे ।

4:08 PM

Islahi groupe

Arshad raza, Lala, Sadiq WARSI, Shoeb, S...

Sadar Muhatram inhe thoda Alfaaz par Tawajjo dilaye mene pehle hi kaha tha Kisi par Taan o Tashni nahi hogi inhone Hazrat Siddique e Akbar ko Maaz Allah bina dalil bahut bura kaha jo qabil e qubool nahi 4:10 PM ✓

+91 97135 25666 ~हर कोई चाहता हे 1 मुट्ठी आ...

> +91 98791 51666
>
> Sadar sab ko aap bata de ki ...mai jawab hi nahi de raha kal se ki ....BIBI S.A FADAQ LENE GAEE KI NAHI..?

samir sahab ye topic nahi tha aap mojoo se na haten 4:10 PM

Islahi groupe

Arshad raza, Lala, Sadiq WARSI, Shoeb, S...

+91 97135 25666 ~हर कोई चाहता हे 1 मुट्ठी आ...

You

Sadar Muhatram inhe thoda Alfaaz par Tawajjo dilaye mene pehle hi kaha tha Kisi par Taan o Tashni nahi hogi inhone ...

bat
apne mayaar me
honi chahiye
mujhe ummid he ki
aap log hujjat na karte huve sirf
islaah ki bat hi karenge

magar mujhe aisa lagta he ab bat
adab ke dayre se hat rahi he
agar aesa raha to mujhe ye grup
dilit karna padh sakta he 4:14 PM

Islahi groupe
Arshad raza, Lala, Sadiq WARSI, Shoeb, S...

यानी जो शख्स अपने क़ोल व फैल से क़सदन हज़रत फातिमा रदियल्लाहो तआला अनहो को गज़ब में लाये उसके लिए वईद है।
क्योंकि हदीस में लफ्ज़ اغضاب है इसके माने यही है। और ये मालूम है कि हज़रत अबू बकर रदियल्लाहो तआला अनहों ने कभी हज़रत फातिमा रदियल्लाहो तआला अनहों को गज़ब में लाने और इज़ा पहुंचने का क़स्द हर गिज़ नहीं किया। क्योंकि वो बारहा मकाम उज़्र में फरमाते रहे क़सम है खुदा की ए रसूलुल्लह सलल्लाहु तआला अलैहि व सल्लम की साहब ज़ादी मुझे अपनी क़राबत से हुज़ूर अलैहिस्सलाम की क़राबत से सुलह रहमी ज़्यादा महबूब है।
और अगर हज़रत सय्यदा खातून ए जन्नत रदियल्लाहो तआला अनहों का ब तकाज़ा ए बशरीयत गज़ब में होना लिया जाए तो ये इन का अपना फैल है हज़रत अबू बकर रदियल्लाहो तआला अनहों पर कोई इल्ज़ाम नही इसलिए कि अग्ज़ाब यानी क़सदन गज़ब में लाने पर वईद है ना के गज़ब पर हाँ अगर इस अल्फ़ाज़ पर वईद होती के من غضب عليه غضبت عليه यानी जिस पर फातिमा गुस्सा हों तो उस पर में भी गुस्सा होऊगा। तो इस सूरत में इल्ज़ाम आईद होता

Islahi groupe

Arshad raza, Lala, Sadiq WARSI, Shoeb, S...

ابو بکر صدیق رضی اللہ عنہ مطالبہ فدک کے بعد حضرت سیدہ

کے دروازہ پر کھڑے ہوئے یہاں تک کہ حضرت فا

(اشعۃ اللمعات جلد سوم ص ۴۵۴)

4:40 PM

हज़रत अबू बकर सिद्दीक़ रदियल्लाहो तआला अनहों मुतालबा ए फ़िदक के बाद हज़रत सय्यदा के घर गए धूप में उनके दरवाज़े पर खड़े हुवे यहाँ तक कि हज़रत फातिमा रदियल्लाहो तआला अनहा उनसे राज़ी हो गई।

(अशतुल लम'आत जिल्द सोम सफा 454)

अगर बिल फ़र्ज़ मान भी लिया जाए कि आप अबूबकर सिद्दीक़ रदियल्लाहो तआला अनहों से नाराज़ हुई भी तो ये अर्ज़ी था जैसा ऊपर अशतुल लमात का हवाला मौजूद है। इसके अलावा हज़रत फत्मतुज़्ज़हरा का राज़ी होना मदारिजिन नबुव्वा, बहकी, शरः मिश्कात में मौजूद रेवायातो से भी साबित है

4:40 PM

حضرت ابو بکر صدیق رضی اللہ عنہ مطالبہ فدک کے بعد حضرت سیدہ کے گھر گئے اور
دھوپ میں ان کے دروازہ پر کھڑے ہوئے یہاں تک کہ حضرت فاطمہ رضی اللہ عنہا ان سے
راضی ہو گئیں۔ (اشعۃ اللمعات جلد سوم ص ۴۵۴)

Islahi groupe

+91 97135 25666 ~हर कोई चाहता हे 1 मुट्ठी आ...

You
Photo
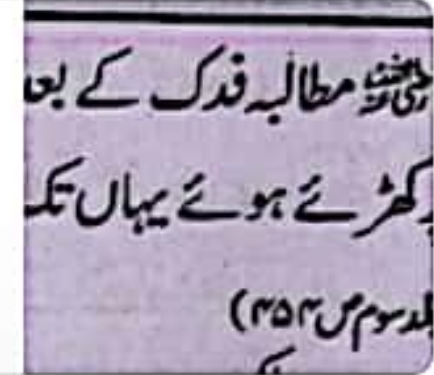
4:45 PM

+91 99777 45972 ~محمّد اظہر علی

You
हज़रत अबू बकर सिद्दीक़ रदियल्लाहो तआला अनहों मुतालबा ए फ़िदक के बाद हज़रत सय्यदा के घर गए धूप में उनके दरवा...

hadees no:01

502 सहीह बुख़ारी 5

...ख़लीफ़ा जो आँहुज़ूर (ﷺ) का अपनी ज़िन्दगी में था। ग़र्ज़ अबूबक्र ने फ़ातिमा (रज़ि.) को कुछ भी देना मंज़ूर न किया। इस पर फ़ातिमा (रज़ि.) अबूबक्र (रज़ि.) की तरफ़ से ख़फ़ा हो गई और उनसे तर्के मुलाक़ात कर लिया और उसके बाद वफ़ात तक उनसे कोई बातचीत नहीं की। फ़ातिमा (रज़ि.) आँहुज़ूर (ﷺ) के बाद छः महीने तक ज़िन्दा रहीं जब उनकी वफ़ात हुई तो उनके शौहर अली (रज़ि.) ने उन्हें रात में दफ़न कर दिया और अबूबक्र (रज़ि) को इसकी ख़बर नहीं दी और ख़ुद उनकी नमाज़े जनाज़ा पढ़ ली। फ़ातिमा (रज़ि.) जब तक ज़िन्दा रहीं, अली (रज़ि.) पर लोग बहुत तवज्जह रखते रहे लेकिन उनकी वफ़ात के बाद उन्होंने देखा कि अब लोगों के मुँह उनकी तरफ़ से फिरे हुए हैं। उस वक़्त उन्होंने...

dees no 02
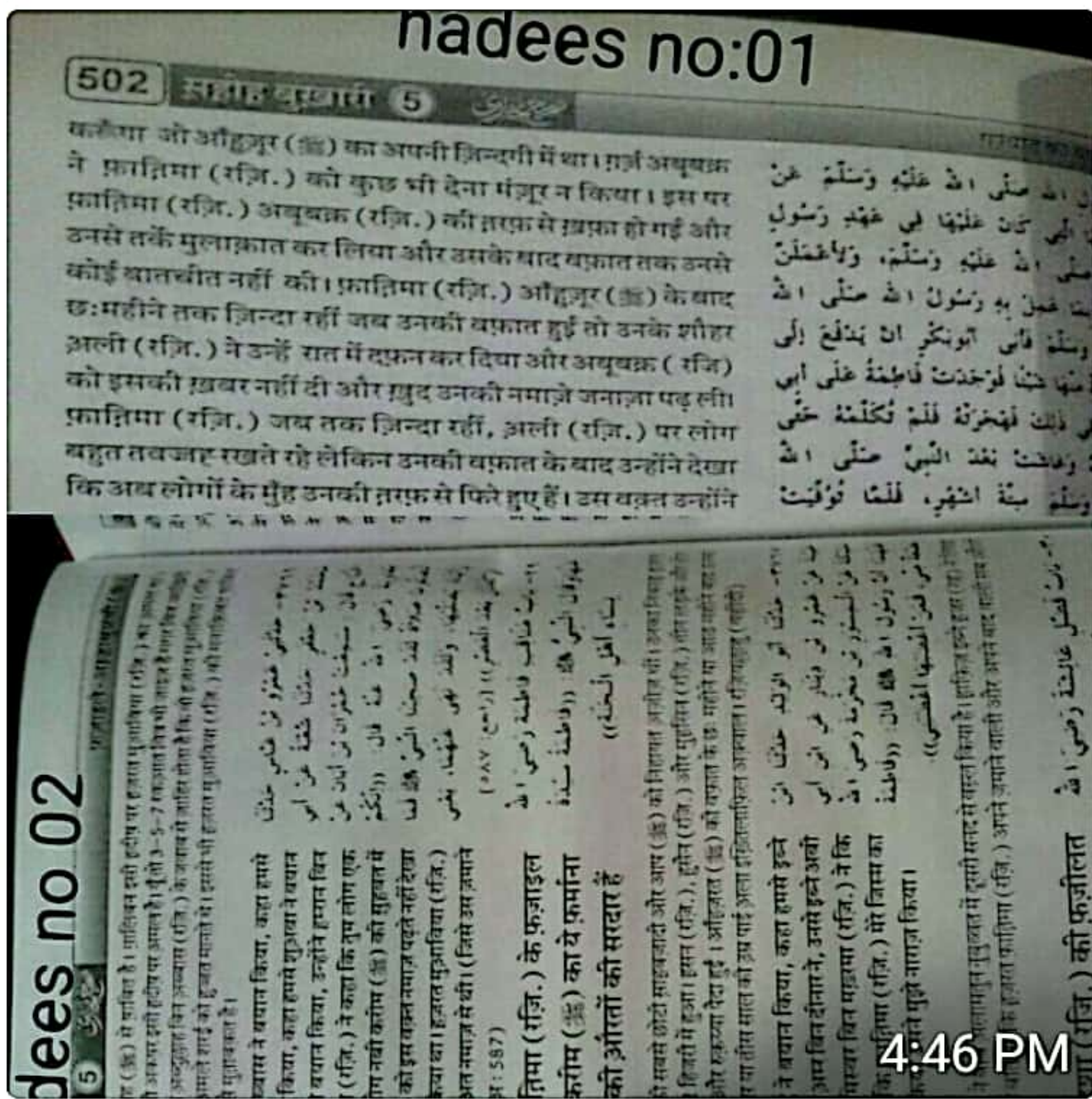
4:46 PM

Islahi groupe

Arshad raza, Lala, Sadiq WARSI, Shoeb, S...

+91 99777 45972

Photo

इन्हें बाहर करो 4:47 PM

+91 99777 45972 ~محمّد اظہر علی

You

इन्हें बाहर करो

Kyu kro janab 4:49 PM

+91 99777 45972 ~محمّد اظہر علی

+91 99777 45972

Photo

Apki baat ka jawab diya h

Haq baat jo he bukhari ki wo pesh ki h

Sameer bawa ki ijajat se ki h

Sayyad ki baat nhi mane ham 4:51 PM

Haq baat send ki 4:51 PM

Islahi groupe

Arshad raza, Lala, Sadiq WARSI, Shoeb, S...

+91 99777 45972

हज़रत फातिमा रदियल्लाहो तआला अन्हो के ये अल्फ़ाज़ है ही नही के

"पस फातिमा नाराज़ हो गईं। और उन्होंने हज़रत अबू बकर सिद्दीक़ को छोड़ दिया यहाँ तक आपकी वफात हो गयी और आप हुज़ूर अलैहिसालम के वीसल के बाद 6 माह ज़िन्दा रही।

ये अल्फ़ाज़ रवि के है और इसका रावी अब्दुल अजीज बिन अब्दुल्लह मझूल रावी है उसकी बात मोअतबर नहीं।

4:54 PM ✓

ये रहा तेरा जवाब 4:54 PM ✓

نے بیان کی ہے اور عمارہ بن عقبہ نامی وہ شخص جس کا ذکر

ہے اور اس کی نقل کردہ روایت منکر ہے۔

4:55 PM ✓

Islahi groupe

Arshad raza, Lala, Sadiq WARSI, Shoeb, S...

+91 99777 45972 ~محمّد اظہر علی

> **You**
> ये रहा तेरा जवाब

Tamiz se janab 4:55 PM

میزان الکتب

لاہور
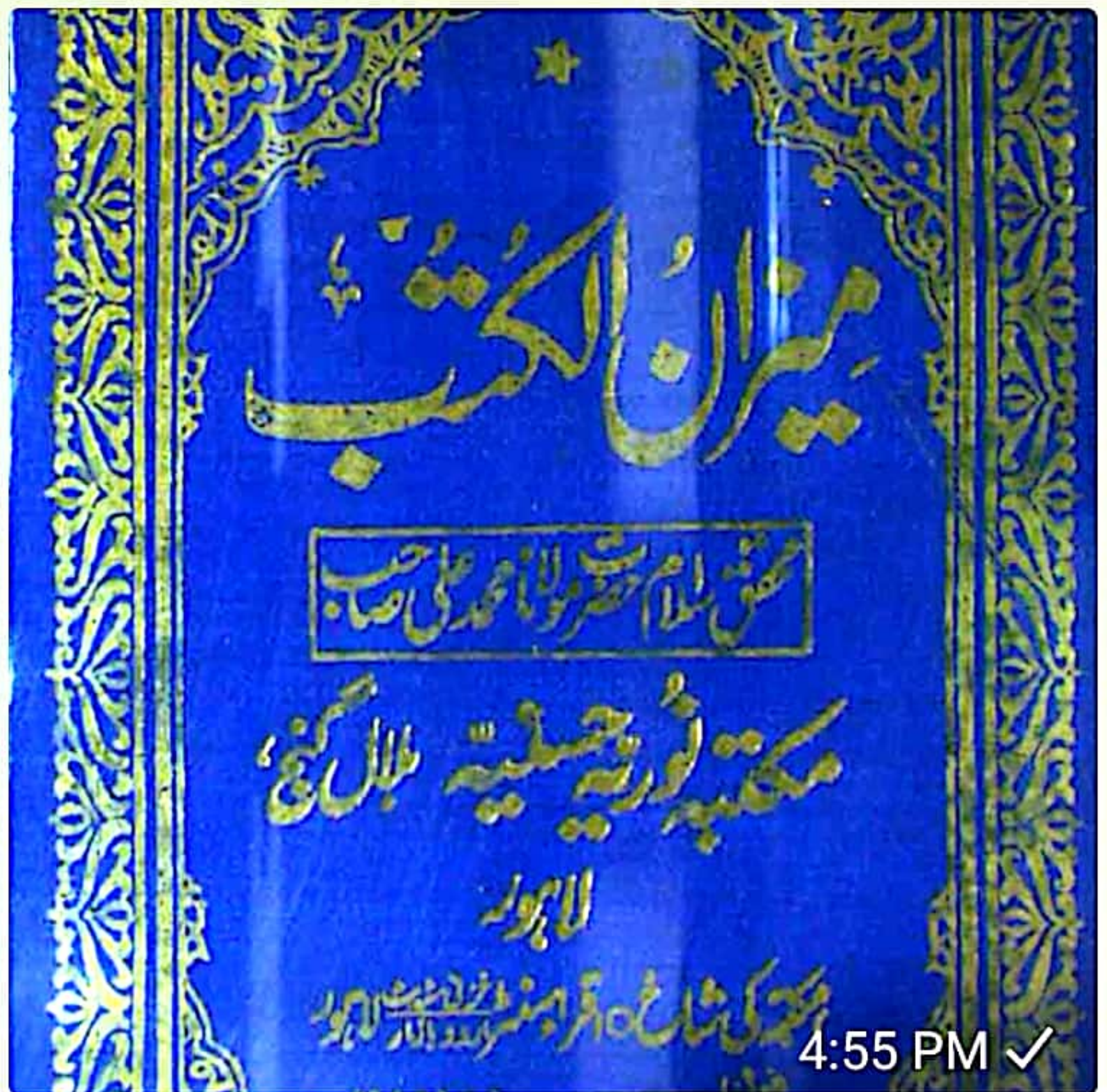
4:55 PM ✓

> **+91 99777 45972**
> Tamiz se janab

शराइत पर क़ायम रहो 4:55 PM ✓

Islahi groupe
Arshad raza, Lala, Sadiq WARSI, Shoeb, S...

+91 99777 45972 ~محمّد اظہر علی

> You
> शराइत पर क़ायम रहो

To apn bhi jnab tamiz se pesh aye

Sadar shab in janab ke jumle pe gour kre ..

Baat tamiz or adab ke dyre ki hui h

4:56 PM

Shoeb Bhai Munazra

> +91 99777 45972
> To apn bhi jnab tamiz se pesh aye
>
> ...

Sadar sahab aap jara inko bahar kariye.

Azhar bhai baar baar bich me bolte hai ...

Islahi groupe
Arshad raza, Lala, Sadiq WARSI, Shoeb, S...

Azhar bhai baar baar bich me bolte hai ...

Ab inko bahar karo aap 5:03 PM

+91 99777 45972 ~محمّد اظہر علی

> **Shoeb Bhai Munazra**
> Sadar sahab aap jara inko bahar kariye.
>
> Azhar bhai baar baar bich me bolte hai ...

Bhai bhar kroge to baat kis se kroge

Or rahi dusri baat to sadar shab ko ham bhi msg likh ke bhej skte h ki ye grup me send kro

Jis trari ke se aap grup m bhejne ke liye sadar shab ko msg de rhe h

Sadar shab app se motbana gujarish he aap msg khud ki marzi se send kre na ki kisi ke banye huye msg aap grup m send kre khud fesla lena h

Islahi groupe
Arshad raza, Lala, Sadiq WARSI, Shoeb, S...

Sadar shab app se motbana gujarish he aap msg khud ki marzi se send kre na ki kisi ke banye huye msg aap grup m send kre khud fesla lena h apko

Apko quran pak ko sar pe rakh ke fesla lena h

Aap ko hujur s a w ka wasta he khud fesla lena h apko

5:07 PM

5:08 PM

बस अब कोई जिरह नही जब इनके मुबाहिस ही दूसरों को msg करने का हुक़्म दे रहे तो अब क्या राह गया है ग्रुप मेम्बरान खुद msg पढ़ कर फैसला कर लीन्हे

5:10 PM ✓

लेंगे 5:10 PM ✓

Islahi groupe

Arshad raza, Lala, Sadiq WARSI, Shoeb, S...

Shoeb Bhai Munazra

> +91 99777 45972
>
> Bhai bhar kroge to baat kis se kroge
>
> ...

Or apko kisi waste se rok sakte hai ham...Koi asa wasta hai jo apko diya jaye to ap bichme bolna band kardoge...

Ho to batao apko de dete hai 5:24 PM

+91 97135 25666 removed +91 99777 45972

+91 97135 25666 ~हर कोई चाहता हे 1 मुट्ठी आ...

भाई बोहोत सारी बातें ऐसी हैं
जिसका ज़िक्र करने की मुमानियत हे
आप लोग जो बेहेस कर रहे हैं इसका
ओलमाओं को ज़िक्र करने का मना हे
पस आप लोगों की हुज्जत होरही थी इसलिए
इजाज़त भी देदी गई थी
अब और नहीं
सॉरी

5:59 PM

+91 97135 25666 removed +91 98791 51666

+91 97135 25666 removed you

जब हुज्जत क़ायम हो चुकी और ये ज़ाहिर हो गया कि ये लोग क़ुरआन पर अपने क़यास, ज़ईफ़ रिवायतें, मौज़ू व मुनक़ता दलीलों को ऊंचा कर रहे है। और दलील ए क़ुरानी के बाद भी क़ुरआन और हदीस पर इत्तेफ़ाक़ नहीं कर रहे, और अपनी ज़बान से साहाबा इकराम के तक़दुदुस को पामाल कर रहे हैं, ओर दलीलों को क़ुबूल करने के बाद भी हक़ क़ुबूल नहीं कर रहे, और शराइत की खिलाफ अर्ज़ी करते हुवे दूसरो को बीच मे बोलने के लिए इजाज़त दे रहे हैं। तब सदर साहब ने सभी को बाहर कर ग्रुप को बंद कर दिया।

इस मुबाहिसे का मक़सद हरगिज़ ज़ाती मफाद नहीं था बल्कि कम इल्म नोजवानो की इस्लाह था लेकिन अफसोस वहाँ मौजूद लोगों में से किसी ने भी क़ुरआन पर हमारे सामने इत्तेफ़ाक़ नहीं किया, और क़यास को तरजीह दी। जिनके सीने साहाबा की गुस्ताखी के बाईस काले हो जाते हैं वो लोग कभी हक़ क़ुबूल नहीं कर पाते।

मेरे अज़ीज़ों इसे आप तक पहुंचने का मक़सद सिर्फ इन सियाह मुनाफिकत से भरे दिलो के पर्दे को चाक करना था। जिसमे अल्लाह तआला ने हमे कामयाबी अता फरमाई। अब इसे आप तक पहुंचा कर हम इन लोगों से आपके और आपके अहलो अयाल के अक़ीदों की हिफाज़त की ज़िम्मेदारी सौंपते हैं। अगर ये लोग आपके आस पास कही किसी तरह की खबासत फैला रहे हो तो इनसे अपनो के ईमान की हिफाज़त करना आपकी ज़िम्मेदारी है।

हमारा मकसद अल्लाह और उसके रसूल सलल्लाहु तआल अलैहि व सल्लम की रज़ा हासिल करना और उनके प्यारों की शान का तक़ददुस को पामाल होने से बचाना था। इस मामले में हमारे जिन जिन भाइयों ने मेहनत से, दवाओं से या किसी और ज़रिये से इसमें मदद फरमाई अल्लाह तआला उनकी तमाम मुश्किलात को दूर फरमाए उन्हें खूब अजर ए अज़ीम अता फरमाए, और हर फ़ितनों से हमारी और हमारे आने वाली नस्लो की हिफाज़त फरमाए। आमीन सुम्मा आमीन। एक पुर खुलूस गुज़ारिश है, अपने प्यारे आक़ा अलैहिस्सलाम के उन जा निसारों की मुहब्बत ईमान का हिस्सा है क्योंकि उनसे अल्लाह और उसके रसूल ने मुहब्बत फरमाई। लिहाज़ा जहाँ भी ये मोल मदद नाम की ऑर्गनिजेशन चलाने वाले यहूदो नसारा के एजेंटों के जरासिम मोजूद हो हरगिज़ इनसे दूर हो जाना और अपने ईमान की ओर अपनी नस्लो की ईमान की हिफाज़त करना। फ़क़त अस्सलाम ओ अलैकुम व रहमतुल्लाहि तआला व बरकाताहू।

जिस सीने में
अबू-बकर ओ उमर
ओ उस्मानों
मुआविया رضي الله
عنهما की मुहब्बत
नहीं

वो सीना इसी लायक
है कि उसे कूटा जाए
या पीटा जाए